हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 24 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :53 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

आतिशी चुनी गई दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को रविवार को यहां आम आदमी पार्टी आपके विधायकों की बैठक में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुना गया।पार्टी के नेताओं ने यह जानकारी दी।

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पार्टी के 22 विधायक - जिनमें कालकाजी से विधायक आतिशी भी शामिल हैं - बैठक में शामिल हुए। दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा जो तीन दिन का होगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने कहा है कि पिछली आप सरकार के कामकाज के खिलाफ लंबित कैग रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। भाजपा ने पांच फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में 70 में से 48 सीट जीतकर आप को दिल्ली की सत्ता से बाहर कर दिया। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के कई शीर्ष नेता भी चुनाव हार गए।

आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पार्टी के 22 विधायक - जिनमें कालकाजी से विधायक आतिशी भी शामिल हैं -

Mann Ki Baat: प्रधानमंत्री मोदी ने छात्रों को दिया संदेश, कहा-

तनाव लिए बिना सकारात्मक सोच के साथ दें परीक्षा

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को नए तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया औ विशेषज्ञों के साथ आठ अलग-अलग संस्करण इसमें शामिल किए गए। उन्होंने कहा कि इनमें परीक्षाओं के अलावा स्वास्थ्य देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य के अलावा खान-पान जैसे विषयों को भी शामिल किया गया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बोर्ड की परीक्षाओं के लिए रविवार को छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें बगैर किसी तनाव के तथा सकारात्मक सोच के साथ परीक्षाएं देने का संदेश दिया। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बात की 119वीं कड़ी में उन्होंने परीक्षा पे चर्चा के वार्षिक आयोजन का भी उल्लेख किया और इस बात पर खुशी जताई कि यह कार्यक्रम ह्यएग्जाम वॉरियर्सह्ल के लिए एक संस्थागत रूप लेता जा रहा है।मोदी ने कहा, यह बोर्ड परीक्षाओं का समय है। मैं अपने युवा-साथियों यानी एग्जाम वॉरियर्स को उनकी परीक्षाओं के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आप बिना कोई तनाव लिए पूरे सकारात्मक भाव के साथ अपनी परीक्षाएं दीजिए।उन्होंने कहा, हर वर्ष परीक्षा पे चर्चा में हम अपने ह्यएग्जाम वॉरियर्स से परीक्षाओं से जुड़े अलग-अलग विषयों पर बात करते हैं। मुझे खुशी है कि अब यह कार्यक्रम एक संस्थागत रूप लेता जा रहा है और इसमें नए-नए विशेषज्ञ भी जुड़ते चले जा रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि इस

साल परीक्षा पे चचाकार्यक्रम को नए तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया औ विशेषज्ञों के साथ आठ अलग-अलग संस्करण इसमें शामिल किए गए। उन्होंने कहा कि इनमें परीक्षाओं के अलावा स्वास्थ्य देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य के अलावा खान-पान जैसे विषयों को भी शामिल किया गया। मोदी ने कहा कि साथ ही पिछले टॉपर्स ने भी अपने विचार और अनुभव सभी के साथ साझा किए।प्रधानमंत्री ने कहा कि बहुत से युवाओं, उनके परिजनों और शिक्षकों ने उन्हें पत्र लिखकर बताया है कि ये नए तरीके उन्हें बहुत ही पसंद आए क्योंकि इसमें हर विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि बहुत सारे लोगों को इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली की सुंदर नर्सरी में किया जाना भी बहुत पसंद आया। मोदी ने उन छात्रों से ह्यपरीक्षा पे चर्चाह्ल कार्यक्रम के संस्करणों को देखने का अनुरोध किया, जिन्होंने अभी तक इन्हें नहीं देखा है। उन्होंने कहा, ह्यह्यएक बार फिर अपने एग्जाम वॉरियर्सको मेरा यही संदेश है....बी हैप्पी एंड स्ट्रेस फ्री (खुश और तनावमुक्त रहिए)।

पीएम मोदी ने कहा, महिला दिवस पर इस बार मैं नारी-शक्ति को समर्पित नई पहल करने जा रहा हूं। इस दौरान मैं अपने एक्स और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया अकाउंट देश की प्रेरणादायक महिलाओं को सौंपने जा रहा हूं।8 मार्च को वह इसके जरिए वह अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों से साझा करेंगी। पीएम मोदी ने छात्रों (एक्जाम वारियर्स) की हौसाला आफजाई की। कहा, परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम संस्थागत स्वरूप लेता जा रहा है। इस वर्ष देश के कई टॉपर्स और हुनरमंद युवाओं ने उन्हें जरूरी टिप्स दिए हैं। सोशल मीडिया में देशभर के लोग इसे देखकर प्रोत्साहित कर रहे हैं। जो लोग नहीं देख पाए, नमो एप पर जाकर इन्हें एक बार जरूर देखें। पीएम मोदी ने कहा, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में देशभर के 11,000 से अधिक एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रोग्राम ने देवभूमि के नए स्वरूप को प्रस्तुत किया। उत्तराखंड देश में सशक्त खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है। खेलों की यह शक्ति व्यक्तियों और समुदायों के साथ-साथ पूरे राज्य को बदल रही है।

कोहली का 'विराट' शतक, भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया; देश में दिवाली-सा माहौल

एजेंसी

दुबई:चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में हाई वोल्टेज मुकाबला खेला गया।जिसमें भारत ने शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने 49.4 ओवर में 10 विकेट खोकर 241 रन बनाए थे। जिसे भारत ने 4 विकेट खोकर 42.3 में ही चेज कर लिया।

दुबई में खेले गए इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया दिया। भारत की ओर से दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शानदार शतकीय पारी खेली।उन्होंने 111 गेंदों में नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें 7 चौके शामिल हैं। श्रेयस अय्यर ने भी 67 गेंदों में 56 रन की अहम पारी खेली। इसके अलावा, शबमन गिल ने 52 गेदों में 46 रन, कप्तान रोहित शर्मा ने 15 गेंदों में 20 रन, हार्दिक पांड्या ने 8 रन और अक्षर पटेल ने नाबाद 3 रन बनाए।सलामी बल्लेबाज बाबर आजम 26 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट हार्दिक पंड्या को मिला।इसके बाद चोटिल फखर जमान के स्थान पर खेल रहे इमाम उल हक 10 रन पर रन आउट हो गए।पाकिस्तान के लिए सऊद शकील ने अर्धशतकीय (76 गेंद में 62 रन) पारी खेली, लेकिन कप्तान मोहम्मद रिजवान 46 रन बनाकर आउट हो गए। इसके अलावा, सलमान आगा 19 रन, तैय्यब ताहिर 4 रन, शाहीन अफरीदी 0 रन, नसीम शाह 14 रन, हारिस रऊफ 8 रन और खुशदिल शाह 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे।टीम इंडिया के गेंदबाजों के सामने पाकिस्तान के बल्लेबाज टीक नहीं पाए।पाकिस्तान की टीम शुरूआत से ही लड़खाती नजर आई। हार्दिक पांड्या ने 2 विकेट कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए।इसके अलावा, रविंद्र जडेजा को 1, अक्षर पटेल को 1 और हर्षित राणा को 1 विकेट मिले।

अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है तो मेरे पास विकल्प हैं, शशि थरूर ने कांग्रेस को चेताया!

एजेंसी

नई दिल्ली:वरिष्ठ कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केरल में पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की प्रशंसा की थी। उनकी इस टिप्पणी पर विवाद छिड़ा हुआ है। इस विवाद के बीच, थरूर ने कांग्रेस को चेतावनी दी कि अगर पार्टी को उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है तो उनके पास 'विकल्प' हैं।इंडियन एक्सप्रेस मलयालम पॉडकास्ट में बोलते हुए, थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि भले ही विचारों में अंतर हो, लेकिन वह ऐसा नहीं मानते।पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान, थरूर ने विवाद पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि उन्होंने कभी खुद को एक राजनेता के रूप में नहीं सोचा और उनके पास 'संकीर्ण राजनीतिक विचार' हैं। उन्होंने कांग्रेस से नए मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए केरल में अपना आधार बढ़ाने का आह्वान किया और पार्टी की राज्य इकाई में एक नेता की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। थरूर ने उनके और कांग्रेस के बीच मतभेद की खबरों पर भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पीएम मोदी का पूर्णिया एयरपोर्ट पर होगा भव्य स्वागत, 32 भाजपा नेता करेंगे अगवानी

एजेंसी

पटना:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को भागलपुर में किसान सम्मान कार्यक्रम में शामिल होंगे। वह सोमवार को विशेष विमान से नई दिल्ली से सीधे पूर्णिया स्थित चुनापुर हवाई अड्डा पहुंचेंगे। दोपहर 1.25 में उनका आगमन होगा।पांच मिनट बाद वह भागलपुर के लिए हेलीकॉप्टर से प्रस्थान करेंगे।2 बजकर 10 मिनट पर पीएम भागलपुर पहुंचेंगे। शाम 4 बजकर 17 मिनट पर वह वापस पूर्णिया एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। आने-जाने के क्रम में प्रधानमंत्री 10 मिनट हवाई अड्डा पर रुकेंगे। पूर्णिया आने पर सीमांचल के चारों जिलों के 32 टकसाली भाजपा नेताओं की ओर से हवाई अड्डा पर ही उनका अभिवादन किया जाएगा। इन नेताओं की सूची पीएमओ से भेजी गई है।पीएम के आने से पहले बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा और डीजीपी विनय

कुमार भी पूर्णिया पहुंच चुके हैं। पीएम के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के अलावा पीएम के कार्यक्रम में शामिल होने वाले एनडीए नेता व कार्यकर्ता के अलावा हजारों किसानों को आवाजाही में किसी तरह की परेशानी न हो इसको लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिया जा रहा है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार एवं एसपी कार्तिकेय के शर्मा पीएम के ट्रांजिट विजिट को लेकर लगातार मुस्तैद हैं।सोमवार को भागलपुर में कार्यक्रम को लेकर पूर्णिया के चुनापुर सैन्य हवाई अड्डा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्रांजिट विजिट निर्धारित है। इसके लिए चुनापुर से लेकर जिला मुख्यालय तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चुनापुर से लेकर शहर के 44 स्थानों पर अधिकारियों की नजर रहेगी। जबकि आधा दर्जन रूटों पर दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक वाहनों की नो इंट्री लगी रहेगी। हालांकि पीएम का विशेष विमान चुनापुर सैन्य हवाई अड्डा पर लैंड करेगा और फिर वे यहीं से भागलपुर के लिए उड़ान भरेंगे।

अखिलेश यादव ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों को लेकर भाजपा की 'डबल इंजन' सरकारों पर किया कटाक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली:समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के '21 मिलियन डॉलर' के दावे के बाद भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की। उन्होंने मोदी सरकार के भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के वादे पर सवाल उठाया। मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि क्या उनकी 'डबल इंजन' सरकार का एक इंजन 'विदेशी' है।एक्स पर अपने पोस्ट में, पूर्व यूपी सीएम ने लिखा, 'जनता पूछ

रही है कि भाजपा ट्रिलियन-ट्रिलियन डॉलर का जो राग अलाप रही है, उसमें अमेरिका से आया ह्य21 मिलियन डॉलरह्ल भी जुड़ा है क्या? जनता ये भी पूछ रही है कि कहीं डबल इंजन में एक इंजन विदेशी तो नहीं है ?'इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों और व्हाइट हाउस में उनकी हालिया बैठक के बावजूद भारत पर लगातार हमले जारी रखे। लगातार चौथे दिन ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी ने भारत को मतदान बढ़ाने के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए हैं।अपने हालिया बयान में ट्रंप ने सीधे पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा, 'और भारत में मतदान के लिए मेरे मित्र प्रधानमंत्री मोदी को 21 मिलियन डॉलर दिए जा रहे हैं'।

दिल्ली की महिलाओं को कब मिलेंगे 2500 रुपये? रेखा गुप्ता से पूछा गया सवाल, आप ने नयी सीएम पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र से पहले प्रदेश पार्टी कार्यालय में अन्य भाजपा विधायकों के साथ बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार पर भाजपा सरकार के लिए सरकारी खजाना खाली छोड़ने का आरोप लगाया। दिल्ली की सीएम ने यह जवाब भाजपा द्वारा महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये दिए जाने से जुड़े सवाल पर दिया।दिल्ली सीएम ने कहा

कि महिला समृद्धि योजना के कार्यान्वयन पर अधिकारियों के साथ कई बैठकें हुई हैं, जिसके तहत दिल्ली में पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जाना है। योजना को लागू करने की तैयारी के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, '(पिछली) सरकार हमें किस स्थिति में छोड़ गई है। जब हम मौजूदा सरकार की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करने के लिए अधिकारियों के साथ बैठे, तो हमने पाया कि सरकारी खजाना खाली है।' लेकिन गुप्ता ने आश्वासन दिया कि इस योजना को निश्चित रूप से विस्तृत योजना के साथ लागू किया जाएगा।रेखा गुप्ता के बयान पर आम आदमी पार्टी ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि दिल्लीवालों से किए वादों को पूरा करने के बजाय भाजपा ने 'बहाना बनाओ मुहिम' शुरू कर दी है।

जयशंकर ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों को चिंताजनक बताया, कहा सरकार कर रही है जांच

एजेंसी

नई दिल्ली:अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया कि बाइडन प्रशासन ने भारत को उसके चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर की धनराशि आवंटित की।ट्रंप के दावे ने भारत में विवाद पैदा कर दिया है। जयशंकर ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी चिंताजनक है और सरकार इसकी जांच कर रही है।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में आयोजित डीयू साहित्य महोत्सव में भाग लिया। इस दौरान उनसे ह्ययूएसएडह्ल के मुद्दे के बारे में सवाल पूछा गया, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रंप प्रशासन के लोगों द्वारा कुछ जानकारी सामने रखी गई है, और जाहिर है कि यह चिंताजनक है।इससे पता चलता है कि ऐसी गतिविधियां हैं जिनका एक निश्चित उद्देश्य है किसी विमर्श या दृष्टिकोण को बढ़ावा देना। जयशंकर ने कहा, 'एक सरकार के रूप में, हम इसकी जांच कर रहे हैं, क्योंकि ऐसे संगठनों का दायित्व है कि वे जानकारी दें। और, मेरा मानना ?? है कि तथ्य सामने आएंगे।' उन्होंने कहा कि मैंने पढ़ा, फलां व्यक्ति ने यूएसएड के साथ काम किया..

बिहार के सवा लाख शिक्षकों को नियुक्ति पत्र बांटेगी नीतीश सरकार, मार्च में बड़ा आयोजन

एजेंसी

पटना:बिहार के सवा लाख से अधिक शिक्षकों को मार्च में नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इनमें बिहार लोक सेवा आयोग (इढरउ) से तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती में चयनित 66 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। वहीं, दूसरे चरण की सक्षमता परीक्षा पास करने वाले करीब 65 हजार नियोजित शिक्षकों को भी विशिष्ट शिक्षक के रूप में औपबंधिक नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। दोनों तरह के नियुक्ति पत्र का वितरण पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों चुनिंदा शिक्षकों के बीच किया जा सकता है। शेष को संबंधित जिले में नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। बिहार सरकार ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बीपीएससी से चयनित तीसरे चरण के शिक्षक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देने की तिथि 9 मार्च मानकर तैयारी की जा रही है। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की तारीख की विधिवत घोषणा अभी नहीं की गई है। विभाग ने जिलों के पदाधिकारियों को इसी तारीख के अनुसार तैयारी करने का निर्देश

दिया है। जल्द ही तारीख की घोषणा होने की संभावना है। विभागीय सूत्रों के अनुसार तीसरे चरण में चयनित शिक्षकों की काउंसिलिंग पूरी कर ली गई है। बीपीएससी के द्वारा आवंटित जिलों में इनकी काउंसिलिंग हुई है।नियुक्त पत्र प्राप्त करने के बाद ये सभी शिक्षक प्रशिक्षण लेंगे। इसके बाद विद्यालय में इनका योगदान कराया जाएगा। प्राथमिक विद्यालयों के 21,911, मध्य विद्यालयों के 16,989, माध्यमिक विद्यालयों के 15,250 और उच्च माध्यमिक के 12,195 शिक्षक अभ्यर्थियों को विशिष्ट शिक्षक का औपबंधित नियुक्ति पत्र देने की तैयारी चल रही है।सक्षमता परीक्षा-2 उत्तीर्ण उत्तीर्ण को नियुक्ति पत्र 1 मार्च कोदूसरे चरण की सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले नियोजित शिक्षकों को एक मार्च को विशिष्ट शिक्षक का औपबंधित नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। सक्षमता परीक्षा-2 में 65 हजार 716 शिक्षक उत्तीर्ण हुए थे। इसके बाद कई चरणों में इनकी काउंसिलिंग हुई है। इसमें जिन शिक्षकों की काउंसिलिंग पूरी हो चुकी है, उन्हें विशिष्ट शिक्षक के रूप में नियुक्ति पत्र दे दिया जाएगा। विशिष्ट शिक्षक के रूप में इन शिक्षकों के योगदान के साथ ही इन्हें सरकारी शिक्षक का दर्जा प्राप्त हो जाएगा। मालूम हो कि राज्य सरकार का निर्णय है कि सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण होने के लिए नियोजित शिक्षकों को 5 मौके दिये जाएंगे। दो चरण की सक्षमता परीक्षा हो चुकी है। पहले चरण में उत्तीर्ण नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक का औपबंधिक नियुक्ति पत्र पहले ही दिया जा चुका है।

हुसैनगंज में खैरुल वरा कॉन्फ्रेंस में जुटे सैकड़ों मुस्लिम

कॉन्फ्रेंस से देश में अमन शांति एवं भाईचारे की मांगी दुआ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज/सिवान : हुसैनगंज, प्रखंड के हुसैनगंज अठघरवा स्थित मदरसा दारुल उलूम एहसानिया के अहाते में दस्तारबंदी के मौके पर शनिवार की देर शाम को खैरुल वरा कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। आयोजन की चहल पहल शाम ढलते ही देखने को मिली। कॉन्फ्रेंस तक के रास्ते को झालरों एवं रंगीन लड़ियों से सजाया गया था और रस्ते के दोनों तरफ मिठाइयों व खिलौनों की दुकान से मेले जैसा माहौल बना हुआ था। इस आयोजन में देश के एवं राज्य के विभिन्न हिस्सों से उलेमा एवं शोअरा तशरीफ लाए हुए थे। कुरान की तिलावत के साथ शुरू हुए इस कांफ्रेंस में दूर दराज से आए नातख्वाहों

ने अपने कलाम से मौजूद दर्शक दीघा को झूमने पर मजबूर कर दिया। दर्शकों ने उनके कलाम पर खूब नारे लगाए और वाहवाही की। वहीं तकरीर के माध्यम से लोगों को इस्लाम के बताए हुए रस्ते पर चलने और शांतिपूर्वक इबादत के साथ जिंदगी गुजरने की ताकीद की गई। जिसके बाद मदरसा दारुल उलूम एहसानिया से इस साल कुरआन की हिफ़्ज़ कर फारिग हुए सात हुफ्फाज की दस्तारबंदी की गई। वहां मौजूद अतिथियों एवं ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी एवं पुरस्कृत किया। इस कांफ्रेंस में उतर प्रदेश के मुरादाबाद के सम्भल से हजरत मौलाना तौसीफ रजा, गया से शायरे इस्लाम नसीम सहर, मौलाना गौस रजा, मौलाना वसीम अकरम रिजवी, नात ख्वाह साबित रोहतास्वी, नौशाद छपरावी, मोजस्सम रजा नूरी समेत अन्य उलेमा व शोअरा ने अपने कलाम पेश किए। जिसके बाद सभी ने मुल्क में अमन एवं भाईचारे को मजबूती प्रदान करने की दुआएं मांगी। कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने में मदरसा कमेटी एवं स्थानीय ग्रामीणों का भरपूर सहयोग रहा। प्रोग्राम देर रात लगभग डेढ़ बजे खत्म हुआ।

बिहार पुलिस सप्ताह में फैंसी मैच में जन प्रतिनिधि पत्रकार एकादश ने पुलिस टीम को हराया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार पुलिस सप्ताह के खेलों पुलिस के साथ कार्यक्रम के तहत रविवार को मशरक प्रखंड के हाईस्कूल कर्ण कुदरिया के खेल मैदान में पुलिस एकादश एवं जनप्रतिनिधि एवं पत्रकार एकादश के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच का उद्घाटन मशरक इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह और सीओ सुमंत कुमार ने फीता काटकर किया। मैच में पुलिस एकादश की कप्तानी थानाध्यक्ष अजय कुमार एवं जनप्रतिनिधि एकादश की कप्तानी शिक्षक नेता संतोष सिंह ने की। टांस जीतकर मशरक पुलिस टीम ने 12 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 99 रन बनाई वहीं वही जन प्रतिनिधि पत्रकार टीम ने 10 ओवर में ही 100 रन बना लक्ष्य प्राप्त कर लिया।मैन ऑफ द मैच विजेता टीम के मुकेश कुमार सिंह को दिया गया जिन्होंने 3 विकेट लेकर 32 रन बनाएं? ।विजेता टीम को मशरक इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह एवं उपविजेता टीम को सीओ सुमंत कुमार ने कप प्रदान किया। इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार पुलिस सप्ताह का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि पुलिस और जनता के बीच रिश्तों को और मजबूत बनाना भी है। सीओ सुमंत कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए पुलिस की आम जनता तक पहुंच बढ़ेगी और लोगों की समस्याओं का समाधान करने में भी मदद मिलेगी। मौके पर डुमरसन मुखिया बच्चा लाल साह, कर्ण कुदरिया मुखिया प्रतिनिधि अशरफ अली, चांद कुदरिया मुखिया धर्मेंद्र मांझी, पूर्व उप प्रमुख साहेब हुसैन उर्फ टुनटुन, सोनौली मुखिया इम्तियाज खान उर्फ चुन्नू बाबू,लोजपा संसदीय बोर्ड के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

संत निरंकारी मिशन द्वारा चलाया गया बूढ़ी गंडक नदी घाट का साफ सफाई अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के प्रोजेक्ट अमृत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान के तृतीय चरण में मिशन के सैकड़ों सेवादल वोलेन्टियर द्वारा मगरदही घाट से पीपड़ा घाट तक नदी घाटी की सफाई की गई। कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक समस्तीपुर के अध्यक्ष विनोद राय ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जन मानस को जागरुक करना एक सार्थक कदम है ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सकें। वहीं समस्त कार्यक्रम का संचालन सही एवं सुरक्षित रूप से करते हुए आदरणीय मुखी महात्मा राजेश कुमार ने बताया की परम श्रद्धेय सद्?गुरु माता

सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन आशीर्वाद से यह अभियान आज ही देश भर के 27 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशो के 900 से अधिक शहरों में 1600 से भी अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जा रहा है। इस दिव्य पहल का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। गीतों की संगीतमय प्रस्तुति, समूह गान, जागरुकता सेमिनार के माध्यम से जल जनित रोगों और स्वच्छता के प्रति जागरुकता बढ़ाई जा रही है। नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झड़नों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतो की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित। इस महाअभियान ने अपने पहले दो चरणो में अभूतपूर्व प्रभाव डाला। इसी प्रेरणा के साथ, इस वर्ष तृतीय चरण को और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं दूरगामी दृष्टि से आगे ब?ढ़ाया गया है ताकि यह अभियान निरंतर विस्तार पाकर समाज में जागरुकता, सेवा और समर्पण की भावना जागृत कर सके। अवसर पर सेवादल संचालक महात्मा राम प्रकाश जी, शिक्षक नन्देश्वर जी, शिक्षिका बहन अर्चना रानी ,राज किशोर, यमुना प्रसाद, विनोद कुमार महाराज, मोतीलाल, मिथलेश कुमार सहित निरंकारी मिशन के सैकड़ो सेवादल वोलेन्टियर ने सफाई अभियान को सफल बनाया। वहीं जागरुकता रैली भी निकाली गई। जो संत निरंकारी भवन से चलकर मगरदही घाट बूढ़ी गंडक नदी पहुंचा और साफ सफाई अभियान में जुट गये।

टोटो पलटने से दुकान का समान क्षतिग्रस्त, दुकानदार बाल बाल बचे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। कृषि बाजार समिति के पास सड़क के किनारे रविवार को सड़क के एक टोटो के पलटने से पति पत्नी बाल बाल बचे। मगर दुकान का सारा समान बर्बाद हो गया। बगल के दुकानदारों के कारण दोनो की जान बच सकी। मामला को शांत किया गया। मिली जानकारी के अनुसार लिट्टी, कचरी आदि की दुकान पर रविवार टोटो पलट गया जिससे सारा सामान वर्तन में रखा गिर पड़ा करही में रखा तेल गिरने से बच गया, जिससे अनहोनी घटना होने से बच गई। भाग अच्छा था कि किसी प्रकार का कोई अनहोनी घटना घटित नहीं हुई। इसके बाद बर्बाद हुए सामान का पैसा देने के बाद मामला शांत हुआ। बगल में मथुरापुर थाना को भनक तक नही लगी, जबकि रविवार के दिन जाम के कारण पुलिस को सड़क पर रहना चाहिए था।

पलानी मे आग लगने हजारों की संपति जलकर राख

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के कर्ण कुदरिया पंचायत के कर्ण कुदरिया गांव के वार्ड -10 में रविवार को पलानी के घर मे आग लग गई,आग कैसे लगीं यह पता नहीं चल पाया। लेकिन आग से हजारों रूपए की क्षति हुई है। पीड़ित कर्ण कुदरिया गांव निवासी सुरेन्द्र मांझी हैं। घटना के बारे में बताया गया कि सभी परिवार के लोग खेतों में काम कर रहे थे कि अचानक पलानीनुमा घर से अचानक आग की लपटे उठने लगी। लोगों के चिल्लाने पर ग्रामीणों ने पहुंच कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक आग ने बिछावन, खानें का सामान समेत हजारों रूपए का सामान जल गया। वहीं चैनपुर पेट्रोल पंप के पास खरहुल में और चंदेश्वर मोड़ के पास उत्पाद थाना के सामने भी जंगलों में आग लग गई।

समाज सेवी राजू सहनी ने अपने कोष से शौचालय का कराया निर्माण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के समस्तीपुर नगर निगम अंतर्गत लगुनियां रघुकंठ पंचायत के भिड़ी टोल निवासी स्वर्गीय ज्ञानरंजन कुशवाहा के घर की महिलाओं व बच्चों को हो रही परेशानी को देखते हुए जिले के चर्चित समाजसेवी राजू सहनी ने शुक्रवार 21 फरवरी को उनके आवास परिसर में शौचालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दिया। इसके तहत समाजसेवी राजू सहनी ने अपने निजि कोष से शौचालय निर्माण के लिए 16 रिंग उपलब्ध करा दिया। जिसे स्थानीय मजदुरों के द्वारा परिजनों के द्वारा चयनित स्थल पर गड्ढा खोदकर सभी रिंग को उस गड्ढे में डालकर शौचालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी। शौचालय निर्माण के बाद स्वर्गीय ज्ञानरंजन कुशवाहा के परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना नहीं पड़ेगा। बताया

जाता है कि जिस समय लगुनियां रघुकंठ निवासी स्वर्गीय ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा की असामयिक निधन हुआ था, उस समय भी समाजसेवी राजू सहनी ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर करीब 30 - 35 हजार रुपए का खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया था, तथा उसी समय उन्होंने वादा भी किया था कि कुछ दिन बाद वह घर की महिलाओं व बच्चों को कभी किसी प्रकार की परेशानी नही होने देंगे। जिस वादे को समाजसेवी भाई राजू सहनी ने करीब दो सप्ताह के अंदर पुरा करते हुए, शौचालय निर्माण की प्रक्रिया शुरू करा दिया है। इस संबंध में दुरभाष पर जानकारी देते हुए जिले के चर्चित समाजसेवी भाई राजू सहनी ने बताया कि समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले स्वर्गीय ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा का देहांत होने के बाद वह उनके परिजनों से मिलने गये थे। जहां उन्होंने यथासंभव पीड़ित परिवार की मदद किए थे, तथा उसी समय स्वर्गीय ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा के परिजनों द्वारा बताया गया था कि उनके घर शौचालय नही होने के कारण उनलोगों को काफी परेशानी होती है। जिसके बाद उन्होंने परिजनों को शौचालय निर्माण कराने का आश्वासन भी दिया था, जिसे उन्होंने पूरा करते हुए शौचालय निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू करा दिया गया है। इस दौरान चर्चित समाजसेवी राजू सहनी ने यह भी बताया कि स्वर्गीय ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा की एक बच्ची भी है। जिसकी इच्छा है जो मेडिकल की तैयारी करना चाहती है। जिसके नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गयी है। बहूत जल्द स्वर्गीय ज्ञानरंजन कुमार कुशवाहा के बच्ची का नामांकन भी मेडिकल की तैयारी के लिए करा दिया जाएगा।

नूराचक सरसौना में शिवलिंग का जीर्णोद्धार हेतु अनुष्ठान का आयोजन किया गया।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

प्रखंड संवाददाता,ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ) : - - जिले के ताजपुर प्रखंड अंतर्गत गौसपुर सरसौना पंचायत के नूराचक सरसौना ग्राम में अवस्थित श्री ओमेश्वरनाथ शिव मंदिर मे शिवलिंग का जीर्णोद्धार हेतु अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है ' यह अनुष्ठान आज रविवार को 501 कुमारी कन्याओं के द्वारा कलश यात्रा से शुभारंभ हुआ जिसके लिए बच स्थित घाघनाथ घाट से सभी कन्याओं के द्वारा जल लाया गया ' इसके निम्नलिखित सदस्य हैं रमेश प्रसाद सिंह अध्यक्ष, अमित कुमार कोषाध्यक्ष, नवीन कुमार सचिव, अमरेंद्र सिंह उपसचिव, इनके अतिरिक्त सदस्य उमेश कुमार करुणाकर, संजय कुमार करुणाकर, सत्यम कुमार, महेश्वर सिंह, बबलू सिंह, सुजीत कुमार, राजेश सिंह, पंकज कुमार, पप्पू कुमार, विपिन कुमार, वेद प्रकाश एवं समस्त श्रद्धालुगण '

दो ग्रामीण आवास सहायकों पर की गई कड़ी कार्रवाई

मोहम्मद सदर आलम नौमानी

सीतामढ़ी:जिला के बेलसंड प्रखंड के ग्राम पंचायत डुमरा नुनौरा के ग्रामीण आवास सहायक के द्वारा बरती गई लापरवाही को देखते हुए उनके विरुद्ध आरोप पत्र गठित करने का आदेश जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंड विकास अधिकारी बेलसंड को दिया गया। वहीं ग्राम पंचायत जाफरपुर के ग्रामीण आवास सहायक के द्वारा लाभार्थी से अवैध राशि लेने के लिए आरोप प्रमाणित होने पर उनके विरुद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिक दर्ज करने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंड विकास अधिकारी बेलसंड को दिया गया।साथ ही आरोप पत्र गठित करने का भी आदेश दिया गया। मालूम हो कि पंचायत समिति, प्रमुख, बेलसंड के द्वारा प्रखंड बेलसंड में ग्रामीण आवास सहायकों के द्वारा पैसे की अवैध उगाही का आरोप लगाया गया था। इस देखते हुए जिलाधिकारी के द्वारा उक्त आलोक में उप विकास आयुक्त को जांच करने का निर्देश दिया गया था।बेलसंड प्रखंड में ग्रामीण आवास सहायकों पर लगाए गए आरोप की जांच स्वयं उप विकास आयुक्त के द्वारा की गई।

डुमरा नुनौरा पंचायत के ग्रामीण आवास सहायक पर लगाए गए आरोप के जांचोपरांत आवास सहायक की लापरवाही स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई है जिसे देखते हुए उनके विरुद्ध आरोप पत्र गठित करने का आदेश प्रखंड विकास अधिकारी को दिया गया है।वहीं जाफरपुर पंचायत के आवास सहायक लाल बाबू प्रसाद के द्वारा लाभुकों से ?12000 की अवैध वसूली का आरोप जांच के उपरांत प्रमाणित पाया गया ।इसे देखते हुए इनके विरुद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिक दर्ज करते हुए आरोप पत्र गठित करने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंड विकास अधिकारी बेलसंड को दिया गया है। इस संबंध में उप विकास आयुक्त मनन राम ने बताया कि योजनाओं के क्रियान्वयन के क्रम में किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आवाम से प्राप्त शिकायतों के निवारण की दिशा में पूरी गंभीरता बरतते हुए जांचोपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निरंकारी मिशन ने मशरक के घोघाड़ी नदी और छठ घाटो पर चलाया सफाई अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन के भक्तों द्वारा सतिवार तीर छठ घाट घोघारी नदी के किनारे और पानी के अंदर के कचरा सफाई के लिए सफाई अभियान संत निरंकारी बाबा हरदेव सिंह महाराज के जन्मदिन के अवसर पर चलाया गया कबता दे की संत निरंकारी मंडल दिल्ली (रजि.) चैरिटेबल फाउंडेशन के द्वारा पुरे भारत वर्ष में, और दूर देशों में प्रोजेक्ट अमृत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन मिशन के तहत समुंद्र, नदी, नाला, पोखरा, तालाब, कुआँ आदि का वाटर बॉडीज का कचरा सफाई किया जा रहा है कजिसके तहत आज निरंकारी भक्तों ने सेवादल संचालक अजय कुमार के नेतृत्व मे सफाई किया ककार्यक्रम के दौरान ब्रांच के मुखी महात्मा शिवनारायण सिंह ने कहा की आज

पूरे विश्व में जल प्रदूषित होते चला जा रहा है, इंसान नदी, नाला मे ही कचरा फेक रहा है, जिससे पानी प्रदूषित होकर लुप्त होते जा रहा है कजो बहुत ही चिंता का विषय है क जब पानी स्वच्छ होगा तो हमारा मन भी स्वच्छ होगा और आज मन को ही स्वच्छ करने की जरूरत है क वही सेवादल संचालक अजय कुमार ने बताया की इस दिव्य पहल का उदेश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं बल्कि जल संरक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है क नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं, जैसे प्राकृति जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित करना ही इस महा अभियान का मुख्य उदेश्य हैं कसदुरु माता जी के कृपा से सेवा कर के बहुत सुकून मिल रहा है क आज भी सुकून, कल भी सुकून, गुरु कृपा से हर पल मे सुकून कसुकून ही सुकून। वही उपस्थित वार्ड न. 07 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि दीपक ओझा उर्फ धोती बाबा, आम आदमी पार्टी के नेता अमित कुमार, चंद्रप्रकाश काका एवं अन्य ने कहा कि निरंकारी मिशन का हर कार्य मानव कल्याण के लिए होता है कइस पुण्य कार्य मे सेवा कर के मुझे बहुत आनंद आता है और सुकून मिलता है ।मौके पर नगर पंचायत मुख्य पार्षद सोहन महतो, रामपूजन सिंह, सीमा देवी, संचालिका नयंत्री देवी,रेखा , शिक्षिका अमृता सिंह, चंद्रदीप राम, काशी राम, जगलाल साह, पुलिस जी,अभिषेक कुमार,अभय कुमार सिंह,आनंद कुमार ,कालिका निराला, संत कुमार सिंह, श्रवण कुमार, विनोद गुप्ता, पाना लाल जी, मेनका कुमारी, मीना देवी, मुकेश कुमार, टुनटुन महतो, सचिन कुमार, गीतांजली, नरेंद्र कुमार, राजकिशोर राय,राजू जी, करिश्मा कुमारी, प्रीति कुमारी, सविता देवी, सरस्वती देवी, मुंद्रिका देवी, संगीता देवी, इंद्रजीत राम के साथ सैकड़ों श्रधालु निरंकारी भक्तों ने सेवा कर के सुकून प्राप्त किया क

प्रोफेसर जफीर उद्दीन अंसारी की किताब मोताला ए अदब का शानदार लोकार्पण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

हाजीपुर(वैशाली)शहर स्थित महाराणा प्रताप मैरिज हॉल निकट अंजानपीर चौक बागमली में इस्लाह ए मिल्लत कमिटी वैशाली के तत्वावधान में डॉक्टर मोहम्मद जफीर उद्दीन अंसारी पूर्व विभागाध्यक्ष उर्दू ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा की किताब" मोताला ए अदब"(मजमुआ मजामीन) का लोकार्पण मौलाना अबुल कलाम कासमी पूर्व प्राचार्य मदरसा इस्लामिया शम्स-उल-होदा पटना के हाथों किया गया।जबकि इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर फारूक अहमद सिद्दीकी पूर्व विभागाध्यक्ष उर्दू बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर,प्रोफेसर तौकीर आलम पूर्व प्रो वाइस चांसलर मौलाना मजहरूल हक अरबी,फारसी विश्वविद्यालय पटना,इम्तियाज अहमद करीमी पूर्व चेयरमैन बीपीएससी पटना,अब्दुल सलाम अंसारी सचिव बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना,प्रोफेसर सफदर इमाम कादरी शिक्षक उर्दू विभाग कॉमर्स कालेज पटना,डॉक्टर अता आब्दी सब एडीटर पूर्व मासिक " इफ्कार मिल्ली " दिल्ली मौजूद थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर फारूक अहमद सिद्दीकी व संचालन आरिफ हसन वस्तवी ने की।कार्यक्रम की शुरूआत मौलाना काजिम रजा के तिलावत ए कुरआन से की गई।जबकि नात ए पाक नजराना प्रोफेसर फारूक अहमद सिद्दीकी ने पेश की।इस अवसर पर सभी अतिथियों ने किताब को नई नस्ल के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और बेहतरीन बताया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले प्रोफेसर फारूक अहमद सिद्दीकी ने कहा कि किताब लिखना जिन्दादिली कारनामा है।लोग आपको औलाद से नहीं बल्कि आपके काम से जानेंगे।लिखना,पढ़ना बहुत जरूरी है।दुनिया भी लिखने,पढ़ने वाले को याद रखती है।प्रोफेसर जफीर उद्दीन अंसारी की किताब वाकई आने वाली नस्ल को बहुत काम आएगी।इन्होंने यह भी कहा हाजीपुर शहर में उर्दू के लिए काम करने वालों तीन नाम सबसे अहम हैं।प्रोफेसर मुमताज अहमद खान मरहूम,अनवारूल हसन वस्तवी और डॉक्टर जफीर उद्दीन अंसारी।शायरी,मजमून,किताब लिखने पर जोर दिया।यह कार्यक्रम बहुत ही शानदार,जानदार और कामयाब है।वहीं कार्यक्रम में सबसे पहले प्रोफेसर तौकीर आलम ने कहा कि प्रोफेसर जफीर उद्दीन अंसारी बहुत ही शरीफ इंसान हैं।आज के दौर के मुताबिक कहें तो सबसे बे वकूफ।इनकी यह बात काफी इनकी किताब में मिलती है।किताब पर अच्छी नजर रखते हुए कहा कि उर्दू के बारे लिखी बातें भी बहुत महत्वपूर्ण है।इन्होंने प्रोफेसर जफीर उद्दीन के साथ गुजारे दिन को भी याद किया।हम दोनों ने नीतीश्वर कालेज मुजफ्फरपुर में एक साथ नौकरी की शुरूआत की थी।1977 से इनसे मेरा गहरा रिश्ता है।इन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय योगी जी के द्वारा हाल ही मे दिए गए उर्दू भाषा को कठमुल्ला की भाषा बताने पर पुरजोर निंदा की।कहा कि यह उर्दू जबान पूरे देश की जबान है।इसे खुद पढ़े और दूसरे को पढ़ाएं।

पति पत्नी में हुई अनबन तो मां ने कर दी अपने बच्चे को गला घोंट कर हत्या,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

- पुलिस ने माता, पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है,
- एसपी ने बताया कि जल्द ही मामले का उदभेदन हो जाएगा

समस्तीपुर। जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत मालीनगर पंचायत के वार्ड संख्या 8 स्थित मालीनगर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। बीती रात घर से लापता हुए तीन मासूम बच्चों के शव रविवार सुबह उनके घर से महज 15 गज की दूरी पर स्थित एक कुएं से बरामद किए गये। तीनों मासूम सहोदर भाई बहन हैं। मृत तीनों मासूम बच्चों की पहचान चंदन कुमार के 6 वर्षीय बेटे तरुण कुमार, 4 वर्षीय बेटी तान्या कुमारी और 2 वर्षीय बेटे तनिष्क कुमार के रूप में हुई है। इस घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कुएं से बाहर निकाला। वहीं घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम जांच में जुट गई है। इधर शक के आधार पर पुलिस ने मृत तीनों बच्चों की मां और पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर घटनास्थल पर एसपी अशोक मिश्रा भी पहुंचे। उन्होंने बताया की पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही थी। बीते शनिवार की शाम भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। उन्होंने बताया इस मामले में सच्चाई क्या है जल्द ही खुलासा हो जाएगा। इधर पुलिस ने तीनों शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। इधर घटना को लेकर गांव में तरह - तरह की चर्चा हो रही है। ग्रामीण द्वारा मां पर तीनों बच्चों का गला घोंटकर हत्या कर दिए जाने चर्चा की जा रही हैं। गांव में चर्चा के अनुसार बीती शाम दोनों पति - पत्नी के बीच जमकर विवाद हुआ था। इस बीच सभी सोने चले गये तो रात लगभग डेढ़ बजे के आसपास बच्चों की मां ने तीनों मासूम की घला घोंटकर हत्या कर दी और शव को कुंए में फेंक दिया। फिर सुबह होने पर बच्चों के गायब होने का हल्ला करने लगी। शोर सुनकर काफी संख्या में आसपास के लोग जमा हो गये।

(दरभंगा) :- केवटी थाना क्षेत्र के छतवन गाँव मे बीती रात करीब 1 बजे डकैतों ने भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मिली जानकारी के अनुसार छतवन-धनुषी मार्ग के किनारे स्थित टेलर फजलुर रहमान के आंगन में पूरब दिशा की ओर से करीब डेढ़ दर्जन नकाबपोश डकैती बाउंड्री फांद कर दाखिल हो गया।डकैतों ने बरामदे का ग्रिल तोड़कर मकान में प्रवेश करने के बाद बुजुर्ग फजलुर रहमान को गन पॉइंट पर लेकर दूसरा ग्रिल फजलुर के पूतोह से खुलवाया।फिर जमकर लूट पाट मचाया।नकद राशि वाली पेटी की चाभी नही देने पर एक महिला के साथ मारपीट किया।धमकाते हुए एक छोटे बच्चे को अपने साथ ले जाने की धमकी दिया तब जाकर महिला ने चाभी का गुच्छा दे दिया।परिजनों ने बताया कि चाभी मिलने के बाद सभी 5 घरों मे रखें पेटी,बक्सा,आलमीरा,पलंग को खोल-खोल कर 10 भर सोना के जेवरात,20 भर चाँदी के जेवरात और अटैन्ची मे रखें 42 हजार रुपया नकद लेकर डकैत आंगन से उत्तर बाध की ओर भाग गया।फजलुर के 4 पुत्र हैं।जिसमें 3 पुत्र पुणे और 1 पुत्र विदेश में रहकर नौकरी करता है।घटना के समय घर में परिवार के कुल 8 लोग मौजूद थे।

घटना की सूचना पर केवटी थानाध्यक्ष राहुल कुमार दलबल के संग पहुँच कर घटना का जायजा लिया। थानाध्यक्ष की सूचना पर वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी,कमतौल एसडीपीओ ज्योति कुमारी भी घटना स्थल पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिये और परिजनों से पूछताछ किये और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।घटना के साक्ष्य जुटाने हेतु

एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वायड भी पहुँची लेकिन किसी निष्कर्ष तक नही पहुँच सकीं।

थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि आवेदन अभी तक प्राप्त नही हुआ है।आवेदन प्राप्त होते ही कार्रवाई की जायेगी।

प्रोजेक्ट अमृत के तहत बूढ़ी गंडक नदी घाट की सफाई अभियान

मुखिया राष्ट्रपति कुमार बिट्टू के नेतृत्व में स्वच्छता में बिहार का नावकोठी सबसे आगे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी, बेगूसराय प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सदर पंचायत नावकोठी के मां काली स्थान स्थित बूढ़ी गंडक घाट की सफाई संत निरंकारी मिशन द्वारा की गई। यह सफाई अभियान "प्रोजेक्ट अमृत" के तहत संचालित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत मुखिया संघ के जिला महासचिव, प्रखंड अध्यक्ष एवं नावकोठी के मुखिया राष्ट्रपति कुमार बिट्टू, जिला पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा, नालंदा क्षेत्र के क्षेत्रीय संचालक विजय किशोर चौधरी, मंझौल ब्रांच मुखी डॉ. सुनील कुमार ईश्वर, एवं रजाकपुर ब्रांच के मुखी प्रमोद कुमार पोद्दार द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर की गई।संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु "स्वच्छ जल, स्वच्छ मन" परियोजना के तृतीय चरण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विजय किशोर चौधरी ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल एवं स्वस्थ पर्यावरण प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से "प्रोजेक्ट अमृत" का शुभारंभ किया था।रजाकपुर ब्रांच मुखी प्रमोद कुमार पोद्दार ने कहा कि नदियों, झीलों, तालाबों एवं झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए समर्पित इस महान अभियान ने अपने पहले दो चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इस अवसर पर सेवादल संचालक जय जय राम महतो, शिक्षक प्राण पासवान, सेवादल इंचार्ज मंझौल मोहित कुमार, राजाराम कुमार सहित संत निरंकारी मिशन के सैकड़ों स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

सारण एसपी के शतक से पुलिस की टीम ने मीडिया की टीम को 43 रनों से हराया

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा, सारण पुलिस क्रिकेट टीम ने मीडिया नागरिक इलेवन को 43 रन से हरा दिया। स्थानीय राजेन्द्र स्टेडियम में खेले गए टी 20 मैच में टॉस जीतकर पुलिस टीम के कप्तान सारण एसपी डॉ कुमार आशीष ने बैटिंग करने का निर्णय लिया। पुलिस टीम ने कप्तान के पहले बैटिंग करने के निर्णय को सही साबित करते हुए धुंआधार बल्लेबाजी की और निर्धारत 20 ओवरों में 212 रन का पहाड़ खड़ा कर दिया। पुलिस टीम की तरफ से कप्तान डॉ कुमार आशीष ने शतकीय पारी खेली और 116 रन बनाया वहीं उनका साथ दे रहे जिला सत्र न्यायाधीश नवनीत कुमार गर्ग ने नाबाद 15 रन, प्रशिक्षु पुलिस अधीक्षक संकेत कुमार ने 46 एएसपी हेडकवार्टर ने 05 रन और ग्रामीण एसपी ने 15 रनों का योगदान दिया। मीडिया एकादश की तरफ से राकेश , जाकिर ने एक एक विकेट लिया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी मीडिया एकादश की टीम ने पूरे 20 ओवर में 6 विकेट गंवा कर मात्र 169 रन ही बना सकी और 46 रन से मैच गंवा दिया। पुलिस टीम ने सटीक रणनीति के तहत अपनी गेंदबाजी में समय समय पर बदलाव करते हुए मीडिया एकादश को हमेशा दबाव में रखा हालांकि बीच के ओवरों में मीडिया एकादश के रितिक ने धुंआधार बैटिंग कर पुलिस टीम की परेशानी बढ़ा दी थी लेकिन जैसे ही रितिक की शतकीय पारी का अंत हुआ पुलिस टीम ने मैच पर अपनी पकड़ को मजबूत किया और मैच को जीत लिया। रितिक ने 134 रन बनाए जिनका डी एस तोमर ने अच्छा साथ दिया और 25 रन बनाया। अन्य बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया जिसका खामियाजा मीडिया एकादश को भुगतना पड़ा। टी 20 मैच का आयोजन बिहार पुलिस सप्ताह के अंतर्गत खेलो बिहार पुलिस के साथ कार्यक्रम के तहत किया गया था।

केवटी वन विभाग द्वारा अस्थायी पौधा बिक्री केंद्र की स्थापना की गई है

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- विभागीय निर्देश के आलोक में प्रखंड मुख्यालय के पास केवटी वन विभाग द्वारा अस्थायी पौधा बिक्री केंद्र की स्थापना की गई है,जहां से प्रखंड भर के लोग फलदार व कीमती लकड़ी देने वाले पेड़-पौधे मात्र 10 रुपए में खरीद कर ले जा रहे महोगनी,अमरुद,अर्जुन,बेल,सपेता, अरकेसिया, सीमल,सृष्ट आदि किस्म के पेड़-पौधे उपलब्ध हैं।यह पौधा बिक्री केंद्र एक सप्ताह तक चलेगा। मौके पर केवटी में पदस्थापित वनरक्षी संध्या कुमारी ने बताया कि केवटी नर्सरी से गत दोनों चलंत पौधा बिक्री केंद्र के माध्यम से भी प्रखंड के भिन्न-भिन्न भागों में कुल 500 पेड़-पौधे बेचे गए थे।उन्होंने बताया कि कृषि बानिकी योजना के तहत प्रखंड के कुल 28 किसानों को 8100 पेड़ लगाने के लिए उपलब्ध कराया गए थे।इस योजना के तहत वन विभाग से किसानों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने के प्रयास किए जाते हैं।पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और मिथिला वन प्रमंडल,दरभंगा अंतर्गत संचालित,केवटी के इस अस्थायी पौधा विक्री केंद्र के माध्यम से करीब 100 पेड़-पौधे किसानों को मात्र 10 रुपए में उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से दिया जा रहा है।मौके पर वनकर्मी किसानों को पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित करते हैं और इसके लाभों की जानकारी भी देते हैं।पौधा बिक्री केंद्र पर सरोज कुमार झा,शीतल राम आदि लोग मौजूद थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने अन्य नेताओं के साथ पूर्णिया में सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में तकनीक के क्षेत्र में आने वाले युवाओं का बढ़ाया उत्साह : डॉ. दिलीप जायसवाल
- पीएम मोदी ने क्रिकेट और स्पेस सेक्टर की तुलना कर संकल्प की रखी बात : डॉ. दिलीप जायसवाल
- प्रधानमंत्री ने ओबेसिटी की बात कर देशवासियों को किया जागरूक : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा प्रदेश कार्यालय में सांसद रविशंकर प्रसाद ने नेताओं, कार्यकताओं के साथ सुनी पीएम के 'मन की बात'

पटना, 23 फरवरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल समेत तमाम नेताओं ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' को पूर्णिया के भाजपा कार्यालय में सुना।

पूर्णिया के भाजपा कार्यालय में मन की बात के 119वें एपिसोड को सुनने वालों में भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के अलावा पूर्णिया विधायक विजय खेमका, जिला अध्यक्ष मनोज सिंह सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक विचारों को सुना।'मन की बात' सुनने के बाद भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण महीने की आखिरी रविवार को होता है। प्रधानमंत्री के प्रेरक संदेशों ने कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार किया और समाज के हर वर्ग तक सकारात्मक बदलाव पहुंचाने का संकल्प मजबूत किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश के लोग इस मन की बात को ध्यान से सुने।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चैंपियंस ट्रॉफी, स्पेस सेक्टर में भारत की उपलब्धि, अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की टीम में नारी शक्ति के उदय और युवाओं की इस क्षेत्र में बढ़ती दिलचस्पी की सराहना कर उनके उत्साह को बढ़ाया। पीएम मोदी ने युवाओं को रुचि विकसित करने के लिए सुझाव भी दिए और एआई के क्षेत्र में भारत की उभरती मजबूत पहचान पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने बताया कि नई तकनीक को अपनाने में युवाओं की भागीदारी एक नई क्रांति को जन्म दे रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे टीम इंडिया क्रिकेट में शतक लगाती है, भारत ने अंतरिक्ष में भी शानदार 'शतक' बनाया है। पिछले महीने देश इसरो के 100वें रॉकेट के प्रक्षेपण का साक्षी बना है। यह केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि इससे अंतरिक्ष विज्ञान में नित नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ओबेसिटी यानी मोटापे की बात कर देशवासियों को इसके प्रति सचेत भी किया और जागरूक भी किया।

टीम इंडिया की जीत के लिए विद्यापतिधाम मंदिर में हुआ विशेष पूजा हवन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप स्टेज में भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गये महामुकाबला में टीम इंडिया की जीत को लेकर मिथिलांचल के सुप्रसिद्ध बालेश्वर स्थान मंदिर विद्यापतिधाम के प्रांगण में भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजन एवं अर्चना किया गया। इस मौके पर क्रिकेट प्रेमी युवाओं ने महादेव की पूजन कर आरती की और हवन यज्ञ कर भारतीय टीम की जीत की प्रार्थना की। भारत-पाकिस्तान के मैच को लेकर उगना महादेव मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। जहां पुजारी ने विशेष मंत्रोच्चारण के साथ भारत की जीत की कामना की। बतादें कि दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच जारी मैच को लेकर भारत की जीत को लेकर देश भर में पूजन - पाठ और प्रार्थनाओं का दौर जारी रहा। ऐसा ही नजारा विद्यापतिधाम मंदिर में देखने को मिला। यहां गर्भगृह में मंदिर के पंडित पुजारी व युवा क्रिकेट प्रेमियों ने विशेष पूजन अभिषेक किया और मंत्र उच्चारण के साथ उगना महादेव से प्रार्थना की है कि भारत न केवल इस मैच को बल्कि चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भी बने। इस दरम्यान क्रिकेट प्रेमियों में गजब का उत्साह दिखा। स्थानीय युवाओं व क्रिकेट प्रेमियों ने टीम इंडिया की जीत की खुशी और पाकिस्तान को हराने के लिए हवन-पूजन किया। स्थानीय क्रिकेट प्रेमी मिंटू कुमार झा, प्रवीण गिरि, संजय सिंह मुन्ना, पुकार गिरि, गोपाल गिरी, अमित गिरी, सोनू गिरी, छोटू कुमार आदि ने बताया कि जिस तरह पहले भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराने का काम किया है।

बखरी के नेताओं पर गंभीर चंद्रकिशोर पासवान कहा कि कुछ लोग महज मीडिया में फोटो खिंचवाने के लिए जुलूस निकालते हैं,

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पूर्णिया, (बिहार) ' एक निजी टेलीविजन चैनल से बातचीत के दौरान चंद्रकिशोर पासवान ने बेगूसराय के बखरी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग महज मीडिया में फोटो खिंचवाने के लिए जुलूस निकालते हैं, ताकि उनकी तस्वीरें समाचारों में प्रकाशित हो सकें। चंद्रकिशोर पासवान का यह बयान राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ऐसे नेता जनहित के मुद्दों से भटकाकर सिर्फ दिखावे की राजनीति कर रहे हैं। उनकी इस टिप्पणी से स्थानीय राजनीति में हलचल मच गई है।

पुलिस सप्ताह 2025 के अवसर पर वॉलीबॉल खेल का आयोजन

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

नावकोठी/बेगूसराय/ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत एपीएस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में बिहार पुलिस सप्ताह 2025 के अवसर पर बॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इसका उद्घाटन थानाध्यक्ष दिनेश कुमार एवं जिला मुखिया संघ के महासचिव,प्रखण्ड अध्यक्ष सह नावकोठी मुखिया राष्ट्रपति कुमार बिट्टू ने संयुक्त रूप से किया।थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा कि पुलिस सप्ताह 2025 - फरवरी 27 तक चलेगा।इस अभियान के तहत नशा मुक्ति कार्यक्रम,साईबर अपराध एवं साईबर सुरक्षा,स्वच्छता अभियान,महिला सशक्तिकरण,महिला एवं बाल विकास सुरक्षा अभियान आदि कार्यक्रमों को केंद्र बिंदु बनाया गया है।उन्होंने युवाओं को साईबर अपराध व अपराधियों से बचने की नसीहत दी।उन्होंने कहा कि इन दिनों यह अपराध चरम पर है।किसी भी प्रकार के मैसेज को सोच समझकर मोबाइल पर टच करें अन्यथा इसके शिकार हो सकते हैं।उन्होंने युवाओं से कहा कि खुद भी बचें और अपने अभिभावकों को भी जागरूक करें।बिहार में पूर्ण शराबबंदी के परिणाम दिखने लगे हैं।इसके कारण हो रही घरेलू हिंसा,महिला प्रताड़ना तथा लापरवाही से वाहन चलाने आदि में कमी आई है।नावकोठी मुखिया राष्ट्रपति कुमार ने कहा बिहार में शराब पीना या शराब से संबंधित किसी भी तरह का कारोबार करना कानूनन अपराध है। उन्होंने युवाओं से नशा से दूर रहने की अपील की।इस अवसर पर वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।बाबा टीम तथा छतौना के बीच हुए रोमांचक खेल में छतौना टीम की शुरू से ही बढ़त बरकरार रही।छतौना की टीम ने दो-एक से मैच जीत लिया।विजेता टीम के कप्तान संदीप कुमार तथा उपविजेता टीम के कप्तान रौशन कुमार को थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, मुखिया राष्ट्रपति कुमार, अपर थानाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने शील्ड प्रदान किया।साथ ही रेफरी अंशु एवं सिन्टु व कोमेंटेटर मृत्युंजय कुमार को भी शील्ड से सम्मानित किया गया। मौके पर वीरेन्द्र सिंह, अवनीश कुमार,स्वच्छता पर्यवेक्षक कन्हैया कुमार, प्रो हरेराम सिंह,नवीन कुमार मिश्रा,अमित कुमार,शंभू प्रसाद चौधरी,शकील अहमद बेग,अर्जुन महतो,शंकर महतो सहित ग्रामीण मौजूद थे।

मधुबनी शहर के बसवारा में डॉन बॉस्को ग्रुपऑफ कान्वेंट स्कूल का वार्षिक उत्सव का उद्घाटन

डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने दीप प्रज्वलित किया

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी शहर के बसवारा में डॉन बॉस्को ग्रुपऑफ का कान्वेंट स्कूल का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसका उद्घाटन मधुबनी जिला अधिकारी अरविंद कुमार वर्मा, डॉन बॉस्को के सीएमडी मनोज कुमार झा, डायरेक्टर आदित्य आनंद कुमार, डॉ. आर एस पांडे, अन्य गेस्ट ने दीप प्रज्वलित कर किया उद्घाटन अवसर पर मधुबनी जिला अधिकारी ने डॉन बॉस्को कॉन्वेंट एवं मैनेजमेंट की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह से स्कूली बच्चों ने प्रोग्राम किया उसकी सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को डिजिटल युग में बच्चे मोबाइल का आवश्यकता के अनुसार ही इस्तेमाल करें सोशल मीडिया और फेसबुक के दौर में बहुत से बच्चे गलत दिशा की ओर चले जाते हैं इसके लिए अभिभावक को चाहिए कि अपने बच्चों की सही से निगरानी करें अभी युवा बच्चे नशा के शिकार हो रहे हैं बहुत से बच्चे फर्स्ट टेशन में बहुत कुछ कर बैठते हैं जब जाकर गार्जियन को भी बहुत दुश्वरी होती है हर माता-पिता का यह दायित्व बनता है कि अपने बच्चों को सही दिशा की ओर ले जाए और उन्हें शिक्षा की और एवं अच्छी दिशा दिखाने की आवश्यकता है डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने डॉन बॉस्को कन्वेंट आफ स्कूल के 8 वर्षीय छात्र की भी सराहना की और इस बच्चे की लिखी हुई एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया आए हुए चीफ गेस्ट एवं तमाम अभिभावक को भी इस बच्चे ने प्रभावित किया इस अवसर पर मिथिला के परंपरागत डीएम अरविंद कुमार वर्मा को स्कूल के सीएमडी मनोज कुमार द्वारा पाग शाल और बुके देकर सम्मानित किया गया

इस अवसर पर स्कूल के अभिभावक एवं गेस्ट, एवं छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया

बरौनी पहुंचा केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह का काफिला

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

रविवार दोपहर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बरौनी दीन दयाल रोड स्तिथ सत संग मंदिर में पहुंच पूजा अर्चना की साथ ही अपने पार्टी के समर्पित पूर्व बरौनी नगर मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश जी के नव निर्मित प्रतिष्ठान के शुभ उदघाटन में शामिल हुए इस अवसर पर पूर्व विधान परिषद सदस्य श्री रजनीश सिंह, पूर्व विधायक ललन कुंवर जी, भाजपा नेता केशव शांडिल्य जी ,भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजीव कुमार वर्मा, जिला महा मंत्री मनोज कुमार दास, अपने दर्जनों कार्यकता के साथ शुभ उदघाटन में शामिल हुए एवं ,भाजपा नेत्री राखी कुमारी, कन्हैया सिंह गजेन्द्र पोद्दार मनोज स्नेही कैलाश पंडित , इत्यादि सैकड़ों कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने अपने लोक प्रिय नेता का फूल माला एवं अंग वस्त्र से स्वागत किया ।मौके पर स्थानीय प्रशासन दल बल के साथ मौजूद थे।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज में कवि सम्मलेन आज ,वार्षिक प्रोग्राम का आयोजन किया :तौसीफ अहमद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी मेडिकल कॉलेज के चेरमैन एवं डायरेक्टर ने किया प्रोग्राम का आगाज

मधुबनी मेडिकल कॉलेज में 24 फरवरी को शाम ए सुखन कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया है जो शाम 8:00 बजे से प्रोग्राम शुरू होगा

तौसीफ अहमद ने बताया के कोरोना के बाद मधुबनी मेडिकल कॉलेज में एनुवल फंक्शन का आयोजन पहली बार किया गया है तीन दिवसीय प्रोग्राम में मिथिला पेंटिंग एवं टीवी.और नाटक,हेल्थ से जुड़े कई तरह के प्रोग्राम का आयोजन किया गया है आज पहले दिन के प्रोग्राम का आगाज किया गया और कवि सम्मलेन शाम ए- सुखन का आयोजन किया गया है जिसमें देश भर के मशहूर कवि हिस्सा लेंगे इस अवसर पर तौसीफ अहमद,कॉलेज के चेरमैन एवं प्रिंसिपल कॉलेज में एनुवल फंक्शन एवं मुशायरा आयोजन किया है '

जिसमें स्टूडेंट एवं चीफ गेस्ट एवं आम जनता भी बड़ी संख्या में कवि सम्मेलन का आनंद लेंगे मधुबनी मेडिकल कॉलेज में

इस प्रोग्राम की तैयारी पूरी हो गई है '

तीन दिवसीय प्रोग्राम का आज आगाज किया गया

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद डॉ. फैयाज अहमद, राजद नेता मोहम्मद आसिफ,

एम. डी.तौसीफ अहमद मधुबनी मेडिकल कॉलेज, इस अवसर पर बड़ी संख्या में मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं स्टूडेंट आमजन उपस्थित थे

मदरसा बोर्ड की वस्तानिया की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से जारी

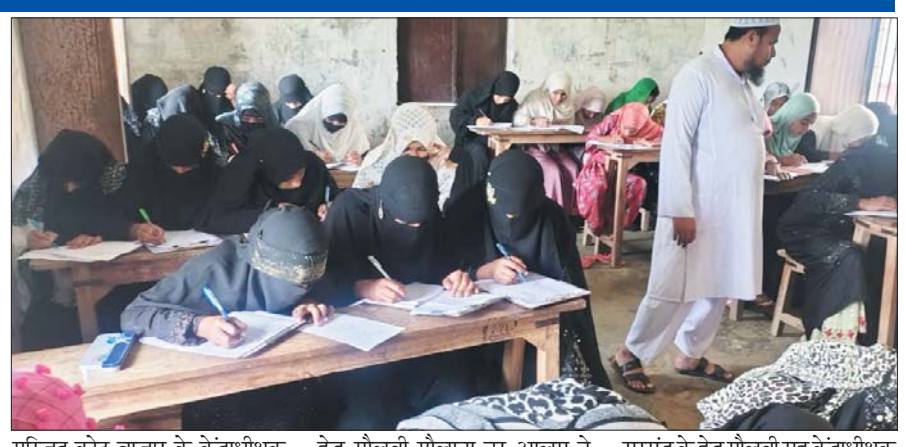

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना द्वारा संचालित वस्तानिया (आठवीं) की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से दुसरे दिन भी जारी। मदरसा बोर्ड के परीक्षा नियंत्रण डॉ नूरुल इस्लाम ने मदरसा इस्लामिया अरबिया जामा मस्जिद कोर्ट बाजार, मदरसा अजीजिया जामा मस्जिद पुपरी समेत अन्य कई मदरसा के परीक्षा केन्द्र पर जाकर निरीक्षण किए। मदरसा हमीदिया दारुल बनात हुसैना, मेहसौल के केंद्राधीक्षक सह प्राचार्य मौलाना हाजी जियाउर्रहमान कासमी, उप केंद्राधीक्षक मौलाना इम्तियाज अली ने बताया कि 80 में 80 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुई।

मदरसा रहमानिया अंदौली, परिहार के केंद्राधीक्षक मो सदरे आलम, उप केंद्राधीक्षक मो मनाजेरूल इस्लाम एवं मो शाहिद अशरफ ने बताया कि 136 में 134, इस्लामिया अरबिया जामा मस्जिद कोट बाजार के केंद्राधीक्षक सह प्राचार्य मौलाना अली मुतुर्जा नदवी, उप केंद्राधीक्षक मौलाना शकील कासमी ने बताया की 236 में 231,मदरसा फैजे आम फुलवरिया के प्राचार्य मौलाना मो मोतीउररहमान कासमी ने बताया कि सभी 116 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।मदरसा इस्लामिया तंजीमुल उलूम शाहपुरा के हेड मौलवी मौलाना नूर आलम ने बताया कि सभी 44 परीक्षार्थी एवं मदरसा जामिया मोहमदिया नानपुर के प्राचार्य अमानुल्लाह ने बताया कि सभी 57 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। मदरसा रशीदिया रायपुर के हेड मौलवी मौलाना मो गजाली ने बताया कि 30 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।मदरसा ईशाअतुल उलुम भगवतीपुर मेघपुर, सुरसंड के हेड मौलवी सह केंद्राधीक्षक मौलाना मो दाऊद एवं उप केंद्राधीक्षक कारी मो मुस्ताक अहमद ने बताया कि 35 में 35 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। मदरसा रहमानिया मेहसौल क केंद्र पर मैट्रिक की परीक्षा होने के कारण अल हबीबी पब्लिक स्कूल में वस्तानिया की परीक्षा लिया गया थे। अन्य केंद्रों पर भी शांतिपूर्ण परीक्षा हुई।

महिला को चकमा देकर सोने का चेन छीनकर हुआ फरार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नगर थाना क्षेत्र के विवेक - विहार चौक पर मुहल्ला निवासी नीलम देवी का गले से चैन छीना। पीड़ित अपराधियों का मोटरसाइकिल पकड़कर खींचतानी करती रही लेकिन बदमाश भागने में सफल रहा। पीड़िता नीलम कुमारी ने 112 पर फोन कर पुलिस को बुलाया। 112 की टीम मौके पर पहुंची और अपने स्तर से जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। इधर पीड़िता ने बताया कि मैं अपने घर जा रही थी तभी बाईक सवार दो पुलिस के वेश में आया और मुझे उल्टा पुल्टा समझाते हुए तथा चकमा देकर मेरे गले से सोने का सिकरी छीनकर फरार हो गया। उन्होंने बताया कि सोने का चेन ढ़ाई भर का था जिसका कीमत दो लाख रुपए से अधिक है। खबर लिखे जाने तक स्थानीय थाना में आवेदन नहीं दिया गया है।

समस्तीपुर में घर से लापता तीन भाई-बहन का शव कुएं से बरामद

मां और बाप दोनों को पुलिस ने हिरासत में लिया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत मालीनगर पंचायत के वार्ड संख्या-8 स्थित मालीनगर गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जंहा बीती रात घर से लापता हुए तीन मासूम बच्चों के शव रविवार की सुबह तीनो बच्चों के घर से महज 15 गज की दूरी पर स्थित एक कुएं से बरामद किया गया । तीनों मासूम सहोदर भाई बहन है। मृत बच्चों की पहचान चंदन कुमार के 6 वर्षीय बेटे तरुण कुमार, 4 वर्षीय बेटी तान्या कुमारी और 2 वर्षीय बेटे तनिष्क कुमार के रूप में हुई है। इस घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कुएं से बाहर निकाला। वही मौके पर एफएसएल की टीम जांच में जुट गई है। इधर शक के आधार पर पुलिस ने मृत तीनों बच्चों की मां और पिता को कस्टडी में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर

घटनास्थल पर एसपी अशोक मिश्रा भी पहुंचे। उन्होंने बताया की पति-पत्नी के बीच अनबन चल रही थी। बीते शनिवार की शाम भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल भेज दिया गया। इधर घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चा हो रही है। ग्रामीण मां पर तीनों बच्चों का गला घोंटकर हत्या करने की चर्चा कर रहे हैं। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।इधर घटना को लेकर गांव चर्चा हो रही है। ग्रामीण द्वारा मां पर तीनों बच्चों का गला घोंटकर हत्या कर दिये जाने चर्चा की जा रही हैं। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बीती शाम दोनों पति-पत्नी के बीच जमकर विवाद हुआ था। इस बीच सभी सोने चले गये तो रात लगभग डेढ़ बजे के आसपास बच्चों की मां ने तीनों मासूम की घला घोंटकर हत्या कर दी और शव को कुंए में फेंक दिया। फिर सुबह होने पर बच्चों के गायब होने का हल्ला करने लगी। पुलिस द्वारा महिला से पूछताछ और कंबल में खून देखकर उसपर शक हुआ।

समय से उपचार से कैंसर बीमारी से मिल सकता है निजातः डॉ. जगजीत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

मशरक के महाराणा प्रताप चौंक के पास वरिष्ठ भाजपा नेता कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय के आवास पर पटना एम्स के कैंसर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जगजीत पाण्डेय ने जागरूकता शिविर में लोगों को कैंसर बीमारी को लेकर जागरूक किया। मौके पर भाजपा नेता कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय, मैनेजर मिश्र, शंकर मिश्र,कपिलदेव सिंह,अवधेश शर्मा समेत कई अन्य मौजूद रहें।मौके पर डॉ. जगजीत पाण्डेय ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कैंसर की बीमारी से बचाव और इलाज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि कैंसर का पता पहले और दूसरे स्टेज में चलता है, तो इलाज संभव है और रोगी को बीमारी से निजात मिल सकता है। डॉ. पाण्डेय ने कैंसर से बचाव के उपायों के बारे में भी बताया, जिसमें तम्बाकू का सेवन न करना, धूप से बचना, पौधे आधारित सुपाच्य आहार लेना, और मुंह में छाले या शरीर में गांठ होने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लेना शामिल है। उन्होंने बताया कि पटना एम्स में कैंसर रोगियों के लिए हर संभव इलाज उपलब्ध है।

मगरदही घाट के पास शहीद स्मृति स्थल के प्रांगण में पूर्व सैनिको की बैठक, प्रेस वार्ता होगी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के मगरदही घाट बाईपास से दक्षिण अवस्थित शहीद स्मृति स्थल के प्रांगण में समस्तीपुर जिला में सैनिक कल्याण कार्यालय जिसमें सैनिक विश्राम गृह, कैंटीन, ईसीएचएस एवं स्पर्श कि सुविधा एक जगह ही पूर्व सैनिकों को कराये जाने हेतु पूर्व विधायक दूर्गा प्रसाद सिंह, कमोडोर विनय कुमार कुशवाहा, विशिष्ट सेवा मेडल, उपाध्यक्ष अनुश्रवण समिति समस्तीपुर, पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जिला प्रशासन एवं समस्त पूर्व सैनिकों के माध्यम से किए गये संयुक्त प्रयास से गृह विभाग बिहार सरकार सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना ज्ञापांक 386 दिनांक 21 फरवरी 2025 को जारी किया गया है। इसके तत्वावधान में आज एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन सोमवार को किया जाएगा, जिसमें पूर्व विधायक दूर्गा प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक सह पूर्व सैनिक अशोक वर्मा, लेफ्टिनेंट कर्नल कृष्ण कुमार झा आदि मौजूद रहेंगे।

मशरक के बहरौली गांव को पता नहीं किसकी नजर लग गई , एसडीओ बनी शांति दूत

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

मशरक के सबसे विकसित पंचायत और जहरीली शराब पीने से 14 लोगों मरने वाले कांड और श्मशान की जमीन को लेकर हुए उपद्रव और मामले में 36 की गिरफ्तारी से गांव ज़िले में चर्चा में हैं। बहरौली श्मशान कांड के बाद से गांव सहमा-सहमा सा है। सूनी गलियों के बीच गांव दो हिस्सों में बंटा नजर आ रहा है। इस तनावपूर्ण माहौल से दुखी ग्रामीण यही बोल रहे हैं कि पता नहीं गांव को किसकी नजर लग गई। करीब एक हजार की आबादी वाले बहरौली के लिए मशरक प्रखंड मुख्यालय से एन एच 227 ए राम जानकी पथ और मशरक राजा पट्टी मुख्य पथ से दो रास्ते जाते हैं। टीम जब गांव के अंदर पहुंची तो बाहरी लोगों को ग्रामीण पुलिस या जांच टीम समझकर चुप्पी साध ले रहें हैं। गांव के माहौल में किस तरह की तल्खी है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लोग एक-दूसरे के घरों के सामने से बेहिचक निकलने में संकोच कर रहे थे। गांव के मगरू राय ने बताया कि गांव में पहले सभी एक दूसरे से मिलकर रहते थे, गांवों में जबरदस्त शांति थी। ये बात भी ग्रामीणों को काफी अखर रही थी कि एक छोटे से श्मशान के विवाद ने उनके गांव की ये हालत कर दी। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि श्मशान की लड़ाई ने गांव का

माहौल बिगाड़ दिया। नाम नहीं छापने की शर्त पर महिलाओं ने बताया कि यदि मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह के जैसी पढ़ी अधिकारी पहले इस मामले में पड़ती तो यह दिन नहीं देखना पड़ता। गांव की महिलाओं ने कहां जिसने घर से बाहर कदम नहीं रखा वे भी जेल की सजा काट रहें हैं। गांव की गली में बाइक सवार एक युवक से बात करने की कोशिश की तो वो पहले झिझका। परिचय देने के बाद बोला कि गांव में अच्छी भली शांति थी। सभी बिरादरी के लोग एक-दूसरे के दुख-सुख में शामिल होते हैं। आदर सम्मान करते हैं। लेकिन बीते दिनों पहले हुई घटना के बाद गांव का माहौल खराब हुआ। गांव में किराने की दुकान करने वाले ने बताया कि उनके गांव में 2022 में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों को गांव ने खो दिया जिसमें गांव की जबरदस्त बदनामी हुई। जिसको लेकर जिले के पुलिस कप्तान डॉ कुमार आशीष ने भी जागरूकता शिविर आयोजित कराया। लेकिन उसके बाद अब तक सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा था। सभी बिरादरी के लोग लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। मगर इस घटना के बाद पूरा गांव दुखी है। सब चाहते हैं कि गांव में पहले जैसा मेलजोल हो। इसके लिए सभी को मिल बैठकर प्रयास करने चाहिए। दुकान पर ग्राहकी कम हो गई है। गांव के इस माहौल को सुधारने के लिए सभी को समझदारी से काम लेना होगा। कुछ ग्रामीणों में इस बात का भी रोष दिखा कि गांव की राजनीति और रंजिश के तहत उपद्रव में फर्जी नामजदगी दर्ज कराई गयी। रघुनाथ राय ने बताया कि इस बड़ी घटना में गांव का माहौल बनानें में पूर्व विधायक तारकेश्वर सिंह, मुखिया दिलीप राय और राजद जिला महासचिव अजय राय ने अपना बिना चुकाने वाला कर्ज गांव के लोगों पर लादा हैं।

राजद क्रियाशील सदस्यों को रितु जायसवाल ने किया सम्मानित, सदस्यों ने कहा कि सम्मान से मिला है प्रोत्साहन

तेजस्वी के नेतृत्व में राजद सरकार बनाना आपका हो मुख्य लक्ष्य : रितु जायसवाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सोनबरसा । सिंहवाहिनी पंचायत के नरकटिया गांव में महिला राजद प्रदेश अध्यक्ष सह परिहार विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी रितु जायसवाल के आवासीय कार्यालय पर राजद क्रियाशील सदस्यों के सम्मान में समारोह आयोजित हुआ। जिसमें भेरहिया, बथुआरा, नरंगा उत्तरी, धनहा पंचायत के क्रियाशील सदस्य को सम्मानित किया गया। श्रीमती रितु द्वारा परिहार विधानसभा अंतर्गत राजद के बूथ स्तरीय क्रियाशील सदस्यों को लगातार सम्मानित करते हुए अब तक 20 पंचायत के सदस्यों को सम्मानित किया जा चुका है। इस दौरान समारोह में उपस्थित सदस्यों ने बूथ स्तर पर कैसे संगठन मजबूत होगा सुझाव दिया।

क्रियाशील सदस्यों को संबोधित करते हुए रितु जायसवाल ने कहा कि बूथ स्तर पर राजद को मजबूत करने में आपकी भूमिका निर्णायक है। तेजस्वी के नेतृत्व में राजद सरकार बनाना आपका मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। लक्ष्य के प्राप्ति के लिए आप लोग अभी से लग जाए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी ही बिहार को विकसित बिहार बनायेंगे। तेजस्वी चुनाव से पूर्व जो वादा करते हैं, वह जरूर पूर्ण करते हैं। उनका वादा चुनावी जुमलेबाजी नही होता है। 2020 में चुनाव से पूर्व रोजगार देने की घोषणा को तेजस्वी ने 17 महीने की शासनकाल में 5 लाख रोजगार देकर पूर्ण किया था। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंहगाई, बेरोजगारी, बिजली की समस्याओं को देखते हुए वादा किया है कि माई बहिन योजना के तहत महिलाओं को 2500 प्रतिमाह दिया जाएगा। पेंशन की राशि 1500 कर देने के साथ ही 200 यूनिट बिजली फ्री दिया जाएगा। इसलिए आप लोग तेजस्वी के नेतृत्व में बिहार की बागडोर सौंपे। आपको बहुत हद तक मंहगाई से राहत और आपके बच्चे को रोजगार मिलेगा। बच्चें का भविष्य बेहतर बनेगा।

वहीं उन्होंने इस अवसर पर घोषणा की परिहार की जनता विधायक बनाती है तो पटना में सरकारी आवास को परिहार आवास बना दिया जाएगा। जहां परिहार की जनता अपने समस्याओं के निदान के लिए ठहरेंगे। इलाज के लिए पटना पहुंचे लोग निवास करेंगे। उनके इलाज में सहयोग करने के लिए कार्यकर्ता तैनात कर दिया जाएगा। जो बीमार को इलाज के लिए हॉस्पिटल तक लेकर जायेंगे।वहीं सम्मान से प्रोत्साहित क्रियाशील सदस्यों ने कहा कि राजद बूथ स्तर पर अन्य दलों से अवश्य बढ़त बनायगा। सदस्यों ने कहा कि हमारी स्थिति अन्य दलों से बेहतर है। सदस्यों ने कहा रितु द्वारा सम्मानित किये जाने से प्रोत्साहन मिला है। नई ऊर्जा और उमंग के साथ राजद को मजबूत किया जाएगा।

तेघड़ा बाजार में दूसरे दिन भी हटाए गए अतिक्रमण

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय : नगर परिषद तेघड़ के तेघड़ाबाजार में शनिवार को दूसरे दिन भी सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नगर प्रशासन के द्वारा अभियान चलाया गया। इस दौरान अभियान के दूसरे दिन तेघड़ा दानियालपुर चौक एनएच 28 से सडक के दोनों किनारे अभियान चलाया गया। किशोर कुणाल कार्यपालक पदाधिकारी, रवि रंजन सीओ तेघड़ा, कृष्ण मुरारी जेई, नगर कर्मी व महिला, पुरुष पुलिस बल के साथ अभियान चलाकर सड़क को किये गए अतिक्रमित जमीन को जेसीबी से तोड़कर हटाया गया । इस दौरान एक तरफ जेसीबी से अतिक्रमित जगह को तोड़कर खाली कराया जा रहा था तो दूसरी तरफ दूकानदार भी खुदसे सीढ़ी, छपपड़ वगैरह हटाने में जुटे हुए थे। इस मौके पर लोगो की भीड़ लगी रही। तेषड़ बाजार के

स्टेशन रोड में अतिक्रमण हटाने के कारण अपरी तफरी का माहौल दिनभर बना रहा । बताते चलें शुक्रवार को यह अभियान शुरू किया गया था। वहीं नगर प्रशासन के द्वारा पहले ही प्रचार कर दुकानदारों को सुचना दिया गया था कि अपने अपने

आगे अतिक्रमित जगह को खाली कर दें । लेकिन दुकानदारों ने इसे अनसुना कर रखा था। जब नगर के द्वारा कार्रवाई शुरू की गई तब जाकर दुकानदार एक्टिव हुए और फिर अतिक्रमित जगह को हटाने में खुदसे भीड़ गए।

अतिक्रमण हटाने के नाम पर सिर्फ हो रही है खानापूर्ति

तेघड़ा नगर परिषद क्षेत्र में नगर प्रशासक के द्वारा कई बार अतिक्रमण हटाने को लेकर अभियान चलाया गया। लेकिन प्रशासन

के द्वारा अतिक्रमण हटाने के दो-तीन दिन के बाद से ही पुनः स्थानीय फुटकर दुकानदार के द्वारा बाजार के सड़ ?कों को अतिक्रमण

कर लिया जाता है। बाजार की सड़कों पर ही ठेला पर बेच रहे सब्जी विक्रेता, ई रिक्शा चालक और टेंपो चालकों के द्वारा वाहन

यत्र तत्र लगाने के कारण बनी रहती है जाम की स्थिति ।

स्टेशन रोड में एक भी नहीं है सुलभ शौचालय

तेघड़ा नगर परिषद क्षेत्र में सरकारी जमीन लगभग 40 एकड़ होने के बावजूद भी तेघड़ा बाजार के मुख्य सड़क स्टेशन रोड में

सुलभ शौचालय और यूसिल की व्यवस्था नगर प्रशासक के द्वारा अभी तक नहीं की गई है। जबकि नगर बने हुए लगभग 13

वर्ष हो चुका है। तेघड़ का बाजार अनुमंडल मुख्यालय का बाजार है। यहां ग्रामीण क्षेत्र से काफी संख्या में महिलाएं शादी विवाह

के मौसम पर कपड़े और ज्वेलर्स लेने के लिए आते हैं। लेकिन बाजार क्षेत्र में शौचालय नहीं होने के कारण खास करके महिलाओं

को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने नगर प्रशासक पर लगाया अतिक्रमण के नाम पर मनमानी करने का आरोप

तेघड़ा की सड़कों पर नगर प्रशासक के द्वारा एक तरफ अतिक्रमण हटाने का कार्य चल रहा था तो वहीं दूसरी तरफ स्थानीय लोग ने नगर प्रशासक पर अतिक्रमण के नाम पर मनमानी करने का आरोप लगाया। स्थानीय लोगों ने बताया बाजार के क्षेत्र में कई बिगहा सरकारी जमीन पर लोगों के द्वारा मकान और दुकान बनाए हुए हैं। उस जमीन पर नगर प्रशासक का ध्यान नहीं जा रहा है। जबकि छोटे फुटकर व्यवसायी सहित अन्य लोग जुग्गी झोपड़ी के सहारे अपना जीवन यापन करता है उसे बार-बार तंग किया जाता है। अभी तक तेघड़ बाजार में स्थाई बस स्टैंड नहीं बनाया गया है। बाजार के विभिन्न मार्गों पर पानी बहाव के लिए नाला का निर्माण नहीं किया गया है। इस पर भी नगर प्रशासक को ध्यान देना चाहिए। वहीं स्थानीय लोगों ने नगर परिषद में जीते हुए सभी जनप्रतिनिधियों के प्रति आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा सभी जनप्रतिनिधि आम लोगों की स्थाई समस्या के प्रति निष्क्रिय हैं। कोई देखने वाला नहीं है आम लोग की हालत में है।

कन्या आवासीय + 2 उच्च विद्यालय में छात्राओं के सर्वांगीण विकास के मद्देनजर की गई है मुकम्मल व्यवस्था

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कन्या प्लस टू आवासीय विद्यालय सीतामढ़ी में वर्ष 2025–26 के लिए आवेदन ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से लिया जा रहा है। आवेदन देने की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2025 है। आवेदन प्रक्रिया के बाद 3 मार्च 2025 से 8 मार्च 2025 तक प्रवेश पत्र प्रदान किया जाएगा। परीक्षा की तिथि 9 मार्च 2025 निर्धारित है। कक्षा का प्रारंभ 1अप्रैल 2025 से किया जाएगा। उक्त जानकारी सुश्री पूजा सिंह अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि सैनिक विद्यालय एवं नवोदय विद्यालय के तर्ज पर पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग की छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए यह सरकार की महत्वाकांक्षी पहल है। उक्त आलोक में सरकार द्वारा संबंधित वर्ग के छात्राओं के शैक्षणिक विकास की दिशा में उठाया गया यह ठोस पहल है। जिसके तहत उन्हें 10,850 रुपया वार्षिक आर्थिक मदद के साथ पोशाक, दवा एवं मासिक चिकित्सीय परीक्षण की सुविधा दी जाएगी। उक्त आवासीय विद्यालय में 24७7 बिजली की सुविधा के साथ जीविका द्वारा मेस का संचालन किया जाएगा ।साथ ही उक्त विद्यालय में बीपीएससी द्वारा चयनित शिक्षक होंगे। छात्राओं को बिहार शैक्षणिक भ्रमण की सुविधा दी जाएगी। विद्यालय में आधुनिक प्रयोगशाला होगा तथा आईआईटी, जेईई इत्यादि के लिए करियर गाइडेंस की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि कमजोर छात्रों के लिए अतिरिक्त वर्ग का संचालन होगा। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फॉर्म भरने में असुविधा होने पर जिला पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण शाखा में आवेदन समर्पित किया जा सकता है। बताया कि कक्षा 6ट्ठ में 40, कक्षा 7ट्ठ में 02 और कक्षा 9 में 40 सीट उपलब्ध है ।जानकारी दी गई कि अभी यह विद्यालय पश्चिमी चंपारण के धमौरा में संचालित है। जल्द ही यह सीतामढ़ी के मेजरगंज में शिफ्ट हो जाएगा। मालूम हो कि सीतामढ़ी के मेजरगंज प्रखंड में 5 एकड़ के रकबा में 520 क्षमता वाला अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय + 2 विद्यालय का निर्माण हो रहा है। जहां पिछड़े वर्ग की छात्राओं के लिए सभी तरह की सुविधा उपलब्ध होगी ।पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग की छात्राएं इसका अधिक से अधिक लाभ ले सके यह अपील सुश्री पूजा सिंह के द्वारा की गई।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जांचोपरांत दो ग्रामीण आवास सहायकों पर की गई कड़ी कार्रवाई

डुमरा प्रखंड के नुनौरा पंचायत के ग्रामीण आवास सहायक पर लगाए गए आरोप के जांचोपरांत आवास सहायक की लापरवाही स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई है, जिसे देखते हुए उनके विरुद्ध आरोप पत्र गठित करने का आदेश प्रखंड विकास अधिकारी को दिया गया है।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । बेलसंड एवं डुमरा प्रखंड के एक एक ग्रामीण आवास सहायक के द्वारा बरती गई लापरवाही को देखते हुए उनके विरुद्ध आरोप पत्र गठित करने का आदेश जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंड विकास अधिकारी को दिया गया। बेलसंड प्रखंड के ग्राम पंचायत जाफरपुर के ग्रामीण आवास सहायक के द्वारा लाभार्थी से अवैध राशि लेने के लिए आरोप प्रमाणित होने पर उनके विरुद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिक दर्ज करने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंड विकास अधिकारी बेलसंड को दिया गया। साथ ही आरोप पत्र गठित करने का भी आदेश दिया गया।

मालूम हो कि पंचायत समिति, प्रमुख, बेलसंड के द्वारा प्रखंड बेलसंड में ग्रामीण आवास सहायकों के द्वारा पैसे की अवैध उगाही का आरोप लगाया गया था। इस देखते हुए जिलाधिकारी के द्वारा उक्त आलोक में उप विकास आयुक्त को जांच करने का निर्देश दिया गया था। बेलसंड प्रखंड में ग्रामीण आवास सहायकों पर लगाए गए आरोप की जांच स्वयं उप विकास आयुक्त के द्वारा की गई। डुमरा प्रखंड के नुनौरा पंचायत के ग्रामीण आवास सहायक पर लगाए गए आरोप के जांचोपरांत आवास सहायक की लापरवाही स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई है, जिसे देखते हुए उनके विरुद्ध आरोप पत्र गठित करने का आदेश प्रखंड विकास अधिकारी को दिया गया है। वहीं जाफरपुर पंचायत के आवास सहायक लाल बाबू प्रसाद के द्वारा लाभुकों से 12 हजार की अवैध वसूली का आरोप जांच के उपरांत प्रमाणित पाया गया। इसे देखते हुए इनके विरुद्ध स्थानीय थाना में प्राथमिक दर्ज करते हुए आरोप पत्र गठित करने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा प्रखंड विकास अधिकारी बेलसंड को दिया गया है।

इस संबंध में उप विकास आयुक्त मनन राम ने बताया कि योजनाओं के क्रियान्वयन के क्रम में किसी भी तरह की लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आवाम से प्राप्त शिकायतों के निवारण की दिशा में पूरी गंभीरता बरतते हुए जांचोपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर का प्रसिद्ध अस्पताल गोरक्ष हॉस्पिटल के द्वारा लगा निशुल्क मैडिकल कैंप जिसमें न्यूज इंडो गल्फ के पत्रकार रोहित कुमार यादव को सॉल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया

संक्षिप्त डायरी

मगरदही घाट के पास शहीद स्मृति स्थल के प्रांगण में पूर्व सैनिको की बैठक, प्रेस वार्ता होगी आज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के मगरदही घाट बाईपास से दक्षिण अवस्थित शहीद स्मृति स्थल के प्रांगण में समस्तीपुर जिला में सैनिक कल्याण कार्यालय जिसमें सैनिक विश्राम गृह, कैंटीन, ईसीएचएस एवं स्पर्श कि सुविधा एक जगह ही पूर्व सैनिकों को कराये जाने हेतु पूर्व विधायक दूर्गा प्रसाद सिंह, कमोडोर विनय कुमार कुशवाहा, विशिष्ट सेवा मेडल, उपाध्यक्ष अनुश्रवण समिति समस्तीपुर, पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जिला प्रशासन एवं समस्त पूर्व सैनिकों के माध्यम से किए गये संयुक्त प्रयास से गृह विभाग बिहार सरकार सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना ज्ञापांक 386 दिनांक 21 फरवरी 2025 को जारी किया गया है। इसके तत्वावधान में आज एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन सोमवार को किया जाएगा, जिसमें पूर्व विधायक दुर्गा प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक सह पूर्व सैनिक अशोक वर्मा, लेफ्टिनेंट कर्नल कृष्ण कुमार झा आदि मौजूद रहेंगे।

पुलिस ने चलाया बालविवाह व नशा मुक्ति जागरुकता अभियान

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

वीरपुर / बेगुसराय पुलिस सप्ताह के अवसर पर शनिवार को थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने मुख्यालय के पूर्वी पंचायत स्थित मध्य विधालय के प्रांगन में वाल विवाह को रोकने व नशा मुक्ति को लेकर स्कूली बच्चों और ग्रामीणों के बीच जागरुकता अभियान चलाया। जिसकी जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष ने कहा कि जो व्यक्ति शराब से संबंधित किसी तरह का कारोबार तथा निर्माण व भण्डारण, वितरण खरीद बिक्री, परिवहन आपूर्ति
आदि मे शामिल है तो उस अपराध
कार्यक्रम
के लिए आजीवन कारावास एवं दस लाख रुपए की जुमार्ना हो सकती है। नशा सेवन से होने बाला हानी के संबंध में विस्तार बताया। ए एस आई कुमारी प्रियंका अर्स ने वाल विवाह से होने वाली नुकसान
के संबंध मे विस्तार से बताया। इस अवसर पर वाल विवाह से होने बाला हानी के संबंधित प्रस्तुती विधालय की छात्रा शाक्षी कुमारी, अनुष्का कुमारी, प्रीती कुमारी और शराब बंदी को लेकर प्रस्तुती करने में छात्र गौरव कुमार, शिवम कुमार और केशव कुमार की बेहतरीन प्रदर्शनी के लिए विधालय की ओर प्रोत्शाहित किया गया। मौके पर विधालय के प्रधान सुमन कुमार, थाना के इंस्पेक्टर विक्रम किशोर यादव, पूर्व सरपंच मोहम्मद हन्नान सहित विद्यालय परिवार के सैंकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण जरूरी : थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सोनबरसा । बिहार पुलिस सप्ताह के अवसर पर रविवार को थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा थाना परिसर में फलदार पौधा लगाया गया इस अवसर पर थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए पौधारोपण जरूरी है। पेड़ पौधा हमें फल और छाया के साथ ही ऑक्सीजन देने का कार्य करती है। स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ पर्यावरण आवश्यक है। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को एक एक पौधा लगाना चाहिए।

पुलिस सप्ताह पर आम, कटहल, लीची, अमरूद, आंवला का दो दर्जन पौधा लगाया गया। मौके पर पुअनि भवानी कुमारी, मुकेश कुमार, दीपक कुमार, योगेन्द्र प्रसाद, मोहन कुमार सिंह, अरविंद श्रीवास्तव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे।

कोर्ट जाने वाली सड़क पर अवैध पार्किंग, आवागमन हुआ मुश्किल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी ये तस्वीर है मुख्यालय डुमरा स्थित कोर्ट कैंपस सड़क की। इस सड़क पर दोनों ओर सुबह 9 बजे से ही वकील, मोखतार, अधिवक्ता क्लर्क व मुकदमा में पैरवी के लिए आने वाले लोगों का वाहन लगना शुरू हो जाता है। सुबह के 11 बजे के बाद सड़क में वाहनों के कारण इतनी जकड़न हो जाती है कि इस रास्ते से गुजरने वाले पैदल लोग भी रास्ता खोजते नजर आते है। यह स्थिति मयार्दा पथ से लेकर न्याय पथ, अनुमंडल कार्यालय गेट से लेकर गीता भवन को जानेवाली वाली सड़क व व्यवहार न्यायालय मुख्य गेट से लेकर स्टेट बैंक के कार्यालय तक बनी रहती है। सड़क के दोनों को ओर दुकानें सजी रहती है और दुकान के सामने से बाइक लगने लगती है। इन बाइकों की संख्या इतनी बढ़ जाती है कि तीन तीन कतारें में बेतरतीब ढंग से बाइक लगी रहती है।

साल में सिर्फ एक बार खिलने वाला ये फूल बदल सकता है आपकी किस्मत

हिंदू धर्म में कई पेड़-पौधे पवित्र और पूजनीय माने जाते हैं. ऐसे पौधों में तुलसी, केला, एलोवेरा आदि शामिल हैं. हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि एलोवेरा का भी फूल भी होता है और ज्योतिष शास्त्र में एलोवेरा के पौधे और उसके फूल का बहुत महत्व है. आपको बता दें कि एलोवेरा के फूलों का खिलना बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है.

एलोवेरा के फूल केवल अनुकूल मौसम की स्थिति में ही खिलते हैं. यदि आप चाहते हैं कि आपके घर में एलोवेरा के फूल खिले, तो इसे ऐसे स्थान पर उगाएं जहां पर्याप्त धूप मिले. इन पौधों और फूलों को सूर्य की रोशनी की बहुत आवश्यकता होती है. इसलिए इसे छायादार स्थानों पर नहीं रखना चाहिए. एलोवेरा के पौधे घर के अंदर भी उगाए जा सकते हैं. लेकिन, इनके घर के अंदर उगने वाले एलोवेरा में फूलों की तरह खिलने की संभावना नहीं होती है.

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार एलोवेरा के पौधे और उसके फूलों में भी कई गुण होते हैं. स्वास्थ्य लाभ के साथ-साथ आध्यात्मिक लाभ भी इससे मिलता है. आध्यात्मिक दृष्टि से ये फूल बहुत महत्वपूर्ण हैं. यदि एलोवेरा का पौधा नारंगी या लाल फूलों के साथ खिलता है तो इसे शुभ संकेत माना जाता है.

एलोवेरा के पौधों के कई स्वास्थ्य लाभ हैं. ये त्वचा और बालों के लिए अच्छे हैं. एलोवेरा जेल एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है. इसका उपयोग मधुमेह और पाचन समस्याओं सहित कई बीमारियों के इलाज के लिए दवा के रूप में किया जाता है. एलोवेरा के फूलों का उपयोग हर्बल चाय बनाने के लिए किया जाता है.

एलोवेरा जेल अपने अनेक गुणों के लिए प्रसिद्ध है. एलोवेरा को कई घरों में पारंपरिक औषधि माना जाता है और इससे संबंधित नुस्खे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक साझा किए जाते हैं. इसमें कोई संदेह नहीं है कि एलोवेरा जेल विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है, जो एक उपचार एजेंट के रूप में कार्य करता है. इसके अतिरिक्त, एलोवेरा जेल में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे हाइड्रेटर बनाती है.

ज्योतिषाचार्य राहुल डे का कहना है कि एलोवेरा के फूल में धन को आकर्षित करने की क्षमता होती है. इससे परिवार में सुख-समृद्धि आती है. परिवार के सदस्य प्रेम से भरे हुए हैं. जिनके घर में एलोवेरा का फूल उगता है उनकी आर्थिक समस्याएं दूर हो जाती हैं. क्योंकि इस फूल में धन को आकर्षित करने की प्रबल क्षमता होती है.

बता दें, हर एलोवेरा का पौधा खिलता नहीं है. एलोवेरा के पौधे तभी खिलते हैं जब उनकी अच्छी देखभाल की जाती है. आर्थिक लाभ के लिए एलोवेरा के फूलों को लाल कपड़े में लपेटकर अपने पूजा घर या जहां भी आप पैसे रखते हैं वहां रख दें. इससे आपकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी.

इस साल महाशिवरात्रि पर 60 साल बाद बनने जा रहा है दुर्लभ संयोग

विज्ञान हजारों वर्षों से शिव के अस्तित्व को समझने का प्रयास कर रहा है. जब भौतिकता का मोह समाप्त हो जाता है और ऐसी स्थिति आ जाती है कि इंद्रियां भी बेकार हो जाती हैं, उस स्थिति में शून्यता आकार ले लेती है और जब शून्यता भी अस्तित्वहीन हो जाती है तब वहां शिव प्रकट होते हैं. शिव शून्य से परे हैं, जब व्यक्ति भौतिक जीवन को त्यागकर सच्चे मन से ध्यान करता है तो शिव की प्राप्ति होती है. महाशिवरात्रि शिव के एक-आयामी और अलौकिक रूप को हर्षोल्लास के साथ मनाने का त्योहार है.

भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं बेहद प्रचलित

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक धार्मिक त्योहार है, जिसे हिंदू धर्म के प्रमुख देवता महादेव यानी भगवान शिव के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है. महाशिवरात्रि का त्योहार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाया जाता है. इस दिन शिव भक्त और शिव में आस्था रखने वाले लोग व्रत रखते हैं और विशेष रूप से भगवान शिव की पूजा करते हैं. महाशिवरात्रि को लेकर भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं बहुत ज्यादा प्रचलित हैं. माना जाता है कि इस खास दिन पर भगवान शंकर आधी रात को ब्रह्मा के रुद्र रूप में अवतरित हुए थे.

तांडव और विवाह से जुड़ी मान्यताएं

ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव ने तांडव कर अपनी तीसरी आंख खोली थी और इसी आंख की ज्वाला से ब्रह्मांड को नष्ट कर दिया था. इसके अलावा कई जगहों पर इस दिन को भगवान शिव के विवाह से भी जोड़ा जाता है और माना जाता है कि इस पावन दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था.

वैसे तो हर महीने में शिवरात्रि होती है, लेकिन फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी को आने वाली इस शिवरात्रि का बहुत महत्व है, इसलिए इसे महाशिवरात्रि कहा जाता है. दरअसल महाशिवरात्रि भगवान भोलेनाथ की पूजा का पर्व है, जब धार्मिक लोग विधि-विधान से महादेव की पूजा करते हैं और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. इस दिन शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं, जो शिव के दर्शन और पूजन कर खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं.

इस पवित्र वस्तुओं से करें भगवान शिव का अभिषेक

महाशिवरात्रि के दिन शिव की पूजा-अर्चना कर उनका विभिन्न पवित्र वस्तुओं से अभिषेक किया जाता है और बिल्वपत्र, धतूरा, अबीर, गुलाल, बेर, उम्बी आदि चढ़ाए जाते हैं. भगवान शिव को भांग बहुत प्रिय है, इसलिए कई लोग उन्हें भांग भी चढ़ाते हैं. पूरे दिन व्रत और पूजा करने के बाद शाम को फलाहार किया जाता है. महाशिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा करने का सबसे बड़ा दिन माना जाता है. कहा जाता है कि अगर इस दिन भोले को प्रसन्न कर लिया जाए तो आपके सारे काम सफल होते हैं और सुख-समृद्धि आती है. भोले के भक्त शिवरात्रि के दिन कई तरह से भगवान शिव की पूजा करते हैं. शिव को प्रसन्न करने के लिए शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगती है, जो बेलपत्र और जल चढ़ाकर शिव का गुणगान करते हैं.

60 साल बाद महाशिवरात्रि बनने जा रहा है दुर्लभ संयोग

हर साल यह पर्व फाल्गुन माह में कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है. हिन्दू पंचांग के अनुसार, इस साल महाशिवरात्रि 26 फरवरी को मनाई जाएगी. महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी, 2025 को सुबह 11:08 बजे से शुरू हो रही है और 27 फरवरी, 2025 को सुबह 08:54 बजे तक रहेगी. साल 2025 में महाशिवरात्रि के दिन एक दुर्लभ संयोग बनने जा रहा है. इस दिन कुंभ राशि में तीन ग्रहों की युति होगी. दरअसल, इस दिन कुंभ राशि में सूर्य, बुध और शनि एक साथ रहेंगे. साल 1965 में महाशिवरात्रि के दिन ऐसा ही संयोग बना था. इसके साथ ही 60 साल पहले महाशिवरात्रि के दिन चंद्रमा मकर राशि में था, इस बार भी चंद्रमा मकर राशि में रहेगा. इस दुर्लभ संयोग पर महाशिवरात्रि का आना बेहद खास माना जा रहा है.

महाशिवरात्रि के पावन अवसर इस तरह भोलेनाथ की कृपा पा सकते हैं.

शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन ज्योतिषीय उपाय करने से आपकी सभी परेशानियां समाप्त हो सकती हैं. महाशिवरात्रि के दिन महादेव और पार्वती की पूजा शुभ मुहूर्त में ही करनी चाहिए, तभी इसका फल मिलता है. इस दिन का हर पल अत्यंत शुभ होता है. इस दिन व्रत रखने से अविवाहित लड़कियों को मनचाहा पति मिलता है और विवाहित महिलाओं का वैधव्य दोष भी नष्ट होता है.

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग की पूजा करने से कुंडली के नौ ग्रह दोष शांत होते हैं, खासकर चंद्रमा से होने वाले दोष जैसे मानसिक अशांति, माता के सुख और स्वास्थ्य में कमी, मित्रों से संबंध, मकान-वाहन के सुख में देरी, हृदय रोग, नेत्र विकार, चर्म-कुष्ठ रोग, सर्दी-खांसी, दमा रोग, खांसी-निमोनिया संबंधी रोग ठीक होते हैं और समाज में मान-सम्मान बढ़ता है.

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने से व्यापार में उन्नति होती है और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ती है. भांग चढ़ाने से घर में अशांति, भूत बाधा और चिंताएं दूर होती हैं. मंदार पुष्प से नेत्र और हृदय रोग दूर रहते हैं.

शिवलिंग पर धतूरे के पुष्प और फल चढ़ाने से औषधियों और विषैले जीवों का खतरा समाप्त होता है. शमीपत्र चढ़ाने से शनि की साढ़ेसाती, मारकेश और अशुभ ग्रह गोचर से हानि नहीं होती. इसलिए श्री महाशिवरात्रि के प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करें और शिव कृपा से तीनों प्रकार के कष्टों से मुक्ति पाएं.

ऐसे करें भगवान शिव की पूजा

महाशिवरात्रि पूजा विधि: शिवपुराण के अनुसार, भक्त को सुबह उठकर स्नान करके संध्या के नित्य कर्म से निवृत्त होकर माथे पर भस्म का तिलक लगाना चाहिए और गले में रुद्राक्ष की माला पहननी चाहिए, शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए और शिव को नमस्कार करना चाहिए. इसके बाद इस प्रकार भक्ति भाव से व्रत का संकल्प लेना चाहिए.

हल्दी का तिलक: शिवरात्रि पर भक्त मंदिर में भगवान शिव को हल्दी से तिलक लगाते हैं. वैसे भी हल्दी का प्रयोग लगभग हर धार्मिक कार्य में किया जाता है. लेकिन भगवान शिव को हल्दी नहीं चढ़ाई जाती. इसका कारण यह है कि हल्दी स्त्री प्रसाधन है और शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग पुरुषत्व का प्रतीक है.

लाल फूल: आपने देखा होगा कि शिवरात्रि पर मंदिरों के बाहर खूब फूल बिकते हैं. लेकिन क्या आपने गौर किया है कि इन फूलों में लाल फूल नहीं होते. ज्यादातर गेंदा ही दिखाई देता है. ऐसा इसलिए क्योंकि भगवान शिव को लाल फूल नहीं चढ़ाए जाते. कहा जाता है कि सफेद फूल चढ़ाने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं.

सिंदूर या कुमकुम: महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए सिंदूर या कुमकुम लगाती हैं. ऐसा कहा जाता है कि भगवान शिव को विघ्नहर्ता के रूप में जाना जाता है, इसलिए शिवलिंग पर सिंदूर या कुमकुम नहीं चढ़ाना चाहिए. इसके बजाय आप चंदन का इस्तेमाल कर सकते हैं. तांबे का लोटा: इस बार जब आप भगवान शिव को जल चढ़ाने जाएं तो तांबे या पीतल के लोटे का ही इस्तेमाल करें, स्टील या लोहे के लोटे का नहीं.

शंख बजाना शुभ: हिंदू धर्म में शंख को बहुत पवित्र माना जाता है. हर पूजा में इसे बजाना और इससे लोगों को जल देना बहुत शुभ माना जाता है. लेकिन ऐसा कहा जाता है कि शंख से शिवलिंग पर जल नहीं चढ़ाना चाहिए. ऐसा करना वर्जित माना जाता है.

सूर्य को अर्घ्य देते समय जल में डालें ये चीज, सोने जैसा चमक उठेगा भाग्य, मिलेगी तरक्की!

सनातन धर्म में सूर्य देव को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। वे जीवन के ऊर्जा स्रोत हैं और उनकी आराधना का विशेष महत्व है. माना जाता है कि सूर्य देव की नियमित पूजा करने से व्यक्ति को तेज, यश और सफलता की प्राप्ति होती है. सूर्य को जल अर्पित करना एक प्राचीन और शक्तिशाली उपाय है, जो व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करता है.

लेकिन क्या आप जानते हैं कि सूर्य को जल देते समय यदि आप एक विशेष चीज़ को लोटे में डालकर अर्पित करें, तो आपका भाग्य सोने की तरह चमक उठेगा और आपको हर काम में तरक्की मिलेगी? आइए जानते हैं दिल्ली के मशहूर ज्योतिषाचार्य आशुतोष शर्मा से वो चमत्कारी चीज़ क्या है और इसे जल में डालने का सही तरीका क्या है

वो चमत्कारी चीज है: लाल चंदन

लाल चंदन को हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है. यह सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत है और इसे समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है. ऐसा माना जाता है कि लाल चंदन सूर्य देव को अत्यंत प्रिय है.

लाल चंदन डालकर सूर्य को जल अर्पित करने के फायदे

भाग्य में वृद्धि: लाल चंदन को जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से भाग्य चमक उठता है और दुर्भाग्य दूर होता है.

सफलता और तरक्की: यह उपाय आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाता है और आपके करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलते हैं.

मान-सम्मान में वृद्धि: लाल चंदन यश, कीर्ति और मान-सम्मान का प्रतीक है. इसे जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से समाज में आपका सम्मान बढ़ता है.

नकारात्मक ऊर्जा का नाश: लाल चंदन नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक होता है. इसे जल में डालकर सूर्य को अर्पित करने से आपके आसपास का वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.

आर्थिक समृद्धि: लाल चंदन धन और समृद्धि को आकर्षित करता है. इस उपाय को करने से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं.

सूर्य को जल अर्पित करने का सही तरीका

ब्रह्म मुहूर्त में उठें: सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें.

तांबे का लोटा लें: जल अर्पित करने के लिए तांबे का लोटा सबसे उत्तम माना जाता है.

जल में लाल चंदन मिलाएं: लोटे में शुद्ध जल भरें और उसमें चुटकी भर लाल चंदन पाउडर मिलाएं.

सूर्य की ओर मुख करें: पूर्व दिशा की ओर मुख करके सूर्य देव को प्रणाम करें.

जल अर्पित करें: लोटे से धीरे-धीरे जल अर्पित करें और 卐? सूर्याय नम:卐 मंत्र का जाप करें.

अर्पित करते समय ध्यान रखें: जल की धारा आपके पैरों पर न गिरे.

प्रार्थना करें: सूर्य देव से अपने जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता की प्रार्थना करें.

कुछ अन्य महत्वपूर्ण बातें

इस उपाय को नियमित रूप से करें.

श्रद्धा और विश्वास के साथ जल अर्पित करें.

तामसिक भोजन और नकारात्मक विचारों से दूर रहें.

मंगलवार को जरूर करें ये 3 काम, जीवनभर बनी रहेगी हनुमानजी की कृपा

हिंदू धर्म में सप्ताह के सातों दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित हैं. मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की पूजा के लिए समर्पित है. कहा जाता है कि इस दिन जो व्यक्ति वज्रांगबली की पूजा करता है और उनका स्मरण करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं. इससे सभी कष्टों और आर्थिक तंगी से भी राहत मिलती है.

यदि आप लगातार किसी न किसी समस्या में फंसे रहते हैं. अगर आप जिस काम को शुरू करने की सोच रहे हैं उसमें आपको नुकसान हो रहा है, तो आपको मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा से जुड़े कुछ उपाय जरूर करने की सलाह दी जाती है. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक ऐसा करने से आपकी समस्या दूर हो सकती है.

ज्योतिष शास्त्र में मंगल ग्रह को बहुत सख्त बताया गया है. यदि कुंडली में मंगल की स्थिति शुभ हो तो जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है और सुख-शांति और आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है. लेकिन, यदि कुंडली में मंगल की स्थिति शुभ न हो तो जिंदगी में कई वजहों से समस्याएं आती रहती है. ऐसे में कुंडली में मंगल को मजबूत करने के लिए ज्योतिष शास्त्र में कुछ उपाय और युक्तियां बताई गई हैं. मंगलवार को सूर्यास्त के बाद एक इलायची, पांच लौंग और एक कपूर का टुकड़ा एक साथ लेकर इन्हें एक पात्र में रखकर जलाएं और पूरे घर में इसका धुंआ फैलाएं. पूरे घर में धुंआ फैलाते हुए %? हं हनुमते नम:% मंत्र का ग्यारह बार जाप जरूर करें. आप धुंआ दिखने के बाद भी इस मंत्र का जाप कर सकते हैं. इसके साथ ही आपके मन में जो भी इच्छा हो उसे व्यक्त करें. इसके बाद जली हुए राख को पानी में डालकर किसी भी गमले या फूल की कियारी में डाल दें. ऐसा लगातार तीन मंगलवार को करने से आपको बहुत अच्छे लाभ मिलेंगे.

बता दें, मंगलवार का दिन बजरंगबली की पूजा के लिए भी शुभ माना जाता है, अगर आपका प्रमोशन लंबे समय से रुका हुआ है या सैलरी नहीं बढ़ी है तो आप लड्डू दान करके भगवान हनुमान को प्रसन्न कर सकते हैं. मंगलवार के दिन हनुमान जी को प्रिय बेसन के लड्डू दान करने से आपके जीवन में अच्छे दिन आ सकते हैं. आप चाहें तो हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाकर उनके दर्शन कर सकते हैं.

आरबीआई ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है

इससे होम लोन व कार लोन और सस्ते होंगे — महंगाई दर जल्द ही सीमा के अंदर आने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आने वाले महीनों में ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है। इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है। विकसित देशों के केंद्रीय बैंक महंगाई पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, लेकिन रिजर्व बैंक की प्राथमिकता फिलहाल विकास को बढ़ावा देना है। अलग ब्याज दरों में फिर से कटौती होती है तो इससे होम लोन, कार लोन आदि और सस्ते हो जाएंगे। साथ ही ईएमआई का बोझ भी कम होगा।

रिजर्व बैंक का मानना है कि महंगाई दर जल्द ही सरकार की ओर से तय सीमा के अंदर आ जाएगी। इसके लिए वह ब्याज दरों में कटौती के अलावा भी कई कदम उठा सकता है। ये बात मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक के विवरण से पता चलती है। यह बैठक शुक्रवार को हुई। बता दें कि इस महीने 5 से 7 फरवरी तक एमपीसी की बैठक हुई थी।

25 बेसिस पॉइंट की हुई है कटौती- रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को मीटिंग में लिए गए फैसलों की घोषणा की थी। उस समय केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की कटौती की थी। यह अब 0.25 प्रतिशत कम होकर 6.25 प्रतिशत हो गया है। 5 साल में यह पहली बार था जब ब्याज दरों में कमी की गई। अब इसका असर दिखने लगा है। एसबीआई और पीएनबी समेत कई बैंक ब्याज दरें घटा चुके हैं और लोगों को सस्ता लोन मिल रहा है।

महंगाई पर कम पड़ेगा असर- एमपीसी ने यह भी संकेत दिया कि वैश्विक व्यापार चुनौतियों का महंगाई पर बहुत कम असर पड़ेगा। साथ ही, ऊंची वास्तविक ब्याज दरें कर्ज की लागत को और कम करने का मौका देती हैं। वास्तविक ब्याज दर का मतलब है, ब्याज दर और महंगाई दर के बीच का अंतर। अगर ब्याज दर ज्यादा है और महंगाई कम है तो वास्तविक ब्याज दर ऊंची होती है।

क्या है रिजर्व बैंक का प्लान?

एमपीसी के वे बाहरी सदस्य जो पिछली दो बैठकों में ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में थे, उनका मानना है कि मौजूदा मौद्रिक नीति बहुत सख्त है। कर्ज वृद्धि दर में गिरावट को देखते हुए खपत और निवेश को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरों में कमी करना जरूरी है। यानी रिजर्व बैंक आने वाले दिनों में ब्याज दरों में और कमी कर सकता है।

रेट कट का ये सबसे मुफीद समय- रिजर्व बैंक के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपनी पहली एमपीसी की बैठक में ब्याज दरों में कटौती का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात और महंगाई दर को देखते हुए यह ब्याज दरों में कमी करने का सही समय है। उनका मानना है कि कम ब्याज दरों से खेती-बाड़ी का विकास होगा, लोगों का खर्च बढ़ेगा, घरों में निवेश होगा और कंपनियां भी पूंजी निवेश करेंगी। इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने 'एशिया इंश्योरेंस रिव्यू' के साथ जीआईईए की लॉन्चिंग की घोषणा की

पुणे, एजेंसी। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी में से एक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (जीआईईए) की लॉन्चिंग की घोषणा की, जिसका उद्देश्य एशिया, मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका में जनरल इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस के एडवाइज़र्स के उत्कृष्ट योगदान को सराहना और सम्मानित करना है. इंडस्ट्री में विश्वसनीय नाम और इस इवेंट में पार्टनर, एशिया इंश्योरेंस रिव्यू (एआईआर), वर्ष 2025 के अवॉर्ड्स की देखरेख और संचालन करेगी, जिससे इवेंट की विश्वसनीयता और अधिक बढ़ गई है और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता भी जुड़ गई है. बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस द्वारा आयोजित इस इवेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर की इंश्योरेंस इंडस्ट्री के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एडवाइज़र्स को ग्यारह अलग-अलग अवॉर्ड कैटेगरी में सम्मानित किया जाएगा।

अवॉर्ड्स का मूल्यांकन इंटरनेशनल इंश्योरेंस इंडस्ट्री विशेषज्ञ के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया जाएगा, जिनके नाम इस प्रकार हैं- जीआईईए अवॉर्ड्स 2025 में, इंडस्ट्री की वास्तविक रीढ़ के रूप में इंश्योरेंस एडवाइज़र्स के असाधारण समर्पण, जुनून और कठोर परिश्रम को सम्मानित किया जाएगा. जीआईईए अवॉर्ड्स के लिए, जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर के एडवाइज़र्स को विभिन्न अवॉर्ड कैटेगरी में खुद को नामांकित करने, अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. इन अवॉर्ड्स का उद्देश्य इंश्योरेंस सेक्टर में उनके शानदार योगदान को सम्मानित करना है, जो नागरिकों के साथ उनके सबसे चुनौतीपूर्ण समय में खड़े होकर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. जीआईईए अवॉर्ड्स इंश्योरेंस एडवाइज़र के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाते हैं, जो सबसे अधिक ज़रूरी समय पर सच में बदलाव लाते हैं.

2025 के लिए जीआईईए अवॉर्ड की लॉन्चिंग पर, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, श्री तपन सिंघल ने कहा, एडवाइज़र्स इंश्योरेंस इंडस्ट्री के गुमनाम हीरो हैं, जो अपने कस्टमर के सबसे मुश्किल समय में उनके साथ खड़े रहते हैं, उन्हें मार्गदर्शन, सहायता और पूरा समर्थन प्रदान करते हैं. उनके योगदान पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है लेकिन सच यह है कि वे इंश्योरेंस सेक्टर की रीढ़ हैं, और उनके शानदार प्रयासों को सम्मानित करने का समय आ गया है. ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉर्ड्स (जीआईईए) के साथ, हमारा उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाकर उत्कृष्टता को पहचानने के लिए बेंचमार्क को बेहतर बनाना है।

अमेरिका की राह पर भारत...!

फूड ऑयल के आयात पर बढ़ा सकता है टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर के निशाने पर हैं। कारण है उनका टैरिफ। उन्होंने भारत समेत दुनिया के लगभग हर देश पर टैरिफ लगाया है। ट्रंप का कहना है कि वह स्थानीय व्यापार को बढ़ाना देने के लिए ऐसा कर रहे हैं। भारत समेत दुनिया के कई देश भी ऐसा करते हैं। अब भारत भी अपने स्थानीय किसानों की मदद के लिए आगे आया है। जानकारी के मुताबिक

भारत वनस्पति तेलों के आयात पर टैक्स बढ़ा सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक दो सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत अपने हजारों तिलहन किसानों को घरेलू तिलहन कीमतों में गिरावट से राहत देने के लिए वनस्पति तेलों पर आयात टैक्स बढ़ा सकता है। अगर ऐसा होता है छह महीने से भी कम समय में दूसरी बार वनस्पति तेलों पर इंपोर्ट टैक्स बढ़ेगा। इस समय किसानों को वनस्पति तेल पर काफी नुकसान हो रहा है। इसलिए सरकार उनकी मदद करना चाहती है।

महंगा हो सकता है फूड ऑयल- भारत फूड ऑयल का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है। अगर भारत फूड ऑयल के इंपोर्ट टैक्स बढ़ाता है तो भारत को महंगी कीमत पर दूसरे देशों से यह तेल खरीदना होगा। क्योंकि नुकसान की भरपाई के लिए दूसरे देश तेल की कीमत बढ़ा देंगे। इससे भारत में यह तेल महंगा बिकेगा।

ज्वेलरी, राखियां, नेमप्लेट... इको-फ्रेंडली चीजें बनाकर महिला कर रही मोटी कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर शौक और हुनर को बिजनेस में बदला जाए तो सफलता मिलते देर नहीं लगती। ऐसा ही कुछ किया है ओडिशा की सुधारानी मरांडी ने। उन्होंने अपने बचपन के शौक को एक सफल कारोबार में बदल दिया है। वह घर के लिए इको-फ्रेंडली सजावटी सामान, ज्वेलरी, टिशू बॉक्स, फोटो फ्रेम, नेमप्लेट आदि बनाती हैं। वह इन प्रोडक्ट को ऑनलाइन और ऑफलाइन बेचती हैं। इससे उन्हें हर महीने मोटी कमाई हो रही है।

कॉलेज टाइम से शुरू की कमाई- सुधारानी को जब भी अपने पिता से जेब खर्च मिलता था, वह उस रकम को डेकोरेशन का सामान खरीदने में खर्च कर देती थीं। हालांकि उनके पिता को सुधारानी का यह काम पसंद नहीं आता था। वह जब ग्रेजुएशन में आईं तो अपने जुनून को इनकम का एक छोटा सा जरिया बना लिया। कॉलेज के दिनों में वह इको-फ्रेंडली डेकोरेटिव चीजें बनातीं और उन्हें अपने फ्रेंड्स और जानकारों को बेच देती थीं। इसे उन्हें हर महीने करीब एक हजार रुपये की कमाई हो जाती थी।

शुरू किया खुद का ब्रांड- अपने इस हुनर को आगे बढ़ाते हुए सुधारानी ने अपना ब्रांड बनाया और इसका नाम उन्होंने झुनुक क्राफ्ट्स रखा। आज वह अपने इसी ब्रांड्स के अंतर्गत सारी चीजें बनाती हैं। इनका यह ब्रांड एमएसएमई में रजिस्टर्ड है। वह इको-फ्रेंडली गिफ्ट आइटम

विप्रो वाले अजीम प्रेमजी ने 9 कंपनियों पर लगाया है दांव

मुंबई एजेंसी। अजीम हाशिम प्रेमजी को तो जानते ही होंगे। वह मशहूर सॉफ्टवेयर कंपनी विप्रो के चेयरमैन थे। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक उनका नेटवर्थ 35.9 बिलियन डॉलर बताया जाता है। उनकी इनवेस्टमेंट कंपनी प्रेमजी इन्वेस्ट , ने बीते शुक्रवार को ओपन मार्केट में नौ कंपनियों के ढेरों शेयर खरीदे। इनमें भारती एयरटेल, जिंदल स्टील एंड पावर और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इस सौदे की कुल कीमत 446 करोड़ रुपये रही। अन्य छह कंपनियों में अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन, अंबुजा सीमेंट्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आइसीआइसीआइ बैंक, इंफोसिस और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस शामिल हैं।

किस कंपनी के कितने शेयर खरीदे- पीटीआई के मुताबिक प्रेमजी इन्वेस्ट ने अपनी सहयोगी कंपनी के माध्यम से ये शेयर खरीदे हैं। इस सौदे में भारती एयरटेल के 5.44 लाख शेयर,

जिंदल स्टील पावर के 9.72 लाख शेयर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के 5.70 लाख शेयर खरीदे गए। इंफोसिस के 3.28 लाख शेयर भी इस सौदे का हिस्सा रहे। ब्लॉक डील के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

और कौन सी कंपनी में कितने शेयर- इनके अलावा, आइसीआइसीआइ बैंक के 3.33 लाख शेयर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के 8.13 लाख शेयर, अंबुजा सीमेंट्स के 5.14 लाख शेयर भी खरीदे गए। एपीएसइजेड के 1.09 लाख शेयर और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के 84,375 शेयर भी प्रेमजी इन्वेस्ट ने अपने पोर्टफोलियो में जोड़े। ये शेयर 477.2 रुपये से लेकर 1,807.15 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे गए। इस तरह कुल सौदे की कीमत 446.38 करोड़ रुपये हुई।

इन कंपनियों के शेयर बेचे- दूसरी तरफ, तारिश इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी ने इन नौ कंपनियों के शेयर बेचे। यह कंपनी हशम इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी से जुड़ी है। हशम इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कंपनी, सेबी के साथ रजिस्टर्ड वेंचर कैपिटल फंड्स को निवेश सलाहकार सेवाएं देती है। इसकी मूल कंपनी अज़ीम प्रेमजी ट्रस्टी कंपनी है, जिसके मुख्य प्रमोटर खुद अज़ीम प्रेमजी हैं।

शुक्रवार को इनमें गिरावट- बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में कुछ कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई।

अमीरों को लगा झटका

दुनिया में मस्क के बाद सबसे ज्यादा घटी अदाणी की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के शेयर बाजारों में भारी उथल-पुथल के कारण इस साल अब तक शीर्ष अमीरों की संपत्तियों में भारी गिरावट आई है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की संपत्ति में टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क के बाद दूसरी सबसे बड़ी गिरावट देखी गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, दुनिया के 23वें सबसे अमीर कारोबारी गौतम अदाणी की संपत्ति 11.9 अरब डॉलर घटकर 66.8 अरब डॉलर रह गई है। इस दौरान मस्क की संपत्ति में 35.2 अरब डॉलर की कमी आई है और अब उनकी संपत्ति 397.3 अरब डॉलर है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से मस्क की संपत्ति में काफी तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिली थी और यह 400 अरब डॉलर के पार पहुंच गई थी।

शिव नाडर को 4.53 अरब डॉलर व अंबानी को 2.9 अरब डॉलर का झटका- ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी इस साल बड़ी गिरावट आई है।उनकी संपत्ति 2.9 अरब डॉलर घटकर 87.7 अरब डॉलर रह गई।एचसीएलटेक के संस्थापक शिव नाडर की संपत्ति में 4.53 अरब डॉलर की कमीआई है। अब उनकी संपत्ति 38.6 अरब डॉलर रह गई है।

धोनी के बालों की स्ट्रेटजी, जो आप बेशक जानना चाहेंगे!

मुंबई, एजेंसी। जब पावर कपल एमएस धोनी और साक्षी एक साथ आते हैं, तो आपको पता चल जाता है कि कुछ खास होने वाला है - इस बार, यह अवसर स्वाभाविक रूप से शानदार दिखने के लिए है, जिसका श्रेय गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स को जाता है! अपने नवीनतम टीज़र में, उनके बीच की चंचल नोक-झोंक ने सुर्खियां (और आपका दिल) चुरा ली। जब साक्षी धोनी को उनके अंतहीन कैंडिड इंटरव्यू को लेकर चिढ़ाती हैं, तो वह खुद को यह बताने से नहीं रोक पातीं कि कैसे किसी ने हाल ही में उनसे पूछा था कि वह 43 साल की उम्र में भी 30 साल के कैसे दिखते हैं। उनका जवाब? बालों का कलर और दाढ़ी का कलर। लेकिन रुकिए-साक्षी तुरंत बताती हैं कि वह ही उनके बालों को रंगती है, ताकि क्रेडिट गेम में पीछे न रहे! इसलिए, जब वह उनसे पूछती हैं, आप कौन सा रंग इस्तेमाल करते हैं?, तो धोनी अपनी चिरपरिचित मुस्कान बिखेरते हुए, बिल्कुल धोनी स्टाइल में कहते हैं। मैं अभी अपने सभी सीक्रेट्स नहीं बता सकता। हम सभी ने क्रिकेट के मैदान पर एमएस धोनी के शांत, सोचसमझकर लिए गए निर्णय देखे हैं! लेकिन जब बात उनके बालों की आती है।

नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत मध्य प्रदेश सरकार हर 45 किमी पर हेलिपैड और हर 150 किमी पर हवाई अड्डा का करेगी निर्माण

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत राज्य में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस नीति के तहत हर 45 किलोमीटर की दूरी पर हेलिपैड और हर 150 किलोमीटर पर एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा। इससे राज्य में हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार व पर्यटन को गति मिलेगी। राज्य सरकार एयरलाइंस को आकर्षित करने के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन भी देगी। मध्य प्रदेश को अन्य राज्यों से जोड़ने वाली प्रत्येक नई घरेलू उड़ान के लिए सरकार 7.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देगी। नई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए विमानन कंपनियों को 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इंदौर, उज्जैन और ओंकारेश्वर को हेलीकॉप्टर सेवाओं से जोड़ने के लिए जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे। इससे इन महत्वपूर्ण धार्मिक और व्यापारिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। इस कदम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे पर्यटन और व्यावसायिक यात्रा को बढ़ावा मिलेगा। यात्रा का समय भी घटेगा, जैसे भोपाल से इंदौर की हवाई यात्रा मात्र 55 मिनट में पूरी हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि विकसित इंफ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण मध्य प्रदेश एक प्रमुख एयर कार्गो हब बन सकता है। इसकी क्षमता को देखते हुए, राज्य में 20 से अधिक आधुनिक कार्गो टर्मिनल स्थापित किए जा रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार और माल परिवहन को सुविधाजनक बनाएंगे। इस नीति से राज्य में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। होटल, परिवहन, विमानन प्रशिक्षण संस्थान, ग्राउंड स्टाफ और पायलट जैसे क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ेंगी।

सनम तेरी कसम दोबारा रिलीज के बाद भी चार्ट्स पर सुपरहिट

मुंबई, एजेंसी। सनम तेरी कसम, जो एक पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, 7 फरवरी 2025 को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह इसकी पहली बार हुई रिलीज के नौ साल पूरे होने का खास मौका था। पहली बार जब यह रिलीज हुई थी, तब बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। लेकिन समय के साथ, फिल्म को एक खास फैनबेस मिला, जहां लोग इसकी भावनात्मक कहानी और सुरीले संगीत से गहराई से जुड़ गए।

फिल्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण, फैंस ने इसकी दोबारा रिलीज की मांग की, क्योंकि उन्हें लगा कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर एक और मौका पाने के लायक है। सनम तेरी कसम की फिर से रिलीज ने पूरे भारत में धूम मचा दी, यह साबित करते हुए कि फैंस की ताकत किसी भी फिल्म को रातो- रात सुपरहिट करा सकती है। कई महीनों से फैंस फिल्म के मुख्य अभिनेता हर्षवर्धन राणे को मैसेज कर रहे थे और इस पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा को दोबारा रिलीज करने की मांग कर रहे थे। जिस वजह से 23 जनवरी 2025 को राणे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और फैंस से कहा कि वे प्रोड्यूसर्स को टैग करें और अपनी बात जोर से रखें। इसका नतीजा जबरदस्त रहा। राणे की पोस्ट पर 40,000 से ज्यादा कमेंट्स आए, जिसमें फैंस ने फिल्म को दोबारा रिलीज करने पर जोर दिया। फैंस की इतनी बड़ी मांग देखकर प्रोड्यूसर्स को यकीन हो गया और उन्होंने सनम तेरी कसम को फिर से बड़े पर्दे पर लाने का फैसला किया। फिल्म के दोबारा रिलीज होते ही, यह बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही।

एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप में बड़ा सुधार : युवा निवेशकों के लिए और भी आसान होगी रिटायरमेंट प्लानिंग

-ऐप पुराने और नए एनपीएस खाताधारक के लिए होगा उपलब्ध

-नया ऐप दोनों एंड्राइड और आईओएस उपभोक्ताओं को मिलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजिस लिमिटेड, (पूर्व में -एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर) नेशनल पेंशन स्कीम और अटल पेंशन योजना के खातों को संचालित करने वाली सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) ने अपने पेंशन मैनेजमेंट ऐप - 'एनपीएस बाय प्रोटीयन' को एक नया स्वरूप देते हुए इसमें कई नई विशेषताएं जोड़ी हैं, ख़ास तौर पर आज की डिजिटली जागरूक नयी पीढ़ी के लिए जिसमें कई नए फीचर भी हैं। चाहे आप पहले से एनपीएस से जुड़े हैं या अपना रिटायरमेंट प्लानिंग का सफ़र एनपीएस के साथ अभी शुरू कर रहे हों, यह नया ऐप आपको एक स्थान पर सभी समाधान देगा। दोनों एंड्राइड और आईओएस ग्राहकों के लिए उपलब्ध उए नया आप बेहद यूजर फ्रेंडली इंटरफेस देने के साथ ही इंट्युइटिव नेविगेशन और बेहतर सुरक्षा फीचर्स देगा।

आज की पीढ़ी के युवाओं के लिए ख़ास तौर पर बनाया गया ये ऐप उनके लिए नया एनपीएस खाते बनाने, उसमें कॉन्ट्रिब्यूशन देने और उसका प्रबंधन करने की प्रक्रिया को पहले से कई गुना आसान बनाएगा। इस अवसर पर प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री सुरेश सेठी ने बताया कि, प्रोटीयन में हमारा लक्ष्य यही है कि हम समाज के सभी वर्गों को शामिल करते हुए उन्हें वित्तीय प्रबंधन की मुख्य धारा से जोड़ें। 2024-25 के बजट के माध्यम से सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि वह पेंशन स्क्रीम को देश के कोने-कोने तक पहुंचाना चाहते हैं। नेशनल पेंशन सिस्टम और अटल पेंशन योजना की सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी होने के नाते हम इसे क्षेत्र में अपना विस्तार करने के एक सुनहरे अवसर के रूप में देखते हैं। हमारे ऐप का यह नया और बेहतर वर्जन एक ऐसे समय पर आया है जब भारत के युवा अपने निवेश को अलग-अलग क्षेत्रों में डायवर्सिफाय कर रहे हैं और अपना रिटायरमेंट भी जल्दी प्लान करना शुरू कर रहे हैं। यह नया ऐप ग्राहकों को अपनी नए युग की डिजिटल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया, गोल प्लानिंग और सरल लॉग इन के साथ-साथ कई नवीन सुविधाओं का एक सहज अनुभव प्रदान करेगा।

भारतीयों के लिए पेंशन मैनेजमेंट के क्षेत्र में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम के रूप में उभर रहा एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप का उद्देश्य है नेशनल पेंशन सिस्टम में लोगों की भागीदारिता को बढ़ावा देना, और इसके प्रबंधन को आसान बनाना।

इंदौर में 32वां अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट कॉन्क्लेव 2025

दृष्टिकोण और नवाचार

इंदौर, एजेंसी। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन ने 32वें अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन 2025 का सफल उद्घाटन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में किया, जिसमें 3,000 से अधिक उद्योग जगत के नेता, उद्यमी, नीति निर्धारक, अर्थशास्त्री और अकादमिक एवं छात्र एकत्र हुए, और व्यापार के विकास, वित्तीय उन्नति, नेतृत्व रणनीतियों और भारत की वैश्विक आकांक्षाओं पर परिवर्तनकारी चर्चाएँ कीं।इस वर्ष का थीम उद्यामेना ही सिद्धयंती (स्ट्राइव, ड्राइव और थ्राइव) था, जिसे डॉ. संदीप आत्रे ने स्पष्ट रूप से समझाया, जिसमें उन्होंने आज के गतिशील व्यापारिक वातावरण में प्रयास और उपलब्धि की महत्ता पर जोर दिया। सम्मेलन की शुरुआत एक आध्यात्मिक और शास्त्रीय छाप के साथ हुई, जिसमें सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन हुआ। आईआईएम इंदौर के निदेशक और इंदौर प्रबंधन संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु राय ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के उज्जवल भविष्य की बात की। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और उच्च कुशल कार्यबल द्वारा संचालित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि अस्थिरता, अप्रत्याशितता, गैर-रेखीयता और अप्रत्यक्षता , लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता में कठिन कार्य की महत्ता पर जोर दिया। भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत कुशल श्रम में दुनिया का नेतृत्व करेगा। एआई और बायोटेक भारत की सुपर-एडवांस्ड स्वास्थ्य सेवा को चलाएंगे। भारत एक वैश्विक आईटी महाशक्ति बनेगा।

विकसित हो भीड़ नियंत्रण का प्रभावी तंत्र

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

देश में हम आए दिन भीड़ में भगदड़ मचने से कई लोगों के मरने की खबरें पढ़ते रहते हैं। हाल ही में महाकुंभ स्नान के दौरान प्रयागराज में भीड़ में भगदड़ के चलते 37 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। इस घटना के कुछ दिनों बाद ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ जाने वालों की भीड़ में अचानक भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद है।

देश में भगदड़ में मरने वालों की सूची बहुत लंबी है। सभी को पता है कि जहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होगी वहां कभी भी भगदड़ मचने की स्थिति पैदा हो सकती है। मगर अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन पाई है जिससे भगदड़ की स्थिति ही उत्पन्न नहीं होने पाए। सरकारी भी भगदड़ होने के बाद उसको रोकने के ढोल पीट कर कुछ समय बाद शांत बैठ जाती है। मगर ऐसा कोई स्थाई तंत्र विकसित नहीं किया जाता है। जिससे भगदड़ की स्थिति होने से पहले ही सुरक्षा कर्मियों को अलर्ट मिले और वह उन पर नियंत्रण कर सके।

भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। भगदड़ प्रायः भीड़ भरे इलाको में किसी अफवाह के कारण भी पैदा हो सकती है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण भी यह आपदा पैदा होती है। इसमें संपत्ति से अधिक जान की क्षति होने की संभावना रहती है। भीड़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के वैश्विक डेटाबेस के मुताबिक सन 2000 के बाद से भारत में 50 से ज्यादा विनाशकारी सामूहिक समारोहों में दो हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। इन दुर्घटना को देखते हुए प्रभावी भीड़ प्रबंधन तंत्र विकसित करने की बहुत जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में इसकी काफी जरूरत महसूस होती है।

भगदड़ बेहद खतरनाक और घातक स्थिति होती है। किसी भी जगह पर जब भीड़ उसकी क्षमता से अधिक हो जाती है और लोगों के पास निकलने का रास्ता नहीं होता है। भीड़ की वजह से लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिलती है। ऐसी स्थिति में किसी तरह की अफवाह या दुर्घटना होने पर भीड़ बेकाबू हो जाती है। इसे भीड़ में हलचल भी कहा जाता है। इसकी वजह से ही भगदड़ की स्थिति बनती है।

इसी तरह भीड़ में हलचल का मतलब भीड़ का बेतरतीब तरीके से एक से ज्यादा दिशाओं में एक ही समय में आगे बढ़ना है। ऐसे में लोगों को चलने के लिए जगह कम होती है वो एक-दूसरे के बीच दब जाते हैं। जब लोग एक-दूसरे से बहुत नजदीक होते हैं तो ह्यफोर्सेज का ट्रांसमिशनह्ल यानी बल का संचरण हो सकता है। इस फोर्स ट्रांसमिशन को आपने भी कभी न कभी तब महसूस किया होगा जब आप एक बहुत भीड़-भाड़ वाली किसी लाइन में खड़े हुए होंगे। जब पीछे से अचानक धक्का लगता है तो व्यक्ति खुद भी उस धक्के को अपने से आगे खड़े व्यक्ति को ट्रांसफर कर देते हैं। ऐसे में अपना संतुलन बनाए रखना और अपने पैरों पर खड़े रहना लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

ये पहली बार नहीं था जब किसी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भगदड़ मची हो। इसके पहले भी समय-समय पर भगदड़ मचने की खबरें सामने आती रही हैं। इन घटनाओं में कई लोगों की जान भी चली गई। 27 अगस्त 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई थी। 25 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में भगदड़ मच गई थी। जिसमें 340 से ज्यादा श्रद्धालु कुचले गए थे। 3 अगस्त 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में मची भगदड़ में 162 लोगों की मौत हो गई थी। 30 सितंबर 2008 राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में 63 लोगों की मौत हो गई थी. ।14 जनवरी 2011 को केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में सबरीमाला मंदिर में एक जीप की टक्कर से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर की पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई थी। 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई थी जिसमें 20 लोगों की मौत हो गयी थी।

13 अक्टूबर 2013 मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 115 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरे का जश्न समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मच गई जिसमें 32 लोगों की मौत हो गई थी। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुष्करम उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर भगदड़ मचने से 27 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। 1 जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ मचने से 12 लोगों की मौत हो गई थी। 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी भगदड़ के कारण कई बड़ी दुर्घटना हो चुकी है। 28 सितंबर 2002 को लखनऊ में बसपा की रैली से वापस घर लौटते समय ट्रेन की छत पर चढ़ने से चार लोगों की करंट लगने से मौत हो गई थी। 13 नवंबर 2004 को नई दिल्ली स्टेशन पर छठ पूजा के दौरान बिहार जाने वाले ट्रेन का प्लेटफार्म अचानक बदलने से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए ओवरब्रिज पर मची भगदड़ में चार यात्रियों की मौत हुई थी। 03 अक्टूबर 2007 को मुगल सराय जंक्शन पर भगदड़ मचने के कारण 14 महिलाओं की मौत हो गई थी। 10 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुंभ मेला के दौरान रेलवे जंक्शन पर भगदड़ मचने से 38 लोगों की मौत हो गई थी। 29 सितंबर 2017 के दिन मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन में बने फुटओवर ब्रिज पर भगदड़ मचने के कारण 22 लोगों की मौत हुई थी। हमारे देश में आए दिन जगह-जगह बड़े-बड़े धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य कई प्रकार के आयोजन होते रहते हैं। जिनमें हजारों-लाखों लोग शामिल होते हैं। ऐसे ही कार्यक्रमों में जरा सी लापरवाही भगदड़ का कारण बन सकती है। ऐसे में यदि कार्यक्रम के आयोजक सावधानी बरतते हुए भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम करें तभी किसी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सकता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन व प्रयागराज के महाकुंभ में भी जो भगदड़ की स्थिति पैदा हुई है उसमें प्रशासनिक चूक रही है। एक स्थान पर अधिक भीड़ इकट्ठी होने पर यदि प्रशासन के अधिकारी सतर्कता बढ़ाते तो ऐसी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता था। आगे भी सरकार को चाहिए कि ऐसे किसी भी बड़े आयोजनों के लिए और अधिक पुख्ता व्यवस्था करें। देश में आपदा राहत बल को भी अधिक सशक्त किया जाये ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

संपादकीय

इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर

उप्र की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आठ लाख करोड़. का सबसे बड़ा बजट पेश किया। इसकी खासियत इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब, युवाङ्क किसान, महिलाएं, धार्मिक पर्यटन रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने पर्यटन स्थलों के लिए 400 करोड़.रुपये प्रस्तावित किए। अयोध्या व मथुरा के लिए क्रमशः 150-125 करोड़.रुपये तथा नैमीषारण्य के लिए सौ करोड़.की व्यवस्था प्रस्तावित है। मलिन बस्तियों के विकास के लिए 400 करोड़.व अर्बन फ्लड़ स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को हजार करोड़, स्मार्ट सिटी योजना को 450 करोड़, बेसहारा पशुओं के आश्रय के लिए 450 करोड़.रुपये का ऐलान किया। देश के अन्य राज्यों की खुद के कर प्राप्तियों में उप्र का अंश 2024-25 में 11.6प्र. रहा, जो महाराष्ट्र के बाद सर्वाधिक है। चूंकि जनवरी 24 से दिसम्बर 24 के दरम्यान राज्य में 65 करोड़. से ज्यादा पर्यटक आए। जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख बताई जा रही है। इसी माह केवल महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वालों की संख्या 54 करोड़. आंकी जा रही है। इस सबसे सरकार को होने प्राप्त वाले जीएसटी, राजस्व व अन्य करों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मंदिरों को चढने वाले चढावे में राम मंदिर तीसरे स्थान पर आ चुका है। ऊर्जा, लिंक-एक्सप्रेस-वे, सड़कों व पुलों के निर्माण के लिए बजट में विशेष प्रावधान करने के पीछे सरकार की मंशा आम नागरिक को प्रभावित करने की भी है। हालांकि कृत्रिम मेधा व साइबर सुरक्षा को 5 व 3 करोड़.रुपये देने के ऐलान ने स्पष्ट किया कि सरकार कुछ मामलों में सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। इन आठ सालों में सड़कों की स्थिति बेहतर हुई है, मगर सरकार के पास वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव व सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कोई स्कीम नहीं है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, पुलों व मेट्रो के निर्माण के चलते शहरों/महानगरों की व्यवस्था चरमरा जाती है। शिक्षा-व्यवस्था, छात्रों व बेरोजगारों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार को बेहतर कदम उठाने होंगे। हर सेक्टर को धन मुहैया कराने की आंकड़ेबाजी तो बस रवायत है। इसका असर निचले स्तर पर व्यावहारिक तौर पर नजर भी आना जरूरी है। ?

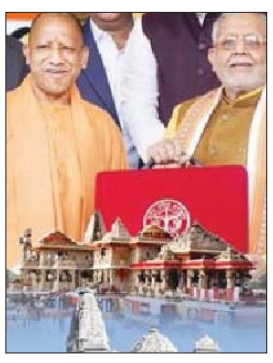

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

अश्लीलता एक बहाना, सोशल मीडिया पर है रोक लगाना

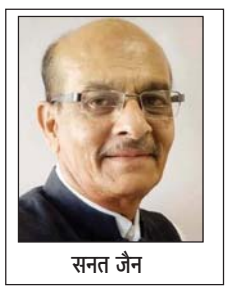

सनत जैन

डिजिटल सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर अश्लीलता और हिंसा दिखाए जाने की शिकायतों को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जल्द ही सोशल मीडिया पर नकेल कसने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए सरकार नया कानून बनाने जा रही है। इस बार सरकार को कोर्ट का भी सहारा मिलने जा रहा है। रैना के यूट्यूब कार्यक्रम इंडियाज गोट लेटेंट में रणवीर इलाहाबदिया की अभद्र टिप्पणियों को लेकर देशभर में इस तरह के कार्यक्रमों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जिस तरह से अश्लील वीडियो अपलोड किए जा रहे हैं, उसको लेकर भी आम जनता में रोष है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय ने अश्लीलता और हिंसक वीडियो को रोकने के लिए केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सरकार के लिए यह मौका है, जब सोशल मीडिया को नियंत्रित करने के लिए कानून को अपनी मनमर्जी से पास करा सकती है। इसके पहले भी सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर सेंसरशिप लगाने के प्रयास किए गए थे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नियंत्रण को लेकर विरोध के कारण सरकार को तब सफलता नहीं मिली थी। अब खुद न्यायालय द्वारा सरकार से सोशल मीडिया के इस तरह के प्लेटफार्म पर कानून बनाने और उस पर नियंत्रण करने की बात कही गई है। इससे केंद्र सरकार को एक नया मौका मिल गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह मामला संसदीय समिति की ओर भेज कर समाज में बढ़ रही हिंसा, यूट्यूब, गूगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म के लिए कानून बनाने के लिए समिति से सलाह मांगी है। सोशल मीडिया के जरिए किस तरह से संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है, इसको रोकने के लिए कानून में क्या प्रावधान किए जाएं? इसको लेकर सरकार का सूचना प्रसारण मंत्रालय सक्रिय हो गया है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म में हो रहीं सरकार की आलोचनाओं तथा सोशल मीडिया में आम नागरिक पत्रकार बनकर वीडियो डालकर जो सत्य उजागर कर रहा है। इससे सरकार और प्रशासन की मुश्किलें बढ़ रही हैं। सरकार सोशल मीडिया पर सबको रोकना चाहती है। हाल ही में महाकुंभ और दिल्ली की रेलवे स्टेशन में जो भगदड़ की घटनाएं हुई हैं। नागरिकों ने घटना के जो वीडियो बनाए थे। वह सोशल मीडिया में डाल दिए। जिसके कारण केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और रेल मंत्रालय को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है। जवाबदेही भी तय होने लगी है। पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया को सरकार ने पूरी तरह से अपने नियंत्रण में ले लिया है। सोशल मीडिया पर सरकार कोई नियंत्रण नहीं बना पा रही है। सरकार को लग रहा है, इससे अच्छा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। इस समय सुप्रीम कोर्ट में रणवीर इलाहाबदिया की अवैध टिप्पणियों को लेकर जन मानस में रोष है। सुप्रीम कोर्ट भी नाराज है। ऐसी स्थिति मे सरकार जो कानून बनाने जा रही है, उसके बारे में कहा जा रहा है कि सरकार सोशल मीडिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के लिए, इस तरह के प्रावधान लेकर आ रही है। जिसमें नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सरकार के नियम और कानूनो के अधीन हो। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आम नागरिकों को नियंत्रित किया जा सके। सरकार की मर्जी से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वही उपलब्ध हो जो सरकार चाहती है। बहरहाल इस बार रणवीर इलाहाबादियां ने डिजिटल प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करने के लिए सरकार के लिए एक नया रास्ता खोल दिया है। सरकार को लगता है कि इस बार डिजिटल बिल को लेकर न्याय पालिका का संरक्षण सरकार को मिलेगा। जिस तरह से मैन स्ट्रीम मीडिया में सरकार के खिलाफ कुछ भी उजागर नहीं किया जाता है। मेन स्ट्रीम मीडिया पर सरकार ने पूरी तरह से नियंत्रण कर चुकी है। वही स्थिति आगे चलकर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म की ना हो जाए। यह आशंका गहराने लगी है। रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर जो वीडियो दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ के हैं, उन्हें कानून व्यवस्था की स्थिति का आधार बनाकर वीडियो हटाने के निर्देश दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार जो नया कानून लाने जा रही है। उसके लिए सभी को सजग रहने की जरूरत है। हुआ- हुआ, या कौवा कान ले गया, के चक्कर में कहीं हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त न हो जाए। इस बात पर ध्यान रखने और सजग रहने की जरूरत है।

वैश्विकी : ट्रंप का तूफानी एक महीना

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल को अभी केवल एक महीना हुआ है, लेकिन इसी अवधि में लगता है कि दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है।

इस नये कार्यकाल की शुरूआत में ट्रंप प्रशासन ने जो फैसले किए हैं उससे अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। सब कुछ इतनी तेज रफ्तार से हो रहा है कि अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश सकते में हैं। विरोधी देश भी आशंका के साथ ट्रंप के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं।

पहले कार्यकाल की तुलना में इस बार ट्रंप के पास एक मजबूत कैबिनेट या टीम है। उन्होंने जिन लोगों को सहयोगी के रूप में चुना है उन्हें लेकर काफी विवाद की स्थिति रही। पहले यह लग रहा था कि राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख के रूप में तुलसी गबार्ड और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रमुख के रूप में काश पटेल की नियुक्ति को सीनेट खारिज कर सकती है। इन सारे विरोध के बावजूद इन दोनों व्यक्तियों की नियुक्ति पर सीनेट की मुहर लग गई। यह कहा जा सकता है कि ट्रंप की विदेश नीति के निर्धारण में तुलसी गबार्ड की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। तुलसी बार-बार यह कह चुकी हैं कि ट्रंप शांति के पक्षधर राष्ट्रपति होंगे। वह नया युद्ध शुरू करने के बजाय मौजूद संघर्ष को समाप्त करने के लिए निर्णायक पहल करेंगे। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका रूस के बीच वार्ता भी इसी लक्ष्य से प्रेरित है। इस संदर्भ में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को लेकर जैसा उपहास किया हुआ वह उनकी चिर-परिचित शैली के अनुरूप है। लेकिन यह निश्चित है कि शुरू आती दौर में ही ट्रंप ने अपनी विदेश नीति के रूपरेखा तय कर दी है।

यदि यह जारी रही तो दुनिया पहले की तुलना में अधिक शांतिपूर्ण और स्थिरता वाली होगी। आश्चर्यजनक रूप से ट्रंप चीन के खिलाफ भी संयत रवैया अपनाए हुए हैं। अमेरिका में शक्तिशाली से सैन्य उद्योग और हथियारों के कारोबारी ट्रंप की नीतियों के संदर्भ में अपने नफा-नुकसान का लेखा-जोखा ले रहे हैं। वे ट्रंप को अपना रास्ता बदलने के लिए बाध्य कर सकेंगे या नहीं यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। घरेलू मोर्चे पर हालात दुरुस्त करने की जिम्मेदारी काश पटेल पर है। उन्हें डोनाल्ड ट्रंप का बाहुबली माना जाता है। उनकी तुलना अभी से एफबीआई के ह्यसर्वशक्तिमानह्ल प्रमुख एडगर हूबर से की जा रही है। हूबर करीब 50 वर्षों तक खुफिया एजेंसी के प्रमुख रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान 6 राष्ट्रपति आए और गए। हूबर इतने शक्तिशाली थे कि राष्ट्रपति भी उनसे खौफ खाते थे। काश जैसे कम उम्र और कम अनुभवी व्यक्ति की तुलना हूबर से किया जाना बहुत कुछ बयां करता है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ही नहीं बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के असंतुष्ट नेता भी काश पटेल से भयभीत हैं। इतना ही नहीं सीएनएन और वाशिंगटन पोस्ट जैसे मीडिया संस्थानों के नामी-गिरामी पत्रकार भी चिंतित हैं। काश पटेल पहले ही यह ऐलान कर चुके हैं कि ट्रंप के खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले मीडिया संस्थानों और पत्रकारों की खबर ली जाएगी। लेकिन भारत के लिए काश की नियुक्ति एक अच्छी बात है। जेहादी और खालिस्तान समर्थक अमेरिका को सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे आतंकवादियों को नया ठिकाना ढूंढना होगा।

भारत की घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के संबंध में ट्रंप के हालिया बयानों को लेकर राजनीतिक भूचाल सा आ गया है। एलन मस्क की अगवाई वाले सरकार दक्षता विभाग (डीओजीई) ने भारत की चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी करने के लिए करीब 180 करोड रु पये का आवंटन किए जाने का खुलासा किया है। ट्रंप ने यह चौंकाने वाला बयान दिया कि यह धनराशि मोदी के बजाय किसी अन्य व्यक्ति को चुनाव जिताने के लिए थी।

ट्रंप के इस बयान का प्रतिवाद करने के लिए अमेरिका की मीडिया में रिपोर्ट प्रकाशित की जा रही हैं। लेकिन ट्रंप बार-बार अपने इस बयान को दोहरा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए करीब 3 करोड़ डॉलर निर्धारित किए गए। बांग्लादेश में क्या हुआ यह दुनिया के सामने है। विदेशी पैसे के बलबूते तीसरी दुनिया के देशों में अमेरिका ऐसा खेल खेलता रहा है। लगता है ट्रंप टीम इस पर विराम लगाना चाहती है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

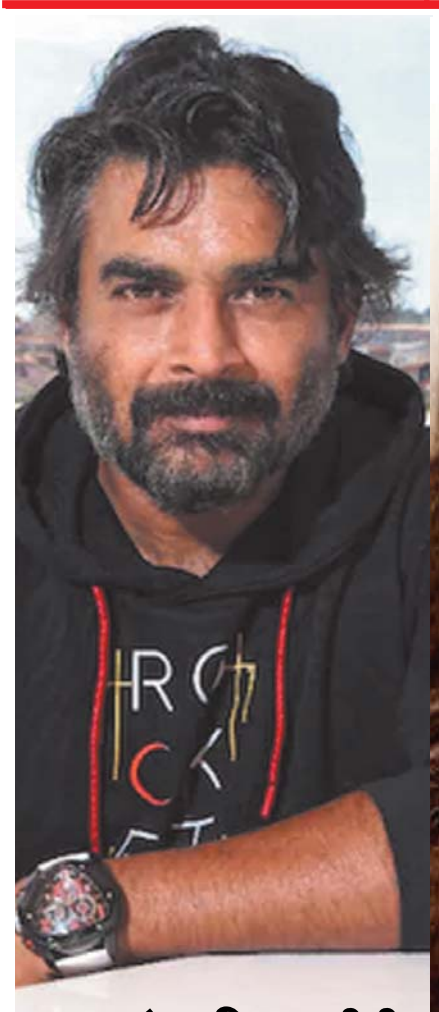

भारत के एडिसन जीडी नायडू का रोल निभाने जा रहे हैं आर. माधवन

आर. माधवन जहां इस वक्त अपनी सीरीज हिसाब बराबर को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं उन्होंने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है और पोस्टर भी शेयर किया है। आर. माधवन अब बायोपिक जीडीएन में नजर आएंगे, जोकि भारत के एडिसन कहे जाने वाले जीडी नायडू की जिंदगी पर आधारित होगी। इस फिल्म में आर. माधवन लीड रोल प्ले करेंगे। आर. माधवन ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वैसे बता दें कि आर. माधवन इससे पहले फिल्म रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट में वैज्ञानिक का रोल प्ले कर चुके हैं। उन्होंने इसके लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। फिल्म में आर. माधवन ने भारतीय वैज्ञानिक नंबी नारायण का किरदार निभाया था, और खूब वाहवाही बटोरी थी।

आर. माधवन ने शुरू की शूटिंग शेयर किया जीडीएन का पोस्टर

आर. माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जीडएन का पोस्टर शेयर किया, और लिखा, आप सभी की शुभकामनाएं और आशीर्वाद चाहिए। फिल्म के पोस्टर में बताया गया है कि इसके इंडिया वाले शेड्यूल की शुरुआत हो चुकी है। फैंस इस फिल्म के लिए एक्साइटेड हो गए हैं और एक्टर को शुभकामनाएं दे रहे हैं। शिल्पा शिरोडकर ने भी आर. माधवन को शुभकामनाएं दी हैं।

जीडीएन में कौन-कौन से सितारे?

इसे कृष्णकुमार रामकुमार डायरेक्टर करेंगे, जो साउथ के डायरेक्टर हैं। जीडीएन में आर. माधवन के अलावा प्रियामणि, योगी बाबू और जयराम नजर आएंगे।

फिल्म जीडीएन गोपालस्वामी दोराइस्वामी नायडू की जिंदगी पर आधारित है। उन्होंने साल 1937 में भारत की पहली इलेक्ट्रिक मोटर का आविष्कार किया था। वह देश के एक नामी वैज्ञानिक थे। इसके अलावा जीडी नायडू ने जूसर, केरोसीन से चलने वाला पंखा, इलेक्ट्रिक रेजर और जूसर का भी आविष्कार किया था। जीडी नायडू को भारत के एडिसन के अलावा मिरैकल मैन भी कहा जाता था। उन्होंने मैकेनिक्स से लेकर इलेक्ट्रिकल इंजीनियकिंग और एग्रीकल्चर के क्षेत्र में अहम योगदान दिया।

मैं यशराज और आदी सर की शुक्रगुजार हूं

भूमि पेडनेकर इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपने करियर में हर रंग की भूमिकाएं की हैं। अपने किरदारों के जरिए महिला मुद्दों को मुखर करने वाली भूमि कई फिल्मों में पत्नी की अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों वे खबरों में हैं अपनी नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी से। इस मुलाकात में पत्नी का रोल निभाने वाली भूमि शादी, विमेन इश्यूज, अपने जीवन के मुश्किल दौर, फिल्म और अपने हीरो अर्जुन कपूर को लेकर खुल कर बातें करती हैं।

आज के दौर में ये भी देखने मिल रहा है कि लोग शादी नहीं करना चाहते, आप मैरिज इंस्टीट्यूशन के बारे में क्या सोचती हैं?

मुझे लगता है कि आज शादी करने के रीजन अलग हो गए हैं। मैं एक लड़की के नजरिए से बता सकती हूं। ऐसा कहा जाता था कि शादी जल्दी करो क्योंकि आपका भविष्य ही शादी है। अब हुआ ये है कि कई लड़कियां आत्मनिर्भर हैं, तो अब ऐसा है कि मैं तो पहले से सेटल हूं, तो अब मुझे जो चाहिए, वो कंपैनियनशिप है। जहां तक मेरी बात है, तो मैं शादी में गहरा विश्वास करती हूं मगर मेरा मानना है कि मैं शादी कंपैनियनशिप के नजरिए से करना चाहूंगी।

क्या आप मानती हैं कि लड़कों की तुलना में लड़कियों पर शादी का प्रेशर ज्यादा होता है?

बिलकुल। अगर आप रेशियो देखने जाएं, तो ये प्रेशर अब भी बहुत ज्यादा होता है। मेरी अपनी सहेलियां हैं, जिन्होंने अर्ली ट्वेंटीज में बहुत यंग एज में शादी कर ली। कइयों की शादियां चली भी नहीं। उन्होंने अपनी शादी में बहुत मुश्किल समय देखा। मगर कई ऐसी भी हैं, जो अपनी मैरिज में बहुत खुश हैं। कइयों ने लेट शादी भी की है और वो भी खुश हैं, तो मुझे लगता है कि इसका सही या गलत जवाब नहीं हो सकता। हर इंडिविजुअल लड़की के लिए शादी अलग हो सकती है क्योंकि हर लड़की की जिंदगी अलग है, उसके सपने अलग हैं। मेरा सिर्फ ये कहना है कि शादी किसी भी लड़की के लिए गले का फंदा नहीं होना चाहिए। शादी में लड़कियों को फ्रीडम मिलनी चाहिए। शादी एक ऐसी संस्था होनी चाहिए जो आपको एम्पावर करे, आपको सक्षम बनाए न कि आपको पीछे खींचे। मगर कहीं न कहीं मुझे लगता है कि आजकल की मॉडर्न लड़कियों में शादी को लेकर एक घबराहट आ गई है।

आपके लिए अब तक का सबसे मुश्किल दौर कौन-सा था?

मुझे लगता है मेरे लिए उससे ज्यादा मुश्किल दौर कोई नहीं हो सकता, जब मैंने अपने पिता को खोया था। ऐसा कठिन वक्त मैं अपनी जिंदगी में दोबारा नहीं देखना चाहूंगी। मेरे पिता कैंसर से चल बसे थे और वो वक्त हमारे परिवार के लिए बहुत ही चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि हम भावनात्मक रूप से टूटे हुए थे, आर्थिक रूप से टूट चुके थे। हम वाकई पूरी तरह से टूट चुके थे और ऐसा होता है, जब परिवार के एक सदस्य को किसी ऐसे असाध्य रोग से गुजरना पड़े। हम तब काफी यंग थे। मगर फिर एक खूबसूरत चीज ये हुई कि मुझे यशराज में नौकरी (असिस्टैंट कास्टिंग डायरेक्टर) मिल गई और उस एक नौकरी ने मेरी जिंदगी बदल दी। उसके लिए मैं यशराज और आदी सर (फिल्मकार आदित्य चोपड़ा) की जितनी भी शुक्रगुजार होऊं, कम है। आज जब पलट कर देखती हूं, तो लगता है कि अगर तब वो नौकरी मेरे पास नहीं होती, तो मैं आज यहां नहीं होती।

आपकी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी एक थिएट्रिकल रिलीज है, तो इस बात को लेकर किसी तरह की घबराहट है?

देखिए, छावा चल रही है। स्काई फोर्स भी चली है और सनम तेरी कसम अपनी री रिलीज में अच्छा-खासा बिजनेस कर रही है। मुझे लगता है, साल का दूसरा महीना चल रहा है और फिल्में चल रही हैं, तो इन फिल्मों से एक ऐसा माहौल बन गया है कि लोग थिएटर आकर फिल्में देख रहे हैं। मैं तो बस यही दुआ करूंगी कि लोग हमारी फिल्म देखने भी आएं। फिल्म के बारे में यही कहूंगी कि यह एक मजेदार एंटेरटेनिंग फिल्म है और इसमें दर्शकों को मजा जरूर आएगा।

सोनाली बेंद्रे और अली फजल पहली बार आए साथ

जल्द होगा शूट शुरू

सोनाली बेंद्रे को पिछली बार वेब सीरीज द ब्रोकन न्यूज में देखा गया था। अब उनके खाते से एक वेब सीरीज जुड़ गई है और खास बात यह है कि इसमें उनके साथ अली फजल भी लीड रोल में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... प्राइम वीडियो एक नई सीरीज लेकर आ रहा है। यह एक ओरिजनल एक्शन थ्रिलर शो होने वाला है, जिसके लिए मिर्जापुर स्टार अली से संपर्क किया गया है। इसमें अली का एक अलग ही अवतार दर्शकों के बीच आएगा। उनका किरदार उनकी पिछली भूमिकाओं से बिल्कुल अलग होने वाला है। इस सीरीज का नाम फिलहाल सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि इसमें खूब एक्शन और ड्रामा देखने को मिलेगा। सोनाली बेंद्रे भी इस सीरीज का हिस्सा होंगी। वह इसमें एक अहम भूमिका निभाने वाली हैं। यह पहला मौका होगा, जब अली और सोनाली परदे पर साथ दिखेंगे। चर्चा है कि सोनाली के साथ काम करने के लिए अली बेहद उत्साहित हैं। सीरीज की शूटिंग शुरू होने वाली है। प्रोसित रॉय ने इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभाली है, जिन्होंने पाताल लोक का निर्देशन किया था और जिन्होंने अनुष्का शर्मा की फिल्म चकदा एक्सप्रेस का भी निर्देशन किया है। ट्रायल बाय फायर, बॉम्बे बेगम्स और आर्या जैसी वेब सीरीज बना चुका एंडेमोल शाइन इंडिया अली और सोनाली अभिनीत इस सीरीज का निर्माण कर रहा है। यह पहला मौका होगा, जब अली और सोनाली किसी प्रोजेक्ट में साथ दिखेंगे।

10 अप्रैल को आएगी राजकुमार स्टारर फिल्म भूल चूक माफ

राजकुमार राव को पिछली बार फिल्म विक्की वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की तारीफ तो हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी। आने वाले समय में राजकुमार एक से बढ़कर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। भूल चुक माफ भी इन्हीं में से एक है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। भूल चुक माफ को 10 अप्रैलको सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना सनी देओल की फिल्म जाट से होगा। बता दें कि भूल चुक माफ के अलावा राजकुमार के पास फिल्म टोस्टर भी है, जिसके निर्देशन की कमान विवेक दास चौधरी ने संभाली है। इसमें उनकी जोड़ी सान्या मल्होत्रा के साथ बनी है। खास बात यह है कि टोस्टर का निर्माण राजकुमार की पत्नी और पत्रलेखा कर रही हैं।

सबा आजाद ने दी पत्रकारिता पर अपनी राय

अभिनेत्री सबा आजाद ओटीटी सीरीज क्राइम बीट में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में सबा एक इनवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट का किरदार निभाने जा रही हैं। ओटीटी प्ले को दिए इंटरव्यू में सबा ने बताया कि क्राइम बीट ने उन्हें पत्रकारिता को लेकर कुछ नया समझने का मौका दिया है। सबा ने कहा कि पत्रकारिता एक बहुत अच्छी फील्ड है, हालांकि यहां काम करने के लिए बहुत जिम्मेदारी से काम करना पड़ता है। इस सीरीज का निर्देशन सुधीर मिश्रा और संजीव कौल ने किया है। पत्रकारिता पर आधारित सीरीज में दिखाया गया है कि कैसे एक गैंगस्टर के प्रभाव के कारण एक पत्रकार के जीवन में बदलाव लाता है। सीरीज में साकिब अली, सबा आजाद के साथ सई ताम्हणकर, आदिनाथ कोठारे और राहुल भट ने भी काम किया है।

सूरज पंचोली ने ली केसरी वीर के लिए की कड़ी ट्रेनिंग

सूरज पंचोली अपनी पहली बायोपिक में वीर हामीरजी गोहिल के ऐतिहासिक किरदार को जीवंत करने जा रहे हैं। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली अभिनीत फिल्म केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ का टीज़र रिलीज़ हुआ। इस फिल्म से नवोदित अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा भी डेब्यू कर रही हैं। सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ने वाले 14वीं शताब्दी के योद्धा के किरदार में ढलने के लिए सूरज ने जबरदस्त शारीरिक बदलाव किया। उन्होंने विशेषज्ञों की देखरेख में तीरंदाजी, तलवारबाजी और सहनशक्ति अभ्यास की गहन ट्रेनिंग ली। अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए सूरज ने कहा, इस किरदार ने मुझे मेरी सीमाओं से परे धकेल दिया। मुझे ताकत, फुर्ती और सहनशक्ति विकसित करनी पड़ी, ठीक वैसे ही जैसे उस युग के योद्धाओं के पास होती थी। तलवारबाजी सबसे चुनौतीपूर्ण रही, क्योंकि मुझे अलग-अलग युद्ध तकनीकों को सीखते हुए हामीरजी गोहिल की लड़ाई शैली की प्रामाणिकता बनाए रखनी थी। यह पूरी यात्रा बेहद संतोषजनक रही। उन्होंने बताया कि एक सशक्त योद्धा में ढलने के लिए उन्होंने महीनों तक तीरंदाजी, तलवारबाजी और सहनशक्ति अभ्यास किया। उन्होंने युद्ध विशेषज्ञों के साथ घुड़सवारी और हाथ से हाथ की लड़ाई जैसी प्राचीन युद्ध तकनीकों को भी बारीकी से सीखा। इस किरदार के लिए सूरज ने कठोर फिटनेस रूटीन अपनाया, जिसमें ताकत और फुर्ती पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि वे एक्शन दृश्यों को वास्तविकता के साथ अंजाम दे सकें। तीरंदाजी में सटीकता, नियंत्रण और श्वास तकनीक महत्वपूर्ण होती है। मैंने सही स्टांस और लक्ष्यभेदन में महारत हासिल करने के लिए हफ्तों तक प्रशिक्षण लिया। लक्ष्य की दूरी बढ़ाते हुए अभ्यास किया ताकि यह मेरे लिए स्वाभाविक हो जाए, जैसे एक योद्धा के लिए होता। तलवारबाजी में हमने पहले लकड़ी की तलवारों से मूलभूत अभ्यास किया, फिर असली हथियारों पर स्विच किया। मैंने हमले, रक्षात्मक ब्लॉक और कोरियोग्राफ़ किए गए द्वंद्व युद्ध सीखे। इसके अलावा, ताकत बढ़ाने के लिए वेट ट्रेनिंग और प्रतिरोधक व्यायाम किए ताकि लंबे समय तक युद्ध दृश्यों को बिना थके अंजाम दे सकूं। सूरज के लिए यह फिल्म उनके करियर का एक बड़ा अवसर है। वीर हामीरजी गोहिल का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है और मैं उनकी विरासत के साथ न्याय करना चाहता हूं। मैंने इससे पहले किसी भी किरदार से इतनी गहराई से जुड़ाव महसूस नहीं किया। हामीरजी गोहिल की वीरता और बलिदान मुझे प्रेरित करते हैं, और मुझे उम्मीद है कि मैं स्क्रीन पर उनकी कहानी को सही ढंग से प्रस्तुत कर पाऊंगा।

फिल्म चुगलखोर बहुरिया की शूटिंग कर रही हैं रानी चटर्जी

भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी आगामी फिल्म को लेकर जानकारी दी है। इतना ही नहीं उन्होंने फिल्म और पर्दे के पीछे की तस्वीर भी शेयर की है। रानी चटर्जी ने बताया कि वे अपनी फिल्म चुगलखोर बहुरिया की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग किसी खेत में होती नजर आ रही है। रानी ने इस बीटीएस वीडियो में हरे रंग की साड़ी पहन रखी है। उनका देसी लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इससे पहले भी उन्होंने इसी फिल्म की कुछ बीटीएस वीडियो शेयर किए थे। इसमें वे पीले रंग की साड़ी में दुल्हन बनीं नजर आ रही थीं। रानी चटर्जी के बहुरिया अंदाज को फैंस ने बहुत पसंद किया।

बुमराह को भारत /पाकिस्तान मैच से पहले आईसीसी पुरस्कारों से किया गया सम्मानित

दुबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रविवार को यहां भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी मैच शुरू होने से पहले आईसीसी के साल 2024 के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिसमें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार भी शामिल है।

बुमराह पीठ में चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। बुमराह को इन दोनों पुरस्कारों के अलावा 2024 के लिए पुरुष टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने के लिए 'टीम कैप (टोपी)' भी सौंपी गई। आईसीसी ने इन चार पुरस्कारों में से प्रत्येक के साथ इस 31 साल के खिलाड़ी की तस्वीरें साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'जसप्रीत बुमराह को शानदार 2024 के लिए आईसीसी पुरस्कार और वर्ष की टीम कैप प्राप्त हुई।'

बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले रविवार को अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के अपने साथियों से भी मुलाकात की थी। बुमराह के लिए पिछला टेस्ट सत्र शानदार रहा था। उन्होंने 13 मैचों में 71 विकेट लिए थे। साल 2024 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास इंग्लैंड के गस एटकिंसन का था। जिन्होंने 11 मैचों में 52 विकेट लिए थे। बुमराह ने 2024 में टेस्ट में 14.92 की औसत से विकेट चटकाये और साल का अंत 30.1 के स्ट्राइक रेट के साथ किया। वह इस दौरान कपिल देव, अनिल कुंबले और रविचंद्रन अश्विन के बाद एक कैलेंडर वर्ष में खेल के पारंपरिक प्रारूप में 70 या अधिक विकेट लेने वाले केवल चौथे भारतीय गेंदबाज बने।

इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल की शुरुआत में घरेलू श्रृंखला में उन्होंने पांच टेस्ट में 19 विकेट लिये जबकि साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने इतने ही टेस्ट मैचों में 32 सफलता हासिल की। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बुमराह टेस्ट में 200 विकेट के आंकड़े तक भी पहुंचे। लाल गेंद से अपने बेजोड़ प्रदर्शन के अलावा, बुमराह ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह इस वैश्विक प्रतियोगिता में 15 विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज बने।

अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड टूटा, कोहली सबसे अधिक कैच लपकने वाले भारतीय बने

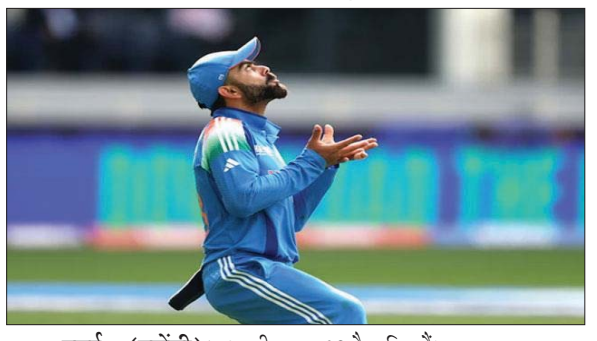

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए मैच में वनडे में सबसे अधिक कैच लेने वाले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 46.4 ओवर में नसीम शाह का कैच लेकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मोहम्मद अजहरुद्दीन का रिकॉर्ड तोड़ा जो इससे पहले वनडे में सबसे ज्यादा कैच लपकने वाले भारतीय थे।

कोहली के वनडे में कुल 158 कैच हो गए हैं जो किसी भी भारतीय क्रिकेटर द्वारा लिए गए दो कैच अधिक हैं। अजहरुद्दीन 156 कैच के साथ लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। इस लिस्ट में तीसरा नम्बर महान बल्लेज सचिन तेंदुलकर का है जिन्होंने वनडे में कुल 140 कैच लपके हैं। चौथे और पांचवें नम्बर पर राहुल द्रविड़ और सुरेश रैना आते हैं जिन्होंने क्रमशः 124 और 102 कैच लिए हैं।

भारत के लिए क्षेत्ररक्षक के रूप में सबसे अधिक कैच (वनडे)

158 विराट कोहली *
156 मोहम्मद अजहरुद्दीन
140 सचिन तेंदुलकर
124 राहुल द्रविड़
102 सुरेश रैना

केवल महेला जयवर्धने (218) और रिकी पोंटिंग (160) ने सभी टीमों में अधिक आउटफील्ड कैच लिए हैं।

मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सऊद शकील (62) के अर्धशतक के बाद खुशदिल शाह 38 रन की पारी की बदौलत 2 गेंदें रहते 10 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। कुलदीप ने तीन विकेट झटके जबकि हार्दिक पांड्या के नाम दो विकेट रहे।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद रोहित का संन्यास लेना तय : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा खेल को अलविदा कह सकते हैं। रोहित ने पहले ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। पिछले कुछ समय से वह एक भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन कर संन्यास लेना रहेगा। उनकी उम्र भी 37 वर्षीय हो गयी है। ऐसे में वह जानते हैं कि भविष्य की योजनाओं में वह शामिल नहीं रहेंगे। जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से भारतीय टीम पहले ही बाहर हो गयी है। अगला आईसीसी एकदिवसीय टूर्नामेंट साल 2027 में है और उसमें अभी ढाई साल साल का समय है तब तक रोहित 40 के करीब हो जाएंगे और उनके लिए टीम में कोई जगह नहीं होगी। इसी को देखते हुए मांजरेकर ने कहा है कि रोहित के लिए चैंपियंस ट्रॉफी अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है।

वह पिछले एक दशक से टीम के सलामी बल्लेबाज रहे हैं पर अब अच्छा दौर समाप्त हो गया है। रोहित ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को आगे बढ़ाने के इरादे से इाल में घरेलू क्रिकेट भी खेला था पर इसके बाद भी उन्हें कोई लाभ होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में पूर्व दिग्गजों का मानना है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनका अंतिम टूर्नामेंट रहेगा। आगे की राह उनके लिए आसान नहीं है। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित ने स्वयं बोर्ड को ये बात बता दी है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के बाद नए कप्तान पर विचार कर करें। मांजरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि साल 2027 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप तक वह रहेंगे। ऐसी संभावना काफी कम है। मांजरेकर ने कहा कि रोहित को अपने दिमाग को खुला रखना चाहिये और ये नहीं सोचना चाहिए कि ये उनका आखिरी प्रदर्शन या कुछ और है। उन्हें इस टूर्नामेंट में बहुत अच्छी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिये।

भारतीय पुरूष टीम ने एफआईएच प्रो लीग में आयरलैंड को 4.0 से हराया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर अपना दबदबा कायम रखते हुए एफआईएच प्रो लीग में शनिवार को रिटर्न चरण के मैच में 4.0 से जीत दर्ज की। भारत की प्रो लीग में आयरलैंड पर यह लगातार दूसरी जीत है। पहले चरण में शुक्रवार को भारत ने 3.1 से जीत दर्ज की थी।

भारत के लिये नीलम संजीप सेस (14वां मिनट), मनदीप सिंह (24वां), अभिषेक (28वां) और शमशेर सिंह (34वां) ने गोल किये। आयरलैंड ने अच्छी शुरूआत करते हुए नौवे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन गोल नहीं हो सका।

नीलम ने 14वें मिनट में अमित रोहिदास के पास पर फील्ड गोल किया। उन्होंने दाहिने कॉर्नर से हवा में आती हुई

गेंद लपकी और दो डिफेंडरों को छकाते हुए शॉट लगाया जो पोस्ट से टकरा गया लेकिन उन्होंने सही पोजिशन से रिबाउंड पर उसे गोल के भीतर डाला।

भारत को 17वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों बार आयरलैंड के गोलकीपर जैमी कार ने नीलम को कामयाबी नहीं मिलने दी। भारतीय टीम कप्तान और ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के बिना खेल रही थी जिन्हें आराम दिया गया था। भारत को 24वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर मनदीप ने अमित रोहिदास की फ्लिक पर वैरिएशन पर गोल किया।

अभिषेक ने चार मिनट बाद भारत की बढत तिगुनी कर दी। मिडफील्ड में उन्होंने गेंद पर कब्जा किया और गेंद मनदीप को सौंपी जिनका शॉट कार ने बचा लिया। रिबाउंड पर गेंद रोहिदास के पास गई जिनका शॉट भी आयरिश गोलकीपर ने बचाया लेकिन अभिषेक ने सही जगह से गेंद को गोल के भीतर डाल दिया। शमशेर ने 34वें मिनट में चौथा गोल किया। भारत ने 58वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर गंवाया लेकिन फिर शानदार बचाव भी किया। अब भारतीय टीम 24 फरवरी को इंग्लैंड से खेलेगी।

हेनरी, गौड़ ने यूपी वारियर्स को सत्र की पहली जीत दिलाई, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरु। चिनेले हेनरी (62) ने टूर्नामेंट के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि क्रांति गौड़ और ग्रेस हैरिस ने चार चार विकेट लिये जिसके दम पर यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 33 रन से हराया। वेस्टइंडीज की हेनरी ने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 62 रन बनाये जिससे यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में दिल्ली की टीम 19.3 ओवर में 144 रन ही बना सके। 21 वर्ष की गौड़ ने दिल्ली के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों शेफाली वर्मा (24), मेग लैनिंग (पांच), जेमिमा रौड्रिग्स (56) और बाद में जेस जोनासेन (पांच) को आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट चटकाये। इससे पहले एक समय पर यूपी के छह विकेट 14 ओवर में 91 रन पर गिर चुके थे। वेस्टइंडीज की दाहिने हाथ की बल्लेबाज हेनरी ने अरूंधति रेड्डी को 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर 18 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने गुजरात जाइंट्स की सोफिया डंकली के रिकॉर्ड की बराबरी की जिन्होंने 2023 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ यह कारनामा किया था। आठवें नंबर पर उतरी हेनरी की इस पारी के दम पर यूपी ने दमदार स्कोर बनाया जबकि उसके विशेषज्ञ बल्लेबाज कुछ कर पाने में नाकाम रहे थे। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की ताजा पिच पर दिल्ली के गेंदबाजों ने यूपी के छह विकेट 89 रन पर निकाल दिये थे। यूपी के लिये किरण नवगिरे ने 20 गेंद में 17 रन बनाये। इससे पहले मरियाने काप ने वृंदा दिनेश (चार) को सस्ते में आउट किया।

सौरव गांगुली की जिंदगी पर बन रही बायोपिक

मुंबई। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की जिंदगी पर बायोपिक बनने जा रही है। फिल्म को लेकर खुद सौरव गांगुली ने यह खुलासा किया है कि उनकी भूमिका कौन निभाने वाला है। मीडिया से चर्चा में उन्होंने बताया कि राजकुमार राव उनकी बायोपिक में लीड रोल हालांकि, फिल्म की शूटिंग और डेट्स को लेकर कुछ अड़चनें हैं, जिसके कारण इसे पूरा होने में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है। सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले हैं और अपने इंटरनेशनल करियर में 18,575 रन बनाए। दादा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने कई यादगार जीत हासिल कीं, जिनमें 2003 का वर्ल्ड कप फाइनल भी शामिल है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसके अलावा, उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीवीएस लक्ष्मण के साथ बीसीसीआई की तकनीकी समिति में भी काम किया। वहीं, अगर राजकुमार राव की फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ वामिका गब्बी लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा, राजकुमार राव 'मालिक' नाम की फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कुमार तौरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। सौरव गांगुली की बायोपिक की आधिकारिक घोषणा और फिल्म की शूटिंग शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है।

रूस की किशोरी मीरा एंड्रीवा ने दुबई ओपन का खिताब जीता

दुबई। रूस की 17 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में क्लारा टौसन को 7-6 (1), 6-1 से हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। इस जीत से एंड्रीवा का अगले सप्ताह विश्व रैंकिंग में पहली बार शीर्ष 10 में शामिल होना सुनिश्चित हो गया है। वह 2007 में निकोल वैदिसोवा के बाद ऐसा हासिल करने वाली पहली 17 वर्षीय खिलाड़ी बन जाएगी। एंड्रीवा ने दुबई चैंपियनशिप में शुरू से लेकर आखिर तक शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फाइनल तक के अपने सफ़र में 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा, पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना को हराया।

खिलाड़ियों को नियमित खेलने के अधिक अवसर मिले: जो रूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में इंग्लैंड का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा, लेकिन टीम लगातार चार वनडे सीरीज हारकर टूर्नामेंट में प्रवेश कर रही है। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की जटिलताओं पर खुलकर बात की है।

रूट का मानना है कि वनडे क्रिकेट में सफलता पाने के लिए खिलाड़ियों को नियमित रूप से खेलने के अधिक अवसर मिलने चाहिए। रूट ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसी दो पारियों के बारे में नहीं सुना जो बिल्कुल एक जैसी रही हों। बल्लेबाजी की कला परिस्थितियों का आकलन करने, दबाव में सही निर्णय लेने और स्थिति के अनुरूप खेलने में है। उनका मानना है कि हर मैच नई चुनौती लाता है और बल्लेबाज को खुद को हर बार नए सिरे से ढालना पड़ता है। इंग्लैंड की वनडे टीम की हालिया विफलताओं के

बावजूद रूट का मानना है कि वह अब भी इस प्रारूप में अधिक सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2023 वनडे विश्व कप में इंग्लैंड का सफर लीग चरण में ही खत्म हो गया था, जिसके बाद उनकी टीम की किस्मत वनडे में गिरावट की ओर गई। इसके बावजूद रूट ने कभी इस प्रारूप को छोड़ने की बात नहीं सोची। उन्होंने कहा, मैंने कभी संन्यास नहीं लिया और न ही यह कहा कि मैं इस प्रारूप में नहीं खेलना चाहता। मुझे लगता है कि किसी भी खिलाड़ी को टीम में चयन का दैवीय अधिकार नहीं होता। आपको अपने प्रदर्शन से इसे साबित करना होता है और यह सुनिश्चित करना होता है कि आप टीम को मजबूत बना रहे हैं, न कि उसे पीछे धकेल रहे हैं।रूट ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 50 ओवर प्रारूप में खेलने और इसमें किस्मत बदलने के लिए अधिक अवसर देने की जरूरत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, आज के समय में खिलाड़ियों को लगातार वनडे खेलने का मौका नहीं मिलता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम सफल नहीं हो सकते। हमें इस प्रक्रिया को गति देने का तरीका खोजना होगा, जिसमें स्मार्ट रणनीति और अनुभवों को साझा करने की भूमिका अहम होगी। जब हम बड़े मैचों में निर्णायक क्षणों तक पहुंचें, तो हमें टीम को जीत दिलाने के लिए तैयार रहना होगा। रूट को भरोसा है कि इंग्लैंड के पास इस प्रारूप में फिर से मजबूत होने की क्षमता है। उन्होंने कहा, हमारे पास सही खिलाड़ी और भरपूर प्रतिभा है। हमें बस अपने खेल को बेहतर तरीके से लागू करने और एक मजबूत मानसिकता के साथ खेलने की जरूरत है।

फीडे महिला ग्रां प्री राउंड 5 में सभी मुकाबले ड्रॉ, जीती बाजी हम्पी के हाथ से निकली

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के पांचवें दौर में सभी पांच मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि खेल में कोई रोमांच नहीं था। खिलाड़ियों ने कई मौकों पर बढ़त बनाई, लेकिन परिणाम ड्रॉ पर खत्म हुए। अब जब एक दिन के विश्राम के बाद छठा राउंड, और भी ज्यादा संघर्षपूर्ण होने की उम्मीद है।

भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शनः हरिका द्रोणावल्ली ने रूस की अलेक्ज़ेंड्रा गोरयाचकिना के खिलाफ रुई लोपेज़ बर्लिन डिफेंस खेला। हालांकि यह ओपनिंग अपनी मजबूत संरचना के लिए जानी जाती है, लेकिन खेल में गहरी रणनीतिक लड़ाई देखने को मिली। हरिका ने कुछ गलतियाँ कीं, जिससे गोरयाचकिना को बढ़त मिल गई थी, लेकिन उनकी हाथी की एक गलत चाल के बाद वह निर्णायक बढ़त नहीं बना सकी। अंततः खेल ड्रॉ पर समाप्त हुआ। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हम्पी का मुकाबला चीन की झोंगयी तान से हुआ, जहां उन्होंने नियो-कैटलन डिफेंस अपनाया। खेल के मध्य में हंपी के पास बढ़त बनाने का मौका था, लेकिन 27वीं चाल मे प्यादे की जगह घोड़े को खेलने से उनका आक्रमण कमजोर पड़ गया। इसके बाद खेल बराबर की स्थिति में चला गया और अंततः अंक बांटने पड़े। पांचवें दौर के अन्य परिणामों में जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ ने कजक्सितान की बिबिसारा असौबायेवा से, मंगोलिया की बटखुयाग मंगुन्तूल ने रूस की कटेरिना लागनो से स्विट्ज़रलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक ने स्पेन की सरासादात खादेमालशरीह से ड्रॉ खेला और फिलहाल 5 राउंड के बाद रूस की पांचवें कटेरिना लागनो 3.5 अंकों के साथ एकल बढ़त पर बनी हुई हैं, जबकि हंपी कोनेरू, सरासादात खादेमालशरीह और बटखुयाग मंगुन्तूल 3 अंकों के साथ उनके निकट बने हुए हैं।

कतर ओपन में दूसरी बार चैंपियन बने आंद्रे रुबलेव

दोहा। आंद्रे रुबलेव ने अपनी मानसिक दृढ़ता का अच्छा नमूना पेश करते हुए जैक ड्रेपर को तीन सेट तक चले फाइनल मुकाबले में 7-5, 5-7, 6-1 से हराकर दूसरी बार कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। रुबलेव ने तीन दिन में तीसरी बार तीन सेट में जीत हासिल की। रूस के इस खिलाड़ी ने इससे पहले अपने पिछले दो मैचों में एलेक्स डी मिनौर और फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे के खिलाफ भी दूसरा सेट गंवा दिया था। रुबलेव ने मैच के बाद कहा, ''मैं मानसिक रूप से वास्तव में मजबूत बना रहा और मैंने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।'' रुबलेव ने इससे पहले 2020 में कतर ओपन का खिताब जीता था। यह पहला टूर्नामेंट है जिसमें वह दूसरी बार चैंपियन बने हैं।

कोहली और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने देना चाहिए: सरफराज अहमद

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना भविष्य तय करने का अधिकार खुद मिलना चाहिए। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट श्रृंखलाओं में हार के बाद कप्तान रोहित और अनुभवी बल्लेबाज कोहली के भविष्य पर सवाल उठने लगे। इन श्रृंखलाओं में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था।

सरफराज ने कहा, 'लोगों को विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। विराट कोहली ने भारत के लिए मुश्किल मैच जीते हैं और मैंने उन मैचों को देखा है। आप कल्पना नहीं कर सकते कि उन्होंने भारत के लिए किस तरह का प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता।'

पाकिस्तान के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि विराट और रोहित सही समय आने पर क्रिकेट को अलविदा कह देंगे, लेकिन तब तक भारत को अपनी टीमें 'उनके आसपास' बनानी चाहिए। सरफराज ने कहा, 'उन्हें खेलने दें और उन्हें तय करने दें कि वे क्या करना चाहते हैं। आपको उनके आसपास ही अपनी टीम बनानी चाहिए। जिस तरह से उन्होंने टी 20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा उसी तरह से वे अन्य प्रारूपों में भी करेंगे। आपको उन्हें हटाकर टीम नहीं बनानी चाहिए, आपको उन्हें शामिल करके टीम बनानी चाहिए।'

सरफराज ने कहा कि पाकिस्तान को भी इसी तरह बाबर आजम को केंद्र में रखकर टीम तैयार करनी चाहिए। पूर्व कप्तान बाबर भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में हालांकि महज 23 रन पर आउट हो गए। उन्होंने कहा, 'बाबर आजम एक अलग खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें (पाकिस्तान) टीम को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि बाबर आजम भारत के लिए विराट कोहली की तरह पूरे 50 ओवर खेल सकें। वह शुरुआत में समय लेते हैं और फिर खेल को आगे बढ़ाते हैं।'

उन्होंने कहा, 'उनका (बाबर का) लक्ष्य किसी पर क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर तक खेलने का होना चाहिए। उनके साथ मौजूद दूसरे बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का जिम्मा उठाना चाहिये। सरफराज ने कहा कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए थी। उन्हें पाकिस्तान के लोगों से काफी प्यार और सम्मान मिलता। उन्होंने कहा, 'मैं आपसे पाकिस्तानी लोगों

का सामान्य दृष्टिकोण साझा करना चाहूंगा। वे भारतीय टीम को पाकिस्तान में देखना चाहते हैं। पाकिस्तान के लोग भारत और उनके क्रिकेटरों से बहुत प्यार करते हैं और वे उनका बहुत सम्मान करते हैं।'

फीडे महिला ग्रां प्री : कटेरिना लागनो की शानदार जीत बनाई एकल बढ़त

मोनाको। फीडे महिला ग्रां प्री 2024-25 के चौथे दौर में रूस की कटेरिना लागनो ने धमाकेदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में एकल बढ़त हासिल कर ली है। इस दौर में चार मुकाबले ड्रॉ रहे, जबकि इस दौर की एकमात्र निर्णायक बाजी रूस की कटेरिना लागनो और जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ के बीच हुई। लागनो ने क्वींस गैम्बिट डिक्लाइंड ओपेनिंग में एक नयी चाल चली, जिससे खेल में शुरुआती बढ़त मिली। खेल के मध्य में एक प्यादे के बलिदान ने काले की रक्षात्मक रणनीति को कमजोर कर दिया इसके बाद पैहत्ज़ को लगातार समय संकट का सामना करना पड़ा और 27वीं चाल के बाद उन्होंने निर्णायक गलती कर दी, जिसके बाद लागनो ने खेल जीतकर टूर्नामेंट में शीर्ष पर पहुंच गईं। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और स्विट्ज़रलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक के बीच हुआ मुकाबला सेमी-स्लाव ओपनिंग के साथ शुरू हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने बेहद सटीक खेल दिखाया, जिसमें हंपी ने शुरुआती बढ़त बनाई और 9वीं चाल तक उनके पास 20 मिनट का समय लाभ था। हालांकि, स्थिति संतुलित होने के बाद खेल ड्रॉ की ओर बढ़ गया। इसे ड्रॉ के साथ हम्पी अब 2.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गयी है।

संक्षिप्त समाचार

रुश्दी पर हमला करने वाला व्यक्ति हत्या के प्रयास का दोषी पाया गया

न्यूजर्सी , एजेंसी। न्यूजर्सी के एक व्यक्ति को 2022 में न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से कई बार हमला करने के मामले में शुक्रवार को हत्या के प्रयास का दोषी पाया गया है। चौटाउक्वा काउंटी अदालत में सुनवाई के बाद लगभग दो घंटे तक चली बहस के बाद न्यायधीशों ने 27 वर्षीय हादी मतार को दोषी पाया। मतार ने 12 अगस्त, 2022 को रुश्दी के संबोधन के दौरान 'चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन' के मंच पर पहुंचकर दर्शकों के सामने रुश्दी पर 10 से ज्यादा बार चाकू से हमला किया था। इस हमले में 77 वर्षीय पुरस्कार विजेता उपन्यासकार की एक आंख की रोशनी चली गई थी। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया था। मतार को 25 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

मुख्य न्यायाधीश ने इमरान खान की पार्टी से न्यायिक सुधारों का समर्थन मांगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी ने शुक्रवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से देश में न्याय के बेहतर प्रशासन के लिए न्यायिक सुधारों का समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्य न्यायाधीश ने पीटीआई प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान बताया कि वे न्यायिक सुधारों पर राष्ट्रीय स्तर पर परामर्श कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि न्यायिक सुधारों का समर्थन दोनों प्रमुख दलों को मिलना चाहिए।

ओवल ऑफिस से हटाई गई 145 साल पुरानी मेज

ओवल, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नए डेस्क के साथ ओवल ऑफिस की एक तस्वीर साझा की। यहा घटनाक्रम तब सामने आया है जब अरबपति एलन मस्क अपने बेटे एक्स को ओवल ऑफिस लेकर आए थे। इस दौरान एक्स अजीबोगरीब आवाजें निकालने से लेकर नाक पोंछने तक, राष्ट्रपति के रेसोल्यूट डेस्क के करीब खड़े होकर सुर्खियां बटोरीं। अब, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रतिष्ठित 145 साल पुराने डेस्क को सीएंडओ डेस्क से बदल दिया है। उन्होंने इसे अस्थायी बदलाव कहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर नए डेस्क के साथ ओवल ऑफिस की एक तस्वीर साझा की। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि डेस्क को एक्स के नाक साफ करने की घटना के कारण बदला गया है या नहीं। वहीं पोस्ट से जुड़े नोट में लिखा था, %चुनाव के बाद राष्ट्रपति को 7 में से 1 डेस्क चुनने का मौका मिलता है। यह डेस्क, सी एंड ओ, जो बहुत प्रसिद्ध है और जिसका इस्तेमाल राष्ट्रपति जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश और अन्य लोगों ने किया था, को व्हाइट हाउस में अस्थायी रूप से स्थापित किया गया है।

पाकिस्तान ने कटासराज मंदिर दर्शन के लिए 154 भारतीय तीर्थयात्रियों को दिए वीजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान उच्चायोग ने शुक्रवार को कहा कि उसने देश के पंजाब प्रांत में स्थित श्री कटासराज मंदिर के दर्शन के लिए 154 भारतीय तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने कहा कि उसने तीर्थयात्रियों के एक समूह को चकवाल जिले में स्थित पवित्र श्री कटास राज मंदिर की यात्रा के लिए ये वीजा जारी किए। यात्रा 24 फरवरी से 2 मार्च तक चलेगा। 1974 के पाकिस्तान-भारत प्रोटोकॉल के तहत, प्रत्येक वर्ष हजारों भारतीय तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक उत्सवों में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाते हैं।

पोप फ्रांसिस की हालत गंबीर, लेकिन जान का खतरा नहीं

रोम , एजेंसी। पोप फ्रांसिस की तबियत को लेकर डॉक्टरों के बयान सामने आया है। उनका कहना है कि हालत अभी भी गंभीर है, लेकिन उनकी जान को खतरा नहीं है। 88 वर्षीय पोप को क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और निमोनिया के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। वे अब तक एक सप्ताह से अधिक समय से अस्पताल में हैं और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार, पोप को कभी-कभी ऑक्सीजन की खुराक दी जा रही है और उन्हें निमोनिया के लिए मजबूत दवाइयाँ दी जा रही हैं। उनकी स्थिति को लेकर डॉक्टरों ने कहा कि वे अगले पूरे सप्ताह तक अस्पताल में ही रहेंगे। पोप फ्रांसिस की स्थिति पर चर्चा करते हुए कुछ कार्डिनल्स ने यह सवाल उठाया कि अगर उनका स्वास्थ्य और बिगड़ता है तो क्या वह इस्तीफा देंगे। हालांकि, पोप फ्रांसिस ने हाल ही में कहा था कि वह इस बारे में विचार करेंगे, लेकिन उन्होंने अब तक इस्तीफे के कोई संकेत नहीं दिए हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हुए सर्बिया के लोग

बेलग्रेड , एजेंसी। बाल्कन देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ बदलाव के लिए हजारों लोग सर्बिया की राजधानी में सड़कों पर उतरे। उन्होंने पांच टुकड़ियों में संगठित होकर मार्च निकाला। इस दौरान नाकेबंदी के चलते छात्रों को हमलों का सामना भी करना पड़ा। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूसिक के अधिकारियों ने उन पर मार्च खत्म करने का दबाव बनाया। गत वर्ष नवंबर में एक कंक्रीट छतरी के ढहने से 15 लोगों की मौत के बात हड़ताली छात्र लगातार हड़ताल कर रहे हैं।

ओडिशा विश्वविद्यालय के 159 छात्र नेपाल लौटे, अमानवीय व्यवहार का दावा किया

काठमांडू , एजेंसी। ओडिशा के एक विश्वविद्यालय में नेपाल की एक छात्रा के कथित तौर पर आत्महत्या करने और कॉलेज प्रशासन की ओर से नेपाली छात्रों को छात्रावास खाली करने का आदेश दिए जाने के कुछ दिन बाद 159 छात्र रक्सौल सीमा के रास्ते नेपाल वापस आ गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। परसा के सहायक मुख्य जिला अधिकारी सुमन कुमार कार्की ने बताया कि रक्सौल सीमा से बृहस्पतिवार शाम तक 159 नेपाली छात्र वापस लौटे।

ओडिशा के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में बीटेक (कम्प्यूटर साइंस) की तृतीय वर्ष की छात्रा प्रकृति लम्साल (20) ने 16 फरवरी को अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद छात्रों ने प्रदर्शन किया था। ओडिशा के केआईआईटी में नेपाल के लगभग 1,000 छात्र पढ़ते हैं। काठमांडू में 'रिपोर्टर्स क्लब' में मीडिया से बात करते हुए नेपाल लौटे छात्रों के एक समूह ने कहा कि कॉलेज के छात्रावास में नेपाली छात्रा की मौत के बाद उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया।

छात्रों ने कहा, प्रकृति लम्साल की रहस्यमयी मौत के बाद, हमारे साथ दुर्व्यवहार व अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय के शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की मौजूदगी में सुरक्षा कर्मियों ने हमारी पिटाई की और हमें तुरंत छात्रावास खाली करने को कहा। छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद वे कॉलेज लौटने में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कॉलेज द्वारा दिए गए आश्वासन के बावजूद पढ़ाई के लिए कोई सुरक्षित और अनुकूल माहौल नहीं था। उन्होंने कहा कि प्रकृति लम्साल की मौत की उचित जांच होनी चाहिए और पीड़ित छात्रों को न्याय मिलना चाहिए। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने बृहस्पतिवार को बताया था कि सरकार ने नेपाली छात्रा की मौत से उत्पन्न मुद्दे को राजनयिकों के माध्यमों से सुलझा लिया है। देउबा ने ओमान से आने के बाद त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''नेपाल सरकार ने ओडिशा स्थित केआईआईटी में नेपाली छात्रा की मौत से जुड़ी मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए इसे राजनयिक माध्यमों से हल कर लिया है।

जर्मनी में प्रवासी के तौर पर आए अनेक लोग रविवार को पहली बार देंगे वोट

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में पांच लाख से अधिक नए नागरिकों को इस सप्ताह के अंत में राष्ट्रीय चुनाव में पहली बार मतदान करने का अवसर मिलेगा। इन नए नागरिकों में से लगभग एक तिहाई मूल रूप से सीरिया से हैं। इनमें से ज़्यादातर ने पिछले दशक में युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक कठिनाई से बचने के लिए अपना घर छोड़ दिया था। अकेले 2015-2016 में 10 लाख से अधिक प्रवासी जर्मनी आए जिनमें से अधिकतर सीरिया से आए। इनमें अफगानिस्तान और इराक से पहुंचे प्रवासियों की संख्या भी काफी अधिक है। देश के संघीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, वर्ष 2021 में हुए पिछले राष्ट्रीय चुनाव के बाद से जर्मनी में नागरिकता प्राप्त करने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। 2021 और 2023 के बीच पांच लाख से अधिक लोगों को नागरिकता दी गई। यद्यपि 2024 के आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन विशेषज्ञों का अनुमान है कि पिछले वर्ष जर्मनी में ढाई लाख से अधिक लोगों को नागरिकता दी गई। रविवार को जर्मनी में पहली बार मतदान करने वाले अनेक नए नागरिकों ने अपने मताधिकार के बारे में उत्साह, बदलाव की आशा तथा सशक्तीकरण की भावना व्यक्त की है। कुछ लोग अति-दक्षिणपंथी, आप्रवासी-विरोधी, अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) पार्टी के उदय से चिंतित हैं।

अमेरिका के लुइसविले में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

लुइसविले, एजेंसी। अमेरिका के लुइसविले में शुक्रवार को एक मोटर वाहन कार्यालय में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी है। लुइसविले मेट्रो पुलिस विभाग के मेजर डोनाल्ड बोकेमैन ने इस हत्याकांड के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों को वहां एक व्यक्ति को मृत अवस्था में और दो अन्य घायल अवस्था में मिले। जिसके बाद दोनों घायलों को अस्पतालों में ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि जनता को कोई खतरा नहीं है।

हवाई बीच रिसॉर्ट में गैस विस्फोट से सात लोग घायल

होनोलूलू ओअहू , एजेंसी। हवाई के एक बीच रिसॉर्ट में गुरुवार रात को एक संदिग्ध गैस विस्फोट हुआ, जिसमें सात लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना काआनापाली बीच के द व्हेलर रिसॉर्ट के ग्रिल क्षेत्र में हुई, जो एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। रिसॉर्ट, जो होटल, टाइमशेयर और रेंटल प्रॉपर्टीज से घिरा हुआ है, लाहिना शहर के उत्तर में कुछ मील दूर स्थित है, जो 2023 के घातक जंगल की आग में लगभग पूरी तरह जल गया था। माउी पुलिस विभाग के अनुसार, विस्फोट के बाद आसपास के क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की निकासी की आवश्यकता नहीं पड़ी। प्रारंभिक जांच में यह संभावना जताई गई कि विस्फोट में रिसॉर्ट के सामान्य क्षेत्र में बैकयार्ड ग्रिल्स के लिए उपयोग होने वाली लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस शामिल थी। पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्तियों की उम्र 18 से 74 साल के बीच थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए इलाके के वीडियो में एक विस्फोट होता हुआ दिख रहा है, जो स्विमिंग पूल के पास हुआ और मलबा समुद्र तट के पास फैल गया था।

ट्रम्प ने सबसे बड़े मिलिट्री अफसर को हटाया

अश्वेत जनरल ने 2020 में ब्लैक लाइव्स मैटर को सपोर्ट किया था, 5 और रक्षा अधिकारी बर्खास्त

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार रात देश के सबसे बड़े मिलिट्री अफसर को अचानक हटा दिया। इस अफसर का नाम चार्ल्स सी क्यू ब्राउन जूनियर है, जो सेना के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के चेयरमैन थे। जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ अमेरिका के रक्षा विभाग के सबसे सीनियर मिलिट्री लीडर्स का ग्रुप है। यह ग्रुप राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, होमलैंड सिक्योरिटी काउंसिल और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल को सैन्य मामलों पर सलाह देता है।

सी क्यू ने 2020 में ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन का सार्वजनिक तौर पर समर्थन किया था। यह आंदोलन अश्वेत शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के बाद शुरू हुआ था। तब सी क्यू एयरफोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ थे। उस वक्त ट्रम्प राष्ट्रपति के पद पर थे। ट्रम्प के 2020 चुनाव में हुई हार के पीछे इस आंदोलन की बड़ी भूमिका मानी जाती है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चार्ल्स सी क्यू ब्राउन जूनियर के अलावा रक्षा विभाग के 5 और अफसरों को निकाला गया है।

सी क्यू के अलावा 5 अफसर और बर्खास्त : सी क्यू के अलावा 5 और पेंटागन अफसर बर्खास्त हुए हैं। इनमें पहली बार नौसेना की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला अफसर एडमिरल लिसा

फ्रैंचेटी, एयर फोर्स के डिप्टी चीफ जेम्स स्लाइफ के अलावा आर्मी, एयरफोर्स और नेवी के 3 टॉप वकील शामिल हैं। फिलहाल इनके नामों का खुलासा नहीं हुआ है।

अमेरिका में सरकार बदलने पर जेसीएस चेयरमैन नहीं बदला जाता अमेरिका में सरकार बदलने के बाद जेसीएस के चेयरमैन को बदलने का चलन नहीं है। वह चार का कार्यकाल पूरा करता है और दोनों प्रशासन के बीच पुल का काम करता है। लेकिन सी क्यू सिर्फ 16 महीने ही पद पर रह पाए। उन्हें 1 अक्टूबर 2023 को यह पद सौंपा गया था। सी क्यू अमेरिकी सैन्य इतिहास में दूसरे ब्लैक अफसर थे जो इस पद तक पहुंचे थे। वे 4 स्टार लड़ाकू फाइटर हैं।

ट्रम्प ने अपने खास अफसर दी जिम्मेदारी : सी क्यू की जगह रिटायर्ड 3 स्टार वायु सेना जनरल डैन केन को जेसीएस चेयरमैन पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ट्रम्प और डैन केन की मुलाकात 2018 में इराक में हुई थी। तब केन ने कहा था कि वे ट्रम्प के लिए जान भी दे सकते हैं। ट्रम्प इससे काफी खुश हुए थे। ट्रम्प ने बाद में आरोप लगाया कि उनकी वजह से बाइडेन ने डैन केन का प्रमोशन नहीं किया। वे 4 स्टार अफसर बनने के काबिल थे।

रक्षा मंत्री ने हटाने का दिया था संकेत : अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पद संभालने से पहले नवंबर में सी क्यू ब्राउन को हटाने का संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि अमेरिकी सेना में विविधता और समानता को खत्म करना होगा और सबसे पहले जॉइंट चीफ स्टाफ चेयरमैन को बर्खास्त करना होगा। अब सी क्यू की बर्खास्तगी के बाद इसे उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है।

बेंजामिन नेतन्याहू भड़के तो हमास ने मान ली गलती, इजरायल को सौंपा शिरी बिबास का असली शव

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल और हमास में युद्धविराम के समझौते के तहत हमास ने गुरुवार को चार शव इजरायल को सौंपे थे। इसके बाद इजरायल ने दावा किया था कि हमास ने शिरी बिबास की जगह किसी गाजन महिला का शव भेज दिया है। बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। इसके बाद हमास नए अपनी गलती मानते हुए शिरी बिबास का असली शव अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति (आईसीआरसी) के हवाले किया है। अब इसे इजरायली सेना को सौंपा जाएगा। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। इससे पहले इजरायली अधिकारियों ने पाया कि गुरुवार को हमास द्वारा लौटाया गया शव शिरी बिबास का नहीं था। अधिकारी ने बताया कि इजरायली हवाई हमलों के कारण हुई अराजकता के कारण शवों की पहचान गलत हो गई। उन्होंने कहा, यह अनजाने में हुई गलती थी क्योंकि शिरी का शव उस क्षेत्र पर इजरायली हमलों के कारण अन्य शवों के साथ मिल गया था, जहां वह था। हमास की सशस्त्र शाखा अल-क़स्साम ने गुरुवार को चार इज़रायली

बंधकों के अवशेषों को संभवतः शिरी बिबास, उनके दो बेटे एरियल और केफिर, साथ ही सेवानिवृत्त पत्रकार ओडेड लिफ़्शिट्ज़ को आईसीआरसी के माध्यम से वापस इज़रायल भेज दिया। चारों बंधकों का सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इज़रायल पर हमास के हमले के दौरान गाजा में अपहरण कर लिया गया था।

हालांकि बाद में गुरुवार को चार शवों पर फोरेंसिक विश्लेषण करने के बाद इज़रायली अधिकारियों ने घोषणा की कि शुरू में माना जा रहा शव शिरी बिबास का था जो उसके डीएनए से मेल नहीं खाता। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को धमकी दी कि इज़रायल शिरी के शव को सौंपने में विफलता के लिए हमास से बदला लेगा। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमास समझौते के इस क्रूर और बुरे उल्लंघन की पूरी कीमत चुकाए।

एपी ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए ट्रंप प्रशासन के तीन अधिकारियों पर किया मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी। समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) ने राष्ट्रपति के कार्यक्रमों तक उसकी पहुंच बाधित करने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के तीन अधिकारियों पर शुक्रवार को मुकदमा दायर किया। दरअसल, अमेरिका ने हाल में 'मेक्सिको की खाड़ी' का नाम बदलकर 'अमेरिका की खाड़ी' रखने का आदेश जारी किया था लेकिन 'एपी' ने कहा था कि वह 'मेक्सिको की खाड़ी' नाम का ही इस्तेमाल करना जारी रखेगा।

उसका कहना है कि दुनिया भर में समाचार प्रसारित करने वाली एक वैश्विक समाचार एजेंसी के रूप में उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्थानों के उन नाम का इस्तेमाल किया जाए जिन्हें लोग आसानी से पहचान सकें। इसके बाद, अमेरिका ने 'एपी' के पत्रकारों को कई सरकारी कार्यक्रमों को कवर करने से रोक दिया था। 'एपी' के पत्रकारों की सरकारी कार्यक्रमों तक पहुंच को बाधित करने के अमेरिकी प्रशासन के फैसले के खिलाफ मुकदमा शुक्रवार दोपहर वाशिंगटन में अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर किया गया। यह मामला ट्रंप द्वारा नामित अमेरिकी जिला न्यायाधीश ट्रेवर मैकफैडेन को सौंपा गया है। 'एपी' ने कहा कि 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) द्वारा भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करने के असंवैधानिक प्रयास के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज किया गया है।

'एपी' ने अपने मुकदमे में कहा, ''प्रेस एवं अमेरिका के सभी लोगों को अपने शब्द चुनने का अधिकार है और सरकार को उनसे प्रतिशोध नहीं लेना चाहिए।'' इस मुकदमे में 'व्हाइट हाउस' की 'चीफ ऑफ स्टाफ' सुजैन विल्स, 'डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ' टेलर बुडोविच और प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का नाम शामिल है।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर चीफ गेस्ट होंगे पीएम मोदी, घोषणा होते ही तालियों से गूंज उठी वहां की संसद

पोर्ट लुइस, एजेंसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचन्द्र रामगुलाम ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में चीफ गोस्ट के तौर पर शामिल होंगे। पीएम मोदी 11-12 मार्च को पोर्ट लुईस का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने संसद में इसका ऐलान किया। पूरे सदन ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस फैसले का स्वागत किया।

नवीनचन्द्र रामगुलाम ने संसद में इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मोदी के लिए ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना विशेष सम्मान की बात है, खासकर जब उनका शेड्यूल काफी व्यस्त है। हाल ही में वह पेरिस और अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में शामिल हुए थे।

रामगुलाम ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरे निमंत्रण पर रत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए अतिथि विशेष बनने के लिए सहमति दी है। यह हमारे देश के लिए एक सम्मान की बात है कि हम इस प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी कर रहे हैं। वह अपनी अत्यधिक व्यस्तता और पेरिस और अमेरिका के हालिया दौरे के बावजूद इस सम्मान को हमें दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, पीएम मोदी का यह दौरा भारत और मॉरीशस के बीच मजबूत और स्थिर संबंधों का प्रतीक है।

मॉरीशस अपने राष्ट्रीय दिवस को हर साल

12 मार्च को मनाता है। इस दिन उसे 1968 में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता मिली थी। इस दिन को 1992 में राष्ट्रमंडल में गणराज्य के रूप में रूपांतरित होने के रूप में भी मनाया जाता है। इससे पहले, नवम्बर 2024 में पीएम मोदी ने रामगुलाम को मॉरीशस में ऐतिहासिक चुनावी जीत पर बधाई दी थी। अपने संदेश में पीएम मोदी ने कहा था कि वह रामगुलाम के साथ मिलकर हमारे अद्वितीय साझेदारी को और मजबूत करने का इंतजार कर रहे हैं। भारत और मॉरीशस के बीच करीबी और लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते हैं। इन रिश्तों की मुख्य वजह यह है कि भारतीय मूल के लोग मॉरीशस की 12 लाख की जनसंख्या का लगभग 70 प्रतिशत हैं।

पुलिस ने सुरक्षाबलों को धमकी देने वाले उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में ग्राम स्वयंसेवकों को गिरफ्तार करने पर सुरक्षा बलों को धमकी देने वाला वीडियो बनाने के आरोप में प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि मोइरांगथेम थोइबा (39) को विष्णुपुर जिले के थमनापोकपी से गिरफ्तार किया जबकि सैखोम लेम्बुर्स सिंह को इंफाल पूर्व जिले से पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि लेम्सुर्स सिंह जबरन वसूली करता था। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (के) के दो काडर को गिरफ्तार किया है। वांगखेम रोहित सिंह (18) और थांगजम नोंगन को दुकानों और वाहनों से जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

टनल हादसे में फंसे झारखंड के चार मजदूर, परिवार चिंतित, ईश्वर से कर रहा प्रार्थना

गुमला। तेलंगाना टनल हादसे में झारखंड के 4 मजदूर फंसे हुए हैं। चारों मजदूर गुमला जिले के रहने वाले हैं। सभी को बाहर निकालने का कार्य जारी है। टनल में फंसे झारखंड के चारों मजदूरों में सदर थाना क्षेत्र के तिर्रा गांव निवासी संतोष साहू, घाघरा थाना क्षेत्र के खंभिया कुंबा टोली निवासी अनुज साहू, रायडीह थाना क्षेत्र के कोबी टोली गांव निवासी जगता खेस और पालकोट थाना क्षेत्र के उम्दा नकटी टोली गांव निवासी

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के लिए 75 जिलों में चलेंगी 24 घंटे बसें

–यूपी से सटे 8 राज्यों की सीमाओं से भी होगा बसों का संचालन

प्रयागराज (एजेंसी)। महाशिवरात्रि की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के सभी 75 जिलों से रोडवेज बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। यह बसें 24 घंटे चलेंगी। शनिवार को रात नौ बजे तक करीब 2200 बसें चलाई गई। यूपी रोडवेज के सहारनपुर, मेरठ, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, गाजियाबाद, बरेली परिक्षेत्र के लिए शनिवार को बसों की संख्या बढ़ा दी गई। शनिवार को भीड़ को देखते हुए वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, देवीपाटन परिक्षेत्र के लिए सर्वाधिक बसें चलाई गई। यात्री प्रदेश के किसी भी हिस्से से आए उन्हें रोडवेज बसें प्रयागराज पहुंचाएंगी। इस बार महाशिवरात्रि पर रोडवेज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाली श्रद्धालुओं के लिए झूंसी से सबसे ज्यादा बसों के संचालन की व्यवस्था की है। इसके अलावा यहां बसों को रिजर्व भी किया जा रहा है। बनारस-गोरखपुर की ओर की

बसों का संचालन झूंसी से होगा। लखनऊ के लिए बेला कछार से कानपुर के लिए नेहरू पार्क और मीरजापुर-बांदा आदि के लिए लेप्रोसी में बसें 24 घंटे चलेंगी। यूपी के सभी जिले के अलावा यूपी से सटे आठ राज्यों की सीमाओं से भी बसों का संचालन किया जाएगा।

जैसे ही भीड़ बढ़ेगी आरक्षित बसों को भी मैदान में उतार दिया जाएगा। शनिवार को दिन भर रोडवेज अधिकारी अपनी तैयारियों का जायजा लेते रहे। महाशिवरात्रि के लिए रोडवेज की नौ पार्किंग शहर के बाहर बनाई गई हैं। इसमें तीन पार्किंग यथा बेला कछार प्रथम, द्वितीय व रिजर्व के नाम से रखी गई हैं। नेहरू पार्क बस स्टेशन, झूंसी, दुर्जनपुर, सरस्वती द्वार, लेप्रोसी व सरस्वती हाईटेक सिटी पार्किंग बनाई गई है।

शटल बसों का संचालन प्रत्येक दो मिनट में होगा। इसमें वाराणसी मार्ग पर हबूसा मोड से अंदावा, जौनपुर मार्ग पर फूलपुर से अंदावा व मीरजापुर मार्ग पर सरस्वती हाईटेक सिटी से लेप्रोसी के लिए बस मिलेगी। मीरजापुर मार्ग पर सरस्वती हाईटेक सिटी से पूर्वी सरस्वती हाईटेक पश्चिमी के लिए, चित्रकूट मार्ग पर धनुहा ग्राम से लेप्रोसी व गोहनिया से लेप्रोसी, रीवा मार्ग पर चाकघाट से लेप्रोसी, बेला कछार से भारत स्काउट गाइड के लिए शटल बस मिलेगी।

अयोध्या मार्ग पर शिवगढ़ से भारत स्काउट गाइड, लखनऊ मार्ग पर नवाबगंज से भारत स्काउट गाइड, नेहरू पार्क से कानपुर मार्ग पर पूरामुफ्ती से हिंदू हास्टल के लिए शटल बसों का संचालन किया जाएगा। झूंसी, सरस्वती गेट, नेहरू पार्क, बेला कछार, सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी, लेप्रोसी मिशन बस स्टेशन से रोडवेज बसें यात्रियों को संबंधित रूट के लिए मिलेंगी।

विदेश मंत्री जयशंकर 50 देशों के डेलिगेट्स के साथ पहुंचे काशी, छात्रों से करेंगे संवाद

वाराणसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर वाराणसी पहुंचे जहां से वह 50 देशों के डेलिगेट्स के साथ बनारस आए हैं। काशी में वह आईआईटी बीएचयू में भावी इंजीनियरों के साथ संवाद करेंगे। इसके पहले जयशंकर ने काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में हिस्सा लिया। इससे पहले

जयशंकर का एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्वागत किया। यहां से विदेश मंत्री का काफिला बीएचयू रवाना हुआ। जहां वह काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में डेलिगेट्स के साथ पहुंचे। जयशंकर 200 आईआईटीयंस से मुलाकात करेंगे और विश्व बंधु विषय पर अपने विचार को साझा करेंगे। आईआईटी बीएचयू के विभिन्न विभागों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को भी देखेंगे। इसके साथ ही संकाय सदस्य, शोधकर्ताओं से बातचीत कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति पर चर्चा भी करेंगे। बता दें संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना है। इसके साथ ही विदेश नीति की बारीकियां से उनको अवगत कराना और नए शोध को बढ़ावा देना है। विदेश मंत्री का वाराणसी दौरा आईआईटी बीएचयू के छात्रों के लिए एक अहम माना जा रहा है, जहां वह विदेश नीति, कूटनीति और वैश्विक चुनौतियों पर अपने जिज्ञासाओं को विदेश मंत्री के साथ साझा करेंगे।

की चुनावी प्रक्रिया में कर रहे हस्तक्षेप

खड़ ने कहा–ये लोग हमारे संसाधनों की कर रहे हैं मांग

ा उन्होंने कहा कि कुछ देशों ने
नागरिकों को निर्वासित कर
से वहां ले जाया गया था।
क हर भारतीय के मन में यह
हुए कि हम ऐसा कब शुरू

उपराष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं को एक शक्तिशाली समूह के रूप में काम करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और सरकार से पूछना चाहिए कि क्या वे अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा धर्म और सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति किसी भी धर्म का पालन कर सकता है, लेकिन प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण नहीं करा सकता है। भारत में मतदाता मतदान बढ़ाने के लिए यूएसएआईडी फंडिंग का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब आधिकारिक खुलासा हुआ है कि चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र में हेरफेर करने की कोशिश करने वालों को बेनकाब करने के लिए गहन और सूक्ष्म स्तर की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश अपने गौरव को सुनिश्चित कर रहा है, भले ही इसमें देरी हुई हो। धनखड़ ने सलाह दी कि जो छात्र उत्तीर्ण होकर निकल रहे हैं, उन्हें विश्वविद्यालय से अपना जुड़ाव बनाए रखना चाहिए। सामाजिक बदलाव तभी संभव है जब सामाजिक समरसता होगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता विविधता में एकता को परिभाषित करेगी।

में हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप

पहर एक हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना 23 फरवरी दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। करीब जाकर देखा गया तो पता चला कि यह एक हैंड ग्रेनेड है।

नीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। इसकी सूचना जैसे ही पुलिस को मिली वह भी बिना देर किए मौके पर पहुंची और , पुलिस ने तुरंत पठानकोट स्थित भारतीय सेना को भी सूचित किया। खबर लिखे जाने तक एसपी नूरपुर अशोक रतन और थी।

हैकर्स ने बायबिट पर साइबर अटैक कर 150 करोड़ डॉलर चुराए

–कंपनी की सिक्योरिटी टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स जांच में जुटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिप्टो मार्केट में चोरी का मामला सामने आया है। हैकर्स ने क्रिप्टो एक्सचेंज बायबिट पर साइबर अटैक कर 150 करोड़ डॉलर यानी 12,850 करोड़ रुपए के 4,01,347 एथर चुरा लिए। यह सबसे बड़ी चोरी मानी जा रही है। यह चोरी शुक्रवार को हुई थी। हैकर्स ने एक्सचेंज के एक एथर कोल्ड वॉलेट को निशाना बनाया और कई ट्रांजैक्शंस के जरिए एथर को अज्ञात जगह ट्रांसफर कर दी।

बायबिट के सीईओ बेन झोऊ ने एक्स पर एक पोस्?ट कर कहा कि सिर्फ एक कोल्ड वॉलेट को हैक किया है, बाकी सभी फंड्स पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस हमले के पीछे उत्तर कोरिया के कुख्यात लजारस ग्रुप का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। बायबिट के पूरी दुनिया में 6 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं और इसके जरिए बिटकॉइन और एथर जैसी क्रिप्टोकरेंसी का लेन-देन किया जाता है। इस बड़े हमले के बाद यूजर्स में चिंता बढ़ गई है।

कंपनी की सिक्योरिटी टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स इस मामले की जांच कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक क्रिप्?टो फ्रॉड में इजाफा हो रहा है और 2024 में क्रिप्टो फ्रॉड रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सीईओ बेन झोऊ ने भरोसा दिलाया कि केवल एक वॉलेट पर हमला हुआ है और अन्य वॉलेट्स पर कोई असर नहीं पड़ा है और निकासी सामान्य रूप से हो रही है। बायबिट का कहना है कि यदि चोरी हुए क्रिप्टो एसेट्स वापस नहीं मिलते हैं, तो भी यूजर्स को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। कंपनी ने आश्वासन दिया कि वह खुद इस नुकसान की भरपाई करेगी और ग्राहकों के एक-एक पैसे की सुरक्षा तय करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में क्रिप्टो फ्रॉड रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसका एक बड़ा कारण पिग बुचरिंग स्कैम है, जिसमें अपराधी लोगों से दोस्ती बढ़ाकर उन्हें फर्जीवाड़े में फंसाते हैं। 13 फरवरी को आई रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में इस स्कैम का रेवेन्यू 40 फीसदी तक बढ़ गया। पिछले साल क्रिप्टो मार्केट में कम से कम 990 करोड़ डॉलर की चोरी हुई लेकिन जब पूरा डेटा सामने आएगा तो यह आंकड़ा 1,240 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है।

स्ता, जरुरत से ज्यादा लिया कर्ज

ो झूठ और

ांख्यिकी की
तावेज है, ने
ा किया कि
ों का खंडन
कार ने खुद
गया है कि
त्तीय स्थिति
ना रहे हैं।
पकल राज्य
ोड़ रुपए से
पए हो गया,
आर ने जोर
को गुजरात
आगे रखा है।